रायपुर, लखनऊ, नई दिल्ली और फरीदाबाद से प्रकाशित
हमेशा सच के साथ
RNI NO. CHHHIN/2016/70655

पायनियर

www.dailypioneer.com रायपुर, मंगलवार 21 नवम्बर 2023 पृष्ठ-12 वर्ष-08, अंक-89 मूल्य 3.00 ₹

क्विक न्यूज़

राष्ट्रीय फार्मेसी आयोग विधेयक पर आम जनता से मांगी राय

नयी दिल्ली। केंद्रीय स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्रालय ने राष्ट्रीय फार्मेसी आयोग विधेयक, 2023 के प्रारुप पर आम जनता से राय मांगी है। मंत्रालय ने सोमवार को यहां बताया कि विधेयक के प्रारुप पर 14 दिसंबर तक अपनी राय, सुझाव या आपत्ति मंत्रालय को भेजी जा सकती हैं। मंत्रालय के अनुसार राष्ट्रीय फार्मेसी आयोग विधेयक 2023 का प्रारुप तैयार किया गया है और उसे दिनांक 14 नवंबर को स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्रालय की वेबसाइट डाल दिया गया है।

असम सरकार ने पाठ योजना को कारगर बनाने के लिए एआई-आधारित शैक्षिक ऐप विकसित किया

गुवाहाटी। असम सरकार ने हाल ही में शिक्षकों के लिए पाठ योजना को सरल बनाने के उद्देश्य से पहली बार आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस (एआई) आधारित शैक्षिक ऐप विकसित किया है। 'एआई' शिक्षा में कुछ सबसे बड़ी चुनौतियों का समाधान कर सकता है, और शिक्षण और सीखने की प्रथाओं को नया बना सकता है। असम के मुख्यमंत्री हिमंत बिस्वा सरमा ने एक्स पर कहा 'असम के बारपेटा में हमारे जिला अधिकारियों ने शिक्षकों के लिए पाठ योजना को सरल बनाने के लिए एआई ऐप विकसित किए हैं।' उन्होंने कहा कि जिला शिक्षा विभाग, बारपेटा द्वारा तीन संख्या में एआई आधारित शैक्षिक ऐप विकसित किए गए थे।

ईपीएफओ ने सितंबर में 17.21 लाख सदस्य जोड़े

नयी दिल्ली । कर्मचारी भविष्य निधि संगठन (ईपीएफओ) ने सितंबर 2023 में 17.21 लाख सदस्य जोड़े हैं। केंद्रीय श्रम एवं रोजगार मंत्रालय ने सोमवार को यहां बताया कि इसी वर्ष अगस्त की तुलना में सितंबर में 21 हजार 475 अधिक सदस्य जोड़े गये हैं जबकि सितंबर, 2022 की तुलना में 38 हजार 262 अधिक सदस्य हैं। आंकड़ों के अनुसार सितंबर के दौरान लगभग 8.92 लाख नए सदस्यों ने नामांकन किया है इनमें से लगभग 2.26 लाख महिला सदस्य हैं। इसके अलावा, महीने के दौरान महिला सदस्य की संख्या लगभग 3.30 लाख रही। पांच राज्यों महाराष्ट्र, तमिलनाडु, कर्नाटक, गुजरात और हरियाणा में सबसे अधिक सदस्य ईपीएफओ में जोड़े गये हैं।

शेयर बाजार फिसला

मुंबई। वैश्विक स्तर के कमजोर संकेतों के साथ ही घरेलू स्तर पर ऑटो, रियलटी, यूटिलिटी और कमोडिटी जैसे समूहों में हुयी बिकवाली के कारण आज शेयर बाजार गिरावट में रहा। बीएसई का 30 शेयरों वाला संवेदी सूचकांक सेंसेक्स 139.58 अंक टूटकर 65665.15 अंक पर और नेशनल स्टॉक एक्सचेंज (एनएसई) का निफ्टी 37.80 अंक लुढ़ककर 19694 अंक पर रहा। बीएसई में छोटी और मझौली कंपनियों में भी बिकवाली देखी गयी जिससे मिडकैप 0.06 प्रतिशत टूटकर 33361.52 अंक पर और स्मॉलकैप 0.39 प्रतिशत फिसलकर 39751.33 अंक पर रहा। बीएसई के अधिकांश समूह गिरावट में रहे जिसमें ऑटो 0.69 प्रतिशत, कमोडिटी 0.66 प्रतिशत, कैपिटल गुड्स 0.43 प्रतिशत, रियलटी 0.33 प्रतिशत और यूटिलिटी 0.44 प्रतिशत प्रमुखता से शामिल है। बढ़त में रहने वालों में आईटी 0.64 प्रतिशत, टेक 0.52 प्रतिशत, टेलीकम्युनिकेशंस

कांटे की टक्कर के बीच दोनों दल कर रहे अपनी-अपनी सरकार बनाने का दावा

हर एक सीट पर नजदीकी मामला, बागी और अन्य दल बिगाड़ते नजर आ रहे समीकरण

पायनियर संवाददाता रायपुर
www.dailypioneer.com

छत्तीसगढ़ में विधानसभा चुनाव के लिए मतदान संपन्न हो चुके हैं। फिलहाल प्रत्याशियों का भविष्य ईवीएम में कैद है। जिसका खुलासा अब चुनाव परिणाम यानि की 3 दिसम्बर को होगा। लेकिन इस बीच राज्य के दोनों प्रमुख दल भाजपा और कांग्रेस अपनी-अपनी सरकार बनाने का दावा कर रहे हैं। भाजपा नेताओं की माने तो उन्हे 48 से 52 सीटें मिल सकती है। वहीं कांग्रेस पार्टी के द्वारा 75 पार का दावा किया जा रहा है। फिलहाल दोनों दल प्रत्याशियों और स्थानीय कार्यकर्ताओं से फीडबैक ले रहे हैं। लोगों के बीच से आ रहे फीडबैक में कांग्रेस द्वारा कर्जमाफी के लिए की गई घोषणा और भाजपा द्वारा महिलाओं को प्रतिमाह एक हजार और साल के बारह हजार रूपए देने की घोषणा का अच्छा प्रतिशाद मिलने की संभावना है। हालांकि कांग्रेस पार्टी ने भी राज्य की महिलाओं को प्रति वर्ष 15 हजार रूपए देने का ऐलान किया गया है। लेकिन कांग्रेस ने इसे अपने घोषणा पत्र में देरी से शामिल किया। नतीजन इस घोषणा के आने से पहले ही प्रथम चरण की 20 सीटों पर मतदान हो चुका था। वहीं दिवाली त्योहार के बदौलत कांग्रेस अपनी इस घोषणा को जनता तक पहुचाने में असफल दिख रही है। कहते हैं की भाजपा ने इस दौरान गांव-गांव तक महिलाओं के आवेदन को संकलित कर लिया। आवेदन में आए फोन नंबरों पर 12 हजार रूपए देने की घोषणा का मल्टीकॉल के माध्यम से प्रचारित भी कर दिया गया। शायद यही कारण है कि राज्य में महिलाओं ने वोटिंग में बढ़-चढ़ कर हिस्सा लिया। वहीं दूसरा बड़ा वर्ग युवाओं ने भी जमकर मतदान किया। छत्तीसगढ़ में हुए कथित पीएससी घोटाले और कथित भ्रष्टाचारों के आरोपों के आधारों पर भाजपा यह मान कर चल रही है कि महिलाओं के साथ-साथ युवा वर्ग ने भी भाजपा को वोटिंग की है। वहीं कांग्रेस पार्टी का दावा है कि जनता उन पर फिर भरोसा कायम रखेगी। पिछले सालों में दी जाने वाली बोनस की राशि, कर्ज माफी, बिजली बिल और गोधन न्याय योजना से अच्छा प्रतिसाद मिलने का कांग्रेस पार्टी द्वारा दावा किया जा रहा है। फिलहाल दोनों दल कश्मकश की स्थिति में है। सर्वे रिर्पोटो की माने तो भाजपा को 38 से 41 सीटें वहीं कांग्रेस को 48 से 52 सीटों पर विजयश्री मिल सकती है। चूंकि हर सीट पर मामला नजदीकी है। जीत हार का अंतर बहुत कम हो सकता है। ऐसे में दो में से किसी भी दल की सीटें बढ़-घट सकती है। फिलहाल इसका खुलासा 3 दिसम्बर को ही हो सकेगा।

सूत्रों की माने तो छत्तीसगढ़ विधानसभा चुनाव में मतदान के बाद भाजपा की समीक्षा बैठकों में यह बात छनकर सामने आई है कि केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह द्वारा बीते जुलाई माह में कराए गए आंतरिक सर्वे में भाजपा को 90 विधानसभा सीटों में से 34 पर जीत मिलती दिख रही थी, कहते है कि मतदान के बाद यह आंकड़ा 48 तक पहुंच गया है। बूथ स्तर पर किए गए सर्वे में मिले फीडबैक के आधार पर भाजपा का सरकार बनाने का दावा है। सरकार बनाने के लिए 46 सीटों पर जीत जरूरी है। ऐसे में अब इस आंकड़े से भाजपा उत्साहित है। राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ (आरएसएस) ने भी अपने आंतरिक सर्वे में 55 सीटों पर जीत की संभावना व्यक्त की है, लेकिन 17 सीटों पर कड़ा मुकाबला भी बताया है। आंकड़े बढ़ने के प्रमुख कारण भाजपा का घोषणा पत्र है। पहली बार भाजपा ने राज्य में बढ़-चढ़कर घोषणाएं की है। जिससे यह माना जा रहा है कि मामला नजदीकी हो सकता है।

17 सीटों पर कड़ा मुकाबला

मिली जानकारी अनुसार आरएसएस ने 17 सीटों पर कड़ा मुकाबला बताया है। वास्तव में यह सीटें कौन से दल को जाएंगी, फिलहाल इस बारे में कुछ कहा नहीं जा सकता। यह माना जा रहा है जिन सीटों पर कांटे की टक्कर है, उस पर किसी की भी जीत कम मतों से हो सकती है। ऐसे में परिणाम चौकाने वाले भी हो सकते है। देखना यह है कि इस 17 सीटों पर कौन से दल के प्रत्याशी ज्यादा जीतकर आते है। स्वभाविक है कि यह 17 सीट ही गेम चेंजर साबित होंगी।

सीएम भूपेश बघेल और कुमारी शैलजा ने किया 75 से जादा सीटें जीतने का दावा

छत्तीसगढ़ के मुख्यमंत्री भूपेश बघेल ने इस बार 75 पार का दावा किया है। बघेल ने कहा अब जीत का अंतर बढेगा। राज्य में किसानों, गरीबों, मजदूरों, युवाओं और महिलाओं ने कांग्रेस पार्टी पर फिर से भरोसा जताया है। छत्तीसगढ़ की कांग्रेस सरकार ने पहले भी किसानों का कर्जा माफ किया है और इस बार भी करेगी। भाजपा ने किसानों को दो साल का बोनस नहीं दिया। राज्य की जनता भाजपा पर विश्वास करने वाली नहीं है। उन्होंने कहा कि इस बार हम जादा सीटे जीतेंगे। यह आंकड़ा बढ़कर 75 पार जा सकता है। वहीं प्रत्याशियों और कार्यकर्ताओं से मिल रहे फीडबैक को लेकर प्रदेश प्रभारी कुमारी शैलजा ने भी छत्तीसगढ़ में 75 से अधिक सीटे जीतने की बात कही है। शैलजा द्वारा राजीव भवन में प्रत्याशियों और कार्यकर्ताओं से लगातार फीडबैक भी लिया जा रहा है।

छत्तीसगढ़ में जीत रही भाजपा : डॉ. रमन सिंह

मतगणना के पूर्व सीएम डॉ. रमन सिंह ने कहा कि 3 दिसंबर को परिणाम का इंतजार सभी को है। कार्यकर्ताओं की मेहनत और केंद्रीय नेतृत्व ने भी पर्याप्त वक्त दिया। पहले और दूसरे चरण के अभियान जिस तरह चले हैं, भाजपा को स्पष्ट बहुमत के साथ सरकार बनेगी। हर क्षेत्र से सर्वे और कार्यकर्ताओं से चर्चा के बाद निष्कर्ष यही निकला है। कम से कम 52 से 54 सीटों पर भाजपा जीत रही और भाजपा की सरकार बनेगी। मंत्री टीएस सिंहदेव के चुनाव नहीं लड़ने और सीएम उम्मीदवारी पर पूर्व मुख्यमंत्री रमन सिंह ने तंज कसा है। उन्होंने कहा कि वह सही बोल रहे हैं, उनके मन की पीड़ा है। पांच साल से वह इंतजार कर रहे हैं। यह वादा कर उनको पांच साल घुमा कर रख दिया गया, पर उनकी भी इच्छा गलत समय पर जागृत हुई है। अब भाजपा की सरकार बन रही है। कांग्रेस में अंतर्द्वंद्व पर रमन सिंह ने कहा, कांग्रेस में अंतर्द्वंद्व पूरे चुनाव के दौरान दिखा। जितने बड़े नेता थे वह अपने विधानसभा छोड़कर कहीं नहीं गए। एक विधानसभा में बांधकर उन्हें रखा गया। अब उनके मन की पीड़ा और आक्रोश झलक रही है। दीपक बैज के महिलाओं को वोट देने के बयान पर रमन सिंह ने कहा, महिलाओं का रुझान बीजेपी की योजना और घोषणा पत्र पर है। कांग्रेस की वादाखिलाफी के आक्रोश को प्रकट किया है। महिलाओं को छला गया और ठगा गया। महिलाओं ने गुस्से में आकर शानदार मतदान किया है। यह परिवर्तन का वोट है, जो महिलाओं ने दिया।

फंसे श्रमिकों को सुरक्षित रखने डाली गई दूसरी पाइप लाइन

पायनियर संवाददाता देहरादून
www.dailypioneer.com

उत्तराखंड के उत्तरकाशी जिले में स्थित सिलक्यारा सुरंग में चल रहे रेस्क्यू अभियान में सोमवार को एक महत्वपूर्ण कामयाबी मिली है। सुरंग के अवरुद्ध हिस्से में छह इंच की पाइपलाइन बिछाकर सेकेंडरी लाइफ लाइन बनाने के लिए की जा रही ड्रिलिंग पूर्ण कर मलवे के आर पार 53 मीटर लंबी पाइपलाइन डाल कर इसके जरिये फंसे श्रमिकों तक खाद्य सामग्री पहुचाने की तैयारी की जा रही है। लगभग साढ़े चार बजे एनएचएआईडीसीएल के निदेशक अंशुमनीष खलखो,जिलाधिकारी अभिषेक रूहेला और टनल के भीतर संचालित रेस्क्यू अभियान के प्रभारी कर्नल दीपक पाटिल ने मीडिया को यह जानकारी देते हुए बताया कि गत नौ दिनों से चल रहे रेस्क्यू की इस पहली कामयाबी के बाद श्रमिकों को जल्द से जल्द सुरक्षित निकालने के अहर्निश प्रयास तेजी से संचालित किए जाएंगे। सुरंग में फंसे श्रमिकों के जीवन की रक्षा के लिए अबतक चार इंच की पाइपलाइन ही लाइफलाइन बनी हुई थी। अब सेकेंड्री लाइफ लाइन के तौर पर छह इंच व्यास की पाइप लाइन मलवे के आरपार बिछा दिए जाने के बाद श्रमिकों तक बड़े आकार की सामग्री व खाद्य पदार्थ तथा दवाएं और अन्य जरूरी साजो सामान के साथ ही संचार के उपकरण भेजने में सहूलियत होगी। जिससे अंदर फंसे श्रमिकों के जीवन को सुरक्षित बनाये रखने का भरोसा कई गुना बढ़ा है। इस अच्छी खबर के बाद श्रमिकों और उनके परिजनों साथ ही रेस्क्यू के मोर्चों पर खुशी और उत्साह देखने को मिल रहा है और रेस्क्यू के अन्य विकल्पों को लेकर अब उम्मीदें उफान पर हैं।

मुर्मू ओडिशा के तीन दिवसीय दौरे पर

भुवनेश्वर। राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू ओडिशा की तीन दिवसीय यात्रा पर सोमवार को बारीपदा पहुंचीं। ओडिशा के राज्यपाल रघुबर दास और केंद्रीय मंत्री बिसेश्वर टुडू ने बारीपदा पुलिस पाडिया में राष्ट्रपति का स्वागत किया। राष्ट्रपति की सुचारू यात्रा के लिए व्यापक सुरक्षा व्यवस्था की गई है। सूत्रों ने बताया कि राष्ट्रपति की सुरक्षा के लिए 32 प्लाटून पुलिस तैनात की गई थी। मुर्मू आज बारीपदा में अखिल भारतीय संताली लेखक संघ के 36वें वार्षिक सम्मेलन और साहित्यिक महोत्सव के उद्घाटन सत्र में भाग लेंगी और मयूरभंज जिले के कुलियाना में एकलव्य मॉडल आवासीय विद्यालय (ईएमआरएस) का उद्घाटन करेंगे। ईएमआरएस को केंद्रीय जनजातीय मामलों के मंत्रालय द्वारा स्वीकृत 38 करोड़ रुपये की लागत से 12 एकड़ भूमि पर विकसित किया गया है। राष्ट्रपति कल 21 नवंबर को पहाड़पुर गांव में कौशल प्रशिक्षण केंद्र का उद्घाटन करेंगी। इसके बाद, वह बादामपहाड़ रेलवे स्टेशन जायेंगी। जहां से वह तीन नयी ट्रेनों--बादामपहाड़-टाटानगर मेमू , बादामपहाड़-राउरकेला साप्ताहिक एक्सप्रेस और बादामपहाड़-शालीमार साप्ताहिक एक्सप्रेस को हरी झंडी दिखायेंगी तथा बादामपहाड़ रेलवे स्टेशन के पुनर्विकास की आधारशिला रखेंगी। वह बादामपहाड़-शालीमार एक्सप्रेस से बादामपहाड़ से रायरंगपुर तक यात्रा करेंगी , जहां वह वह रायरंगपुर डाक प्रभाग का उद्घाटन करने के साथ ही यहां पोस्टल डिवीजन का स्मारक कवर जारी करेंगी।

केंद्र सरकार, केरल के राज्यपाल कार्यालय को सुप्रीम कोर्ट का नोटिस

वार्ता नयी दिल्ली
www.dailypioneer.com

उच्चतम न्यायालय ने केरल विधानसभा से पारित विधेयकों को मंजूरी देने में अनिश्चितकालीन देरी के मामले में सोमवार को वहां के राज्यपाल कार्यालय और केंद्र सरकार को नोटिस जारी किया। मुख्य न्यायाधीश डी वाई चंद्रचूड़ और न्यायमूर्ति जे बी पारदीवाला और न्यायमूर्ति मनोज मिश्रा की पीठ ने केरल सरकार की ओर से दायर रिट याचिका पर केंद्र सरकार और राज्यपाल के प्रधान सचिव को जवाब-तलब किया। पीठ ने अटॉर्नी जनरल आर वेंकटरमणी से भी अदालत की सहायता करने को कहा। केरल सरकार ने यह आरोप लगाते हुए एक याचिका दायर की थी कि राज्यपाल विधानसभा द्वारा पारित विधेयकों को मंजूरी देने में अनिश्चितकालीन देरी कर रहे हैं।

केरल सरकार का पक्ष रख रहे वरिष्ठ वकील के के वेणुगोपाल ने पीठ के समक्ष कहा कि आठ विधेयकों में से कुछ सात महीने से और कुछ तीन साल से लंबित हैं। शीर्ष अदालत इस मामले की अगली सुनवाई शुक्रवार को करेगी। गौरतलब है कि इस मामले पर पंजाब और तमिलनाडु के बाद केरल शीर्ष अदालत में रिट याचिका दायर करने वाला तीसरा विपक्षी शासित राज्य है। तेलंगाना सरकार ने भी अप्रैल में इसी तरह की याचिका दायर की थी। अपनी याचिका में केरल सरकार ने यह घोषणा करने की मांग शीर्ष अदालत से की कि संविधान के अनुच्छेद 200 के तहत विवेकाधीन शक्ति का प्रयोग किए बिना विधेयकों को अनिश्चितकाल तक रोकने का राज्यपाल का कदम सरकार और लोकतांत्रिक संविधानवाद और संघवाद के सिद्धांत के खिलाफ है। याचिका में कहा गया है कि राज्य विधानसभा द्वारा पारित और संविधान के अनुच्छेद 200 के तहत उनकी सहमति के लिए राज्यपाल को प्रस्तुत किए गए आठ विधेयक लंबित थे। इनमें से तीन विधेयक दो साल से अधिक समय से लंबित हैं, जबकि तीन पूरे एक वर्ष से अधिक समय से लंबित हैं। याचिका में कहा गया है, ÷राज्यपाल के आचरण (विधेयकों रिपीट विधेयकों पर फैसला नहीं करना) से कानून के शासन और लोकतांत्रिक सुशासन सहित हमारे संविधान के मूल सिद्धांतों और बुनियादी आधारों को नष्ट करने और नष्ट करने का खतरा है।

सफल आयोजन पर मार्ल्स को बधाई दी

भारत-आस्ट्रेलिया ने द्विपक्षीय रक्षा संबंधों को मजबूत बनाने की प्रतिबद्धता व्यक्त की

पायनियर संवाददाता
नारायणपेट/चेवेल्ला (तेलंगाना)
www.dailypioneer.com

नयी दिल्ली 20 नवम्बर (वार्ता) भारत और आस्ट्रेलिया ने द्विपक्षीय रक्षा संबंधों को अधिक मजबूत बनाने के प्रति वचनबद्धता व्यक्त की है और बढ़ते रक्षा संबंधों पर संतोष व्यक्त किया है।

रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने सोमवार को यहां ऑस्ट्रेलियाई उप प्रधान मंत्री और रक्षा मंत्री रिचर्ड मार्ल्स के साथ टू प्लस टू वार्ता से पहले द्विपक्षीय बैठक की। दोनों मंत्रियों ने द्विपक्षीय रक्षा संबंधों को और मजबूत करने के प्रति अपनी प्रतिबद्धता की पुष्टि की। उन्होंने संयुक्त अभ्यास, आदान-प्रदान और संस्थागत बातचीत सहित दोनों देशों के बीच बढ़ते सैन्य-से-सैन्य सहयोग पर संतोष व्यक्त किया। रक्षा मंत्री ने इस वर्ष अगस्त में ऑस्ट्रेलिया द्वारा बहुपक्षीय अभ्यास 'मालाबार' के पहले और सफल आयोजन पर मार्ल्स को बधाई दी।

उन्होंने दोनों देशों के बीच सूचना आदान-प्रदान और समुद्री क्षेत्र के बारे में जागरूकता में सहयोग को बढ़ाने के महत्व पर बल दिया। दोनों पक्षों के बीच हाइड्रोग्राफी क्षेत्र और हवा से हवा में ईंधन भरने के लिए सहयोग पर चर्चा अंतिम चरण में है। सिंह ने इस बात पर जोर दिया कि दोनों देशों की सेनाओं को कृत्रिम मेधा, पनडुब्बी रोधी और ड्रोन रोधी युद्ध तथा साइबर जैसे विशिष्ट प्रशिक्षण क्षेत्रों में भी सहयोग करना चाहिए। दोनों मंत्री इस बात पर सहमत हुए कि रक्षा उद्योग और अनुसंधान में सहयोग पहले से ही मजबूत संबंधों को बढ़ावा देगा।

रक्षा मंत्री ने सुझाव दिया कि दोनों देशों के बीच पोत निर्माण, पोत मरम्मत और रखरखाव, विमान रखरखाव, मरम्मत और सहयोग के संभावित क्षेत्र हो सकते हैं। दोनों मंत्रियों ने समुद्री प्रौद्योगिकियों में संयुक्त अनुसंधान के लिए सहयोग पर भी चर्चा की। चुनौतियों को संयुक्त रूप से हल करने सहित दोनों देशों के रक्षा स्टार्ट-अप के बीच सहयोग पर भी चर्चा हुई। उन्होंने इस बात पर सहमति व्यक्त की कि मजबूत भारत-ऑस्ट्रेलिया रक्षा साझेदारी न केवल दोनों देशों के पारस्परिक लाभ के लिए बल्कि हिन्द-प्रशांत की समग्र सुरक्षा के लिए भी अच्छी होगी।

संजय सिंह की याचिका पर केंद्र, ईडी को सुप्रीम कोर्ट का नोटिस

नयी दिल्ली। उच्चतम न्यायालय ने दिल्ली शराब नीति से जुड़े मनी लॉन्ड्रिंग मामले में जेल में बंद राज्य सांसद संजय सिंह की याचिका पर सोमवार को केंद्र सरकार और प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) को नोटिस जारी किया। न्यायमूर्ति संजीव खन्ना और एस वी एन भट्टी की पीठ ने चार अक्टूबर को गिरफ्तार आम आदमी पार्टी (आप) के नेता सिंह की याचिका पर केंद्र सरकार और ईडी से जवाब-तलब किया। शीर्ष अदालत ने यह भी स्पष्ट किया कि यदि श्री सिंह ने अंतरिम जमानत के लिए याचिका दायर की हो तो इस पर दिल्ली उच्च न्यायालय के फैसले में की गई टिप्पणी का कोई असर नहीं पड़ना चाहिए। दिल्ली उच्च न्यायालय ने श्री संजय सिंह की याचिका 20 अक्टूबर खारिज कर दी थी। उन्होंने अपनी गिरफ्तारी और हिरासत को चुनौती देते हुए अंतिम जमानत की गुहार लगाई थी। शीर्ष अदालत इस मामले की अगली सुनवाई 11 दिसंबर को करेगी। उच्चतम न्यायालय ने दिल्ली शराब नीति के कथित घोटाले के एक अन्य प्रमुख आरोपी दिल्ली के पूर्व उपमुख्यमंत्री मनीष सिसोदिया की जमानत याचिका 30 अक्टूबर को खारिज कर दी। शीर्ष अदालत ने सिसोदिया की जमानत याचिका खारिज करते हुए कहा था।

मोदी ने धामी से दूरभाष पर ली क्षतिग्रस्त टनल में फंसे मजदूरों की जानकारी

पायनियर संवाददाता देहरादून
www.dailypioneer.com

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने उत्तराखंड के मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी को फोन कर उत्तरकाशी के सिल्क्यारा के पास टनल में फंसे श्रमिकों को सुरक्षित निकालने के लिए जारी राहत और बचाव कार्यों के बारे में जानकारी ली। उन्होंने कहा कि केंद्र सरकार द्वारा आवश्यक बचाव उपकरण एवं संसाधन उपलब्ध कराए जा रहे हैं। केंद्र और राज्य की एजेंसियों के परस्पर समन्वय से श्रमिकों को सुरक्षित बाहर निकाल लिया जाएगा। फंसे श्रमिकों का मनोबल बनाए रखने की जरूरत है। धामी ने मोदी को अद्यतन स्थिति की जानकारी देते हुए बताया कि राज्य और केंद्रीय एजेंसियां परस्पर समन्वय और तत्परता के साथ राहत और बचाव कार्य में जुटी हैं। टनल में फंसे श्रमिक सुरक्षित हैं और ऑक्सीजन, पौष्टिक भोजन और पानी उपलब्ध कराया जा रहा है। राहत और बचाव कार्यों के लिए विशेषज्ञों की राय लेकर एजेंसियां काम कर रही हैं। मुख्यमंत्री ने बताया कि उन्होंने स्वयं मौके पर जाकर स्थलीय निरीक्षण किया और बचाव कार्यों पर लगातार नजर रखें हुए हैं। मेडिकल की टीम भी वहाँ पर तैनात कर दी गई है। उन्होंने कहा कि सुरंग के अंदर फंसे सभी मजदूर सुरक्षित हैं और उन्हें जल्द बाहर निकलने की पूरी कोशिश की जा रही है। उल्लेखनीय है कि अब तक प्रधानमंत्री तीन बार मुख्यमंत्री से स्थिति की जानकारी ले चुके हैं।

फंसे श्रमिकों की कुशलक्षेम जानने वाले परिजनों का खर्चा सरकार उठाएगी : धामी

पायनियर संवाददाता ◄ देहरादून
www.dailypioneer.com

उत्तराखंड के मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने सोमवार को कहा कि सिलक्यारा सुरंग में फंसे श्रमिकों को निकालने का काम तेजी से चल रहा है। इस दौरान यदि श्रमिकों के परिजन हाल जानने को आ रहे हैं तो उनका आवागमन, रहने-खाने का इंतजाम सरकार करेगी। इसके लिए वरिष्ठ अधिकारियों को जिम्मेदारी सौंपी गई है। इसके अलावा, दूसरे राज्य के अधिकारियों से बचाव कार्य समेत अन्य जानकारी साझा करने को समन्वय टीम में तीन और अधिकारियों को मौके पर भेज दिया है। सभी अधिकारियों को बचाव कार्य से जुड़ी व्यवस्थाओं में तत्काल योगदान देने के निर्देश दिए गए हैं। धामी ने कहा कि उत्तरकाशी के सिलक्यारा सुरंग हादसे में फंसे 41 श्रमिकों को सुरक्षित निकालने को बचाव कार्य सभी स्तर पर युद्धस्तर पर चल रहा है। उन्होंने कहा कि सुरंग में बचाव कार्य के साथ ही श्रमिकों के कुशलक्षेम पूछने आ रहे परिजनों से बेहतर समन्वय स्थापित कर पल पल की जानकारी साझा की जा रही है। इसके लिए दूसरे राज्यों के

श्रमिकों के परिजनों व इन राज्यों के अधिकारियों से संपर्क व समन्वय बनाए रखने को घटना के दिन से ही उत्तरकाशी में पुलिस का कट्रोल रूम स्थापित किया जा चुका है। वहां से परिजनों को अपडेट जानकारी दी जा रही है। उन्होंने कहा कि शासन स्तर पर भी वरिष्ठ आईएएस डॉ नीरज खैरवाल को केंद्रीय संस्थानों, एजेंसियों और विशेषज्ञों की टीम से समन्वय की जिम्मेदारी पहले ही दी गई है। साथ ही एसडीएम शैलेन्द्र सिंह नेगी को भी पहले से मौके पर भेजा गया है। इसके अलावा, धामी के गत दिवस सिलक्यारा में दिए गए निर्देशों पर गढ़वाल कमिश्नर विनय शंकर पांडेय ने हरिद्वार के एसडीएम मनीष सिंह, डीएसओ हरिद्वार तेजबल सिंह और डीपीओ रुद्रप्रयाग अखिलेश मिश्रा को टीम में शामिल करने के आदेश दे दिए हैं। यह सभी अधिकारी जिलाधिकारी उत्तरकाशी के निर्देश पर श्रमिकों के परिजनों के लिए भोजन, आवास और परिवहन के अलावा बचाव कार्य से जुड़ी सभी महत्वपूर्ण व्यवस्था देखेंगे। सभी को तत्काल मौके पर जिम्मेदारी का निर्वहन करने के निर्देश दिए गए हैं। मुख्यमंत्री ने कहा कि उत्तराखंड सरकार ने श्रमिकों के परिजनों को घटना स्थल तक आवागमन, प्रवास तथा अन्य जरूरी देखभाल का भी पूरा इंतजाम सरकार ने किया है, ताकि श्रमिकों की कुशलक्षेम जानने के लिए यहां आने वाले परिजनों को कोई कठिनाई न हो। उन्होंने यह भी कहा कि श्रमिकों के जो परिजन यहां आना चाह रहे हैं उनके आवागमन का व्यय उत्तराखंड सरकार वहन करेगी। इसके लिए उक्त अधिकारियों को जिम्मेदारी दी गई है। उन्होंने अधिकारियों को निर्देशित किया कि यहां आने वाले जरूरतमंद परिजनों के मोबाईल रिचार्ज से लेकर भोजन, आवास व आवागमन जैसी जरूरतमंद वाली सभी व्यवस्था की जाय।

तीन लोगों की मौत के मामले में 14 को किया गिरफ्तार, बुलडोजर कार्रवाई

वार्ता ◄ शिवपुरी
www.dailypioneer.com

मध्यप्रदेश के शिवपुरी जिले में दो पक्षों के बीच हुए संघर्ष के बाद एक महिला समेत तीन लोगों की मौत के मामले में पुलिस ने 14 आरोपियों को गिरफ्तार किया है।

साथ ही नरवर थाना क्षेत्र के ग्राम चक रामपुर में 17 नवंबर की रात हुए इस मामले में जिला प्रशासन ने आरोपी बनाए गए कुशवाह पक्ष के लोगों के मकान पर कल बुलडोजर चलाते हुए अवैध अतिक्रमण भी तोड़ दिया। पुलिस सूत्रों ने बताया कि 17 नवंबर की देर रात भदोरिया और कुशवाह पक्ष के बीच हुए खूनी संघर्ष में भदोरिया परिवार के तीन लोगों की मृत्यु हो जाने के बाद जिला प्रशासन एवं पुलिस द्वारा कल कुशवाहा पक्ष के आरोपियों के मकान पर बुलडोजर चलाया गया। इस मामले में पुलिस ने कल 14 आरोपियों को गिरफ्तार किया है। इसी बीच इस घटना से नाराज कुछ लोगों की भीड़ द्वारा कल देर शाम नरवर कस्बे में बाजार बंद कराए गए।

शांति व्यवस्था बनाए रखने के लिए मौके पर बड़ी संख्या में पुलिस बल तैनात किया गया है। 17 नवंबर की रात हुई इस घटना के बाद सभी लगभग आधा दर्जन घायलों को ग्वालियर उपचार के लिए भेजा गया था, जिनमें से तीन की मृत्यु हो गई थी। इनमें एक महिला भी शामिल थी।

सभी मृतक भदोरिया परिवार के बताए गए थे।

केंद्र के आग्रह पर अंतरराष्ट्रीय टनल विशेषज्ञ अर्नोल्ड डिक्स उत्तराखंड पहुंचे

सिलक्यारा/देहरादून। उत्तराखंड के उत्तरकाशी जनपद स्थित सिलक्यारा सुरंग में फंसे श्रमिकों को सुरक्षित निकालने के लिये चलाये जा रहे रेस्क्यू अभियान में सहयोग करने के भारत सरकार के आग्रह पर अंतरराष्ट्रीय स्तर के टनल विशेषज्ञ अर्नोल्ड डिक्स भी सोमवार को सिलक्यारा पहुँच गए। डिक्स इंटरनेशनल टनलिंग एंड अंडरग्राउंड स्पेस एशोसिएशन (आईटीए) के अध्यक्ष है। उत्तराखंड सरकार के केंद्रीय संगठनों से रेस्क्यू अभियान में समन्वय के नोडल अधिकारी और सचिव डॉ. नीरज खैरवाल, एनएचएआईडीसीएल के एमडी महमूद अहमद, निदेशक अंशु मनीष खलखो, जिलाधिकारी अभिषेक रूहेला ने टनल विशेषज्ञ अर्नोल्ड डिक्स के साथ विचार विमर्श कर रेस्क्यू अभियान की रणनीति पर चर्चा की।

उत्तरकाशी में सुरंग में फंसे 40 लोगों का मामला पहुंचा हाईकोर्ट, राज्य से 48 घंटे में मांगा जवाब

एजेंसी ◄ नैनीताल
www.dailypioneer.com

उत्तरकाशी के सिलक्यारा में 40 मजदूरों के टनल में फंसने का मामला सोमवार को उत्तराखंड उच्च न्यायालय पहुंच गया। उच्च न्यायालय ने मामले को गंभीरता से लेते हुए राज्य सरकार से 48 घंटे में जवाब देने को कहा है। इस मामले को देहरादून की समाधान नामक गैर सरकारी संस्था (एनजीओ) की ओर से एक जनहित याचिका के माध्यम से चुनौती दी गयी है। साथ ही इस प्रकरण की सुनवाई कार्यवाहक मुख्य न्यायाधीश मनोज कुमार तिवारी और न्यायमूर्ति पंकज पुरोहित की युगलपीठ में हुई। याचिकाकर्ता की ओर से अदालत को बताया गया कि उत्तरकाशी के सिलक्यारा में चारधाम ऑल वेदर रोड परियोजना के तहत 4.5 किमी लंबी सुरंग का निर्माण किया जा रहा है। पिछले 12 नवम्बर को सुरंग का एक हिस्सा ढहने से 40 मजदूर टनल में फंस गये। राज्य सरकार अभी तक मजदूरों को बाहर निकालने में विफल साबित हुई है। याचिकाकर्ता की ओर से कहा गया कि सुरंग निर्माण से पूर्व टनल में मजदूरों की सुरक्षा के लिये कोई सुरक्षात्मक उपाय नहीं किये गये और न ही ऐसे उपकरण मौके पर मौजूद थे। याचिकाकर्ता की ओर से आगे कहा गया कि यह एक आपराधिक मामला है और इस मामले की जांच विशेष अन्वेषण दल (एसआईटी) से करायी जाये। याचिकाकर्ता की ओर से यह भी कहा गया कि प्रदेश में लगातार ऐसे कई हादसे सामने आ रहे हैं और प्रदेश सरकार गरीब मजदूरों के लिये आज तक कोई मानक संचालन प्रक्रिया (एसओपी) तैयार नहीं कर पायी है। याचिकाकर्ता की ओर से कहा गया कि मानव जीवन की कीमत पर विकास की अनुमति नहीं दी जानी चाहिए। याचिकाकर्ता की ओर से अदालत से मांग की गयी है कि सरकार और सक्षम प्राधिकारियों को निर्देश दिये जायें कि मजदूरों का जीवन बचाने के लिये हर संभव उपाय किये जायें और इसमें एक भी जनहानि न हो पाये। यह भी मांग की गयी कि भविष्य में सुरक्षा उपाय किये बिना प्रदेश में कोई भी सुरंग निर्माण का कार्य शुरू न किये जाये। साथ ही ऐसे स्थल पर एयर एम्बुलेंस की स्थायी व्यवस्था की जाये। साथ ही उच्च न्यायालय की देखरेख में एक एसआईटी जांच की मांग की जाये। एसआईटी जांच रिपोर्ट अदालत में सौंपे। अदालत ने इस प्रकरण को गंभीरता से लेते हुए कहा कि राज्य सरकार समय पर मामले की गंभीरता को भांपने में असफल रही है और समय पर गंभीर कदम नहीं उठाये गये।

हालांकि राज्य सरकार की ओर से कहा गया कि सरकार इस मामले में गंभीर है और फंसे लोगों को निकालने के लिये हरसंभव उपाय कर रही है। मजदूरों को भोजन, पानी और दवाई उपलब्ध कराने के साथ ही उनके जीवन को बचाने के लिये सभी कदम उठा रही है। मजदूरों से लगातार बात की जा रही है। अंत में अदालत ने केन्द्र सरकार और राज्य सरकार को नोटिस जारी कर राज्य सरकार को 48 घंटे में जवाब पेश करने को कहा है। इस मामले में केन्द्र सरकार के सड़क परिवहन और राजमार्ग मंत्रालय, राष्ट्रीय राजमार्ग प्राधिकरण आफ इंडिया, राष्ट्रीय राजमार्ग इंफ्रास्ट्रक्चर डेवलपमेंट लिमिटेड, सचिव राज्य आपदा प्रबंधन, आपदा प्रबधन प्राधिकरण, सचिव लोक निर्माण विभाग, आयुक्त गढ़वाल और जिलाधिकारी उत्तरकाशी को पक्षकार बनाया गया है।

ट्रक से टकराकर बाइक सवार तीन लोगों की मृत्यु

सिवनी। मध्यप्रदेश के सिवनी जिले के छपारा थाना क्षेत्र में आज ट्रक से टकराने के कारण बाइक सवार तीन लोगों की मृत्यु हो गयी। पुलिस सूत्रों ने बताया कि सिवनी जबलपुर मार्ग पर छपारा थाना क्षेत्र के छपाराकला के पास हुए हादसे में बाइक सवार व्यक्तियों की पहचान तत्काल नहीं हो सकी। बताया गया है कि तीनों बाइक सवार सिवनी जिला मुख्यालय से जबलपुर की ओर जा रहे थे, तभी राष्ट्रीय राजमार्ग पर उनका वाहन सामने से आ रहे ट्रक से टकरा गया। बताया गया है कि दोनों में से एक वाहन रांग साइड पर था। सूत्रों ने कहा कि हादसे के बाद मार्ग पर कुछ देर के लिए यातायात बाधित रहा। पुलिस ने मौके पर पहुंचकर शवों को अपने कब्जे में लेकर अस्पताल पहुंचाया है। मामले की जांच की जा रही है।

केन्द्र जम्मू-कश्मीर के लोगों के साथ सौतेला व्यवहार न करें : उमर

एजेंसी ◄ श्रीनगर,
www.dailypioneer.com

नेशनल कॉन्फ्रेंस उपाध्यक्ष उमर अब्दुल्ला ने सोमवार को यहां केन्द्र सरकार से केन्द्रशासित प्रदेश जम्मू-कश्मीर के लोगों के साथ सौतेला व्यवहार नहीं करने का आग्रह किया। उमर ने सशस्त्र बल न्यायाधिकरण (एएफटी) द्वारा सेना के कैप्टन भूपेन्द्र सिंह की मंजूर की गयी जमानत पर अपनी प्रतिक्रिया व्यक्त की। उन्होंने दक्षिण कश्मीर में आज एक सार्वजनिक रैली से इतर मीडियाकर्मियों से कहा कि लोगों की हत्या के लिये जिम्मेदार ठहराये गये आरोपियों की इतनी आसानी से जमानत मंजूर नहीं की जानी चाहिये।

नेकां उपाध्यक्ष ने कहा कि सेना अधिकारी को जुलाई 2020 में दक्षिण

कश्मीर में एक मुठभेड़ में तीन लोगों की हत्या का दोषी पाया गया था और नौ नवंबर को उनकी जमानत मंजूर कर दी गयी।अब्दुल्ला ने इस मुद्दे पर राज्य और केंद्र सरकार के रुख पर अफसोस जताते हुए कहा, केन्द्रशासित प्रदेश के लोगों को यह मत सोचने दीजिये कि उनका खून इतना सस्ता है। केन्द्र शासित प्रदेश के पूर्व मुख्यमंत्री ने एक अन्य प्रश्न के उत्तर में कहा कि भारतीय जनता पार्टी चुनाव, बेरोजगारी, विकास, बिजली और अन्य चीजों के नाम पर केवल जम्मू-कश्मीर के लोगों को धोखा दे रही है। नेकां उपाध्यक्ष ने कहा, झूठ के अलावा भाजपा ने लोगों को कुछ भी नहीं दिया है। बिजली आपूर्ति प्रदेश में आज भी बदतर हालत में है और तब भी ऐसी ही स्थिति थी जब सरकार दावा करती थी कि इस क्षेत्र पर काफी धन व्यय किया जा रहा है। उन्होंने कहा, ऐसे क्या कारण हैं जिनकी वजह से सरकार बिजली आपूर्ति में सुधार नहीं कर पा रही है। उमर ने दावा किया, ऐसा बिजली संकट हमारे कार्यकाल में भी कभी नहीं देखा गया।

शर्मा ने छतरपुर मामले में कलेक्टर को सौंपा ज्ञापन

छतरपुर। मध्यप्रदेश भारतीय जनता पार्टी प्रदेश अध्यक्ष और खजुराहो सांसद विष्णुदत्त शर्मा ने छतरपुर मे कलेक्टर संदीप आर और पुलिस अधीक्षक अमित सांघी को ज्ञापन सौंप कर राजगनर के पार्टी प्रत्याशी अरविंद पटेरिया के खिलाफ दर्ज हुए मामले की जांच की मांग की। शर्मा ने आरोप लगाया कि श्री पटेरिया और 35 भाजपा कार्यकर्ताओं के खिलाफ गलत तरीके से मामला दर्ज हुआ है। उन्होंने इसकी जांच की मांग की। इसके साथ ही उन्होंने आचार संहिता के दौरान छतरपुर जिले में कांग्रेस के वरिष्ठ नेता दिग्विजय सिंह और उनके समर्थकों द्वारा धरना दिया जाने पर भी कार्रवाई की मांग की। ये पूरा मामला राज्य में मतदान के दिन राजनगर विधानसभा से कांग्रेस प्रत्याशी विक्रम सिंह नातीराजा के एक समर्थक की हत्या से जुड़ा है। श्री नातीराजा का आरोप है कि भाजपा प्रत्याशी के समर्थकों ने उनके समर्थक सलमान पर गाड़ी चढ़ाकर उसकी हत्या कर दी।

नैरोबी में ग्लोबल हेल्थ सप्लाई चेन सम्मेलन में पंजाब को मिला पहला इनाम

वार्ता ◄ चंडीगढ़
www.dailypioneer.com

पंजाब में मूलभूत स्वास्थ्य देखभाल ढांचे का कायाकल्प करने के लिए मुख्यमंत्री भगवंत सिंह मान के नेतृत्व में पंजाब सरकार द्वारा की जा रही कोशिशों को तब वैश्विक स्तर पर मान्यता मिली, जब राज्य के आम आदमी क्लीनिकों ने नैरोबी में 14 से 16 नवंबर तक हुए ग्लोबल हेल्थ सप्लाई चेन सम्मेलन में पहला इनाम हासिल किया। मान ने सोमवार को बताया कि पंजाब के स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण विभाग को 'दवाओं की हरेक व्यक्ति तक पहुँचः पंजाब से एक अध्ययन' विषय के तहत दस्तावेज़ के लिए पहला इनाम मिला। उन्होंने कहा कि इस कान्फ्रेंस में 85 देशों ने भाग लिया और चार देशों ने अपने दस्तावेज़ दाख़िल किये, जिनमें से पंजाब सरकार के दस्तावेज़ को अंतिम पेशकारी के लिए चुना गया। उन्होंने कहा कि राज्य सरकार ने आम आदमी क्लीनिकों की सफ्लता की कहानी बतायी और बताया कि कैसे पंजाब सरकार ने प्राथमिक स्वास्थ्य देखभाल सहूलियतों में तेज़ी से विस्तार किया और मानक स्वास्थ्य देखभाल सेवाएं दीं। उन्होंने कहा कि इस सम्मेलन के हिस्सेदार देशों ने इच्छा जतायी कि वह पंजाब आकर आम आदमी क्लीनिक देखने के इच्छुक हैं और वह यह बात समझना चाहते हैं कि कैसे मरीज़ों को बिना किसी ख़र्च के उनके घरों के नज़दीक 84 दवाये और 40 क्लिनीकल टेस्ट किये जाते हैं। उन्होंने कहा कि हिस्सेदार देश इस बात से भी हैरान थे कि सभी आम आदमी क्लीनिक आई. टी. से लैस हैं और रजिस्ट्रेशन, डाक्टर की सलाह, टेस्ट और दवाये पूरी तरह डिजीटाइज्ड हैं।

महिलाओं के खिलाफ हिंसा की आम आदमी पार्टी के नेताओं की सूची लंबी : प्रो ख्याला

एजेंसी ◄ अमृतसर
www.dailypioneer.com

पंजाब भारतीय जनता पार्टी के नेता प्रो. सरचांद सिंह ख्याला ने सोमवार को आरोप लगाया कि अकाली नेता बिक्रम सिंह मजीठिया द्वारा पंजाब के एक मंत्री से जुड़े कथित सेक्स स्कैंडल के दावे के एक सप्ताह बाद भी संबंधित मंत्री के खिलाफ कोई कार्रवाई नहीं की गई है। प्रो सिंह ने कहा कि पीड़ितों को न्याय दिलाना सरकार और सियासी नेताओं का पहला कर्तव्य होना चाहिये, लेकिन यहां न तो सरकार न्याय के लिए कोई कार्रवाई कर रही है और न ही मजीठिया ने प्रेस को पेन ड्राइव दिखाने के अलावा कोई अगला कदम उठाया है। उन्होंने कहा कि अनैतिक आचरण के आरोपियों के खिलाफ कानूनी अड़चन का बहाना बनाकर उनके खिलाफ कार्रवाई न करना यह संदेह पैदा करता है कि कहीं कोई अंदरूनी 'डीलिंग' तो नहीं चल रही है। क्या संबंधित मंत्री को मामले को बचाने के लिये समय देकर उनका पक्ष नहीं लिया जा रहा है। क्या खराब चरित्र वाले व्यक्ति को मंत्री जैसे महत्वपूर्ण पद पर रखा जाना चाहिये। उन्होंने कहा कि मुख्यमंत्री भगवंत मान और अकाली नेता मजीठिया को एक असहाय के यौन शोषण करने वाले के खिलाफ कार्रवाई करने से कौन रोक रहा है। प्रो ख्याला ने कहा कि यह अफ्सोस और आश्चर्य की बात है कि यौन उत्पीड़न जैसे घृणित कृत्य को भी उस वर्ग के नेता द्वारा उपहास और मजाक के रूप में लिया जा रहा है जिसका राष्ट्रीय इतिहास ही निर्दोष महिलाओं के सम्मान की रक्षा करने के लिए अहमद शाह अब्दाली जैसे हमलावरों से टक्कर लेने का रहा है। उन्होंने कहा कि पंजाब के कैबिनेट मंत्री लाल चंद कटारूचक के कथित अश्लील वीडियो का मामला अभी शांत नहीं हुआ है कि अब पंजाब के एक और मंत्री ने एक असहाय के साथ जबरन यौन संबंध बनाकर अनैतिकता की सारी हदें पार कर लीं। प्रो सरचांद सिंह ने आरोप लगाते हुए कहा कि आम आदमी पार्टी के नेताओं की चरित्रहीनता और महिलाओं के प्रति हिंसा की अब तक एक लंबी सूची बन चुकी है। प्रो सिंह ने कहा कि पंजाब के लोग अपने चरित्र और व्यवहार के लिए पूरी दुनिया में जाने जाते हैं, लेकिन पंजाब सरकार मंत्री की अनैतिकता को गंभीरता से नहीं ले रही है और 'बुरे व्यवहार' का बचाव कर रही है। ऐसे व्यक्ति को जनता का नेतृत्व करने और मंत्री जैसे महत्वपूर्ण पद पर बने रहने का कोई अधिकार नहीं है। अब तक पेन ड्राइव की निष्पक्ष जांच हो जानी चाहिये थी।

सीतापुर में किसान की हत्या

सीतापुर। उत्तर प्रदेश में सीतापुर जिले के मछरेहटा क्षेत्र में सोमवार खेत से वापस आ रहे किसान की आपसी रंजिश के कारण धारदार हथियारों से हमला कर हत्या कर दी गयी। पुलिस सूत्रों ने बताया कि बेहरा मजरा भड़ेवर निवासी पृथ्वी पाल खेत में मजदूरी करके वापस लौट रहा था कि तभी पुरानी रंजिश को लेकर उस पर धारदार हथियारों से ताबड़तोड़ हमला कर दिया गया जिससे वह गंभीर रूप से घायल हो गया। घटना की सूचना पुलिस को परिजनों ने सीएससी मछरेहटा पहुंच कर दी जहां पृथ्वी पाल को मृत घोषित कर दिया गया इस संबंध में परिजनों के तहरीर पर एक व्यक्ति सुंदरलाल को हिरासत में लेकर पुलिस पूछताछ कर रही है।

देवरिया में 3600 उपभोक्ताओं पर बिजली चोरी का मुकदमा

वार्ता ◄ देवरिया
www.dailypioneer.com

उत्तर प्रदेश के देवरिया जिले में चार लाख 62 से अधिक बिजली उपभोक्ताओं में से तीन हजार 690 उपभोक्ताओं पर बिजली चोरी का मुकदमा दर्ज है। जिन पर विभाग का करोड़ों रूपये का बकाया हैं। जिलाधिकारी अखंड प्रताप सिंह ने सोमवार को यहां एक प्रेस कॉन्फ्रेंस में बताया कि बिजली विभाग ने उपभोक्ताओं को राहत देने के लिए एक मुश्त समाधान योजना (ओटीएस) शुरू की है। तीन चरणों की योजना का पहला चरण आठ से 30 नवम्बर, दूसरा चरण एक से 15 दिसम्बर और तीसरा चरण 16 से 31 दिसम्बर तक चलाया जायेगा। नगर व ग्रामीण क्षेत्र के सभी श्रेणी के घरेलू उपभोक्ता, कामर्शियल उपभोक्ता, निजी संस्थान (जैसे स्कूल कालेज, अस्पताल), निजी नलकूप, लघु एवं मध्यम औद्योगिक इकाई (जैसे मेंथा फैक्ट्री, कृषि यंत्र बनाने वाले कारखाने, चक्की आदि) को इस योजना में शामिल किया गया है। ऐसे में इन उपभोक्ताओं के बकाया बिल में लगे ब्याज से छूट दी जाएगी। इस योजना का लाभ लेने के लिए उपभोक्ता को पंजीकरण कराना होगा। सिंह ने बताया कि एक किलोवाट क्षमता वाले घरेलू उपभोक्ताओं को एक मुश्त भुगतान पर पहले व दूसरे चरण में शत प्रतिशत तथा तीसरे चरण में 80 प्रतिशत की छूट दी जाएगी। एक किलोवाट से अधिक क्षमता वाले उपभोक्ताओं को पहले चरण में 90, दूसरे चरण में 80 तथा तीसरे चरण में 70 प्रतिशत की छूट दी मिलेगी। तीन किलोवाट क्षमता वाले कामर्शियल उपभोक्ताओं को पहले चरण में 80, दूसरे चरण में 70 तथा तीसरे चरण में 60 प्रतिशत तथा तीन किलोवाट से अधिक क्षमता वाले उपभोक्ताओं को पहले चरण में 60, दूसरे चरण में 50 तथा तीसरे चरण में 40 प्रतिशत की छूट मिलेगी। यह तीनों चरणों की योजना का पहला चरण आठ से 30 नवम्बर, दूसरा चरण एक से 15 दिसम्बर और तीसरा चरण 16 से 31 दिसम्बर तक चलाया जायेगा।

राजनेताओं से लेकर खिलाड़ियों तक, फिल्मी सितारों से लेकर सामान्यजन तक सभी ने सहाराश्री को मर्मस्पर्शी श्रद्धांजलियां अर्पित कीं

अमिताभ बच्चन, योगी आदित्यनाथ, अखिलेश यादव, पी-वी- सिंधु, युवराज सिंह, सायना नेहवाल, अभिषेक बच्चन, रितेश देशमुख, अनुपम खेर, पुलेला गोपीचंद, मधुर भंडारकर तथा अन्य प्रमुख व्यक्तियों ने सहाराश्री को श्रद्धांजलि अर्पित की और उनके निधन को देश की बड़ी क्षति बताया

पायियर संवाददाता ◄ लखनऊ
www.dailypioneer.com

भारत के एक विशालतम कॉर्पोरेट समूह, सहारा इंडिया परिवार के प्रबंध कार्यकर्ता और चेयरमैन सुब्रत रॉय सहारा जिन्हें प्यार से सहाराश्री कहा जाता है, को हर क्षेत्र के लोगों से भावभीनी श्रद्धांजलियां प्राप्त हुई हैं। उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री माननीय योगी आदित्यनाथ ने सहाराश्री के निधन पर गहरा दुख व्यक्त किया है जबकि उत्तर प्रदेश के पूर्व मुख्यमंत्री अखिलेश यादव ने उनके निधन को राज्य और देश की भावनात्मक क्षति बताया क्योंकि सहाराश्री केवल एक सफ्ल व्यवसायी ही नहीं, बल्कि एक बड़े हृदय के इंसान थे जिन्होंने अनगिनत लोगों की सहायता की और उन्हें आवश्यक सहयोग प्रदान किया। सहाराश्री का निधन 14 नवंबर, 2023 को रात 10:30 बजे मुंबई के कोकिलाबेन धीरूभाई अंबानी अस्पताल एवं मेडिकल रिसर्च इंस्टीट्यूट में दिल का दौरा पड़ने से हो गया था। सहाराश्री मेटास्टेटिक कैंसर, उच्च रक्तचाप और मधुमेह से पीड़ित थे। उनका पार्थिव शरीर 15 नवम्बर को लखनऊ लाया गया एवं 16 नवंबर को उनका अंतिम संस्कार संपन्न हुआ। दुख की इस घड़ी में उनकी पत्नी स्वप्ना रॉय, उनकी पुत्रवधुएं बड़े बेटे सुशांतो रॉय की पत्नी ऋचा रॉय तथा छोटे बेटे सीमांतो रॉय की पत्नी चांदनी रॉय को हजारों शोकाकुल लोगों से भावनात्मक संवेदनाएं और शोक संदेश प्राप्त हुए। सहारा इंडिया परिवार के प्रवक्ता ने कहा कि शोक के इस समय में सहारा इंडिया परिवार के दोनों उपप्रबंध कार्यकर्ता ओ-पी- श्रीवास्तव और जे-बी- रॉय जो कि सहाराश्री के छोटे भाई भी हैं ने परिवार के लोगों और समूचे सहारा इंडिया परिवार को पितृवत संबल प्रदान किया। मुंबई में सहाराश्री के निधन के तत्काल बाद जो लोग सबसे पहले स्वप्ना रॉय से मिलने पहुंचे वे थे। अमिताभ बच्चन, उनके पुत्र अभिषेक बच्चन और उनकी पुत्री श्वेता बच्चन नंदा। इन्होंने मुंबई के सहारा स्टार होटल में उन्हें नम आंखों से श्रद्धांजलि अर्पित की। अमिताभ ने अपने ब्लॉग पर सहाराश्री के निधन को एक गहरी क्षति बताया। विश्व बैडमिंटन चैंपियन पी-वी- सिंधु ने कहा कि सहाराश्री के निधन का समाचार दिल तोड़ने वाला है, उन्होंने हमेशा मुझे प्यार, स्नेह और सम्मान ही प्रदान किया। सहाराश्री ने सहारा इंडिया परिवार की स्थापना 1978 में मात्र 2,000 रुपये की पूंजी से 10×12 फीट के कार्यालय तथा दो सहायकों के साथ की थी। इसके बाद उन्होंने भारत में लघु बचत का परिदृश्य ही बदल दिया। उन्होंने बैंक सुविधारहित और वित्तीय तौर पर वंचित लोगों को वित्तीय सेवाएं उपलब्ध करायीं और उन्हें शिक्षित करके उनमें बचत की आदत विकसित की। सन् 2004 में टाइम पत्रिका ने सहारा समूह को भारतीय रेलवे के बाद द्द्भारत में दूसरा सबसे बड़ा नियोक्ता करार दिया। यह समूह भारतभर में फैले अपने 5,000 से अधिक संस्थापनों के माध्यम से संचालित है और इसके फील्ड तथा कार्यालयों में कार्यरत कर्मियों की संख्या लगभग 12 लाख है। समूह के भविष्य के बारे में सवाल किये जाने पर सहारा ने कहा, सहारा इंडिया परिवार एक पूर्णतः व्यावसायिक तौर पर प्रबंधित संस्था है। यह संस्था सुदृढ़ बुनियादी सिद्धांतों से संचालित है और इसका संगठनात्मक ढांचा अत्यधिक सुदृढ़ एवं मजबूत है। इसके सभी व्यावसायिक प्रभागों का नेतृत्व कुशल और अपने-अपने क्षेत्रों के पेशेवर विशेषज्ञों द्वारा किया जा रहा है। सहाराश्री सदैव हमारी प्रेरणा रहे हैं और सदैव हमारी प्रेरणा रहेंगे। सहारा इंडिया परिवार उनकी विरासत को बनाए रखने और संस्था को उनके विजन के अनुसार ही पूर्ववत शक्ति और दृढ़ता के साथ आगे ले जाने के लिए संकल्पित है। सुब्रत रॉय सहारा एक व्यवसायी से कहीं अधिक एक राष्ट्रवादी और परोपकारी व्यक्ति थे।

भिंड के अटेर विधानसभा के मतदान केन्द्र 71 किशुपुर में पुनर्मतदान

वार्ता ◄ भोपाल
www.dailypioneer.com

भारत निर्वाचन आयोग ने मध्यर्प्रदेश के भिंड जिले के अटेर विधानसभा क्षेत्र के मतदान केंद्र क्रमांक 71- किशुपुरा नंबर-3 में 21 नवंबर को पुनर्मतदान के आदेश दिए हैं। आधिकारिक जानकारी के अनुसार पुनर्मतदान कल सुबह 7 बजे से शाम 6 बजे तक होगा। 21 नवंबर को मॉकपोल सुबह 5:30 बजे प्रारंभ होगा। इसके लिए मतदान दल सामग्री सहित 20 नवंबर को रवाना होंगे। पुनर्मतदान में अमिट स्याही मतदाताओं के बायें हाथ की मध्यम अंगुली में लगायी जाएगी। भारत निर्वाचन आयोग ने कलेक्टर एवं जिला निर्वाचन अधिकारी भिंड को पुनर्मतदान कराने के पूर्व मतदान दल के पीठासीन अधिकारी एवं मतदान अधिकारियों को विधिवत् प्रशिक्षण भी देने के निर्देश दिए हैं। पुनर्मतदान की सूचना समस्त अभ्यर्थियों एवं राजनीतिक दलों को अनिवार्य रूप से देने एवं मतदान केंद्र के क्षेत्र में डोंडी (मुनादी) पिटवाकर व्यापक प्रचार-प्रसार करने के निर्देश भी भारत निर्वाचन आयोग ने कलेक्टर एवं जिला निर्वाचन अधिकारी भिंड और रिटर्निंग आफिसर 09- अटेर विधानसभा क्षेत्र को दिए हैं।

बस्तर ही नहीं पूरे देश की 'गेम चेंजर' है काली-मिर्च की ये नई प्रजाति : तोड़ेम

मप्र विधानसभा के विपक्ष के पूर्व उप नेता राजाराम तोड़ेम पहुंचे राजाराम त्रिपाठी के हर्बल फार्म

पायनियर संवाददाता ◄ कोण्डागांव
www.dailypioneer.com

'मां दंतेश्वरी हर्बल फार्म तथा रिसर्च सेंटर' पर इस हफ्ते मप्र की विधानसभा में विपक्ष के उपनेता रहे बीजापुर के पूर्व विधायक वरिष्ठ भाजपा नेता राजाराम तोड़ेम का आना हुआ। तोड़ेम के साथ रायगढ़ से पधारे बालसखा इंजीनियर राजेंद्र थवाईत, विजय एवं तोडेम जी के सुरक्षाकर्मी भी शामिल थे।

उल्लेखनीय है कि ये दोनों राजाराम कालेज के दिनों में सहपाठी थे। डॉ त्रिपाठी ने इस संदर्भ में आगे बताया कि तोड़ेम कला संकाय में थे तथा आदिवासी हॉस्टल में रहते थे, मैं बीएससी गणित में था और जगदलपुर कालेज से लगभग 25 किलोमीटर दूर स्थित अपने गांव ककनार से प्रतिदिन लगभग 50 किलोमीटर साइकिल चलाकर कॉलेज आना-जाना करता था। भाई राजेंद्र थवाईत ऐतिहासिक बस्तर हाई स्कूल जगदलपुर में मेरे साथ नवीं कक्षा के न केवल सहपाठी थे बल्कि तत्कालीन जनरल हॉस्टल में भी हम दोनों रूममेट भी थे। नवमी के बाद राजेंद्र का परिवार रायगढ़ जाकर वही बस गया और राजेंद्र भी वहीं के होकर रह गए । आज राजाराम तोडेम का नाम छत्तीसगढ़ तथा छग से बाहर भी कोई अनजाना नाम नहीं है। भाजपा के एक प्रखर नेता व सामाजिक कार्यकर्ता के रूप में भी इन्होंने अपनी विशिष्ट पहचान बनाई है और आज वे प्रदेश तथा देश के सर्व आदिवासी समाज के संगठनों के प्रमुख आधार स्तंभों में से एक माने जाते हैं, तथा जनजातीय समाज के हित में कई स्तरों पर सामाजिक कार्यों में बड़ी शिद्दत के साथ जुटे हुए हैं। फार्म भ्रमण कर सभी ने मां दंतेश्वरी हर्बल फार्म में उगाई जा रही जड़ी-बूटियों का निरीक्षण परीक्षण किया। साथ ही 'उच्च लाभदायक बहुत स्तरीय खेती' के सफल 'कोंडागांव-मॉडल' में लगे ऑस्ट्रेलियन टीक तथा उसे पर चढ़ी काली मिर्च-16 एवं अंतर्वर्ती फसलों के रूप में हल्दी, स्टीविया, सफेद मूसली, पिपली आदि विभिन्न औषधीय फसलों की खेती को देखा समझा। सभी ने मां दंतेश्वरी हर्बल फार्म तथा

रिसर्च सेंटर द्वारा विकसित की गई काली मिर्च की नई प्रजाति मां दंतेश्वरी कालीमिर्च -16÷ की मौके पर खड़ी फसल के संभावित उत्पादन का खेतों पर खड़े होकर बाकायदा आकलन किया गया। तोड़ेम ने मां दंतेश्वरी हर्बल समूह द्वारा मिशन मोड में चलाई जा रही योजना 'मिशन बस्तरिया ब्लैक-गोल्ड' तथा 'मिशन-केसरिया' मिशन की प्रगति की भी जानकारी ली । डॉ त्रिपाठी ने बताया कि कैसे पिछले सालों से 'मां दंतेश्वरी हर्बल समूह' के द्वारा बस्तर के कई दर्जन गांवों में किसानों ने के घरों की बाड़ियों में पहले से लगे पेड़ों पर काली मिर्च लगवाई गई है, तथा सिंदुरी के पौधे लगाए गए हैं । अब इसके परिणाम आने शुरू हो गए हैं और इससे इन किसानों के आर्थिक स्तर में वृद्धि हुई है। तोड़ेम ने डॉ राजाराम से कहा कि वे अपने 'मिशन ब्लैक गोल्ड' तथा 'मिशन-केसरिया' का विस्तार करते हुए उनके गृह क्षेत्र बीजापुर भोपालपटनम गीदम, भैरमगढ़ आदि दक्षिण-बस्तर क्षेत्र के किसानों की बाड़ियों में भी पहले से लगे पेड़ों पर तथा गांव से साथ लगे जंगलों के पेड़ों पर काली मिर्च लगवाने का कष्ट करें। इसमें कोई शक नहीं कि इस योजना से, बस्तर के आदिवासियों की आय में अभूतपूर्व वृद्धि किया जा सकता है। इस कार्य में उन्होंने मां दंतेश्वरी हर्बल समूह से आगे आने का आवाहन किया तथा हर संभव सहयोग देने का वादा किया।

यहां लगभग पांच एकड़ के मानव निर्मित जंगल में, अपने प्राकृतिक रहवास में फलते-फूलते 25 दुर्लभ तथा विलुप्तप्राय औषधीय पौधों (#Endangered_Species_of_Medicinal_Plants) के साथ ही लगभग 340 प्रजाति के संरक्षित विभिन्न औषधीय पौधों वाले समृद्ध इथनो मेडिको गार्डन को देख कर सभी के चेहरों पर झलक रही खुशी देखने लायक थी। भ्रमण के उपरांत #CSIR_IHBT के सहयोग से विकसित की गई शक्कर से 25 गुना मीठी,फिर भी जीरो कैलोरी वाली मीठी तुलसी यानि की स्स्टीविया #Stevia की पत्तियों को चखा कर मुंह मीठा कराया गया। चूंकि अब तक हम सब काफी पैदल चल चुके थे। इसलिए तरोताजा होने के लिए हम सभी ने बिना शक्कर और बिना चाय पत्ती वाली, स्टीविया सहित दर्जनों जड़ी बूटियां से मां दंतेश्वरी हर्बल द्वारा यहां कोंडागांव में ही तैयार की गई बेहतरीन स्वादिष्ट तथा स्वास्थ्यवर्धक #हर्बलचाय (#HerbalTea) भी पी। कार्यक्रम की दूसरे चरण में मां दंतेश्वरी हर्बल के 'हर्बल इस्टेट' परिसर के बईठका-कक्ष में भाई राजाराम तोड़ेम, राजेंद्र थवाईत तथा विजय का मां दंतेश्वरी हर्बल समूह की ओर से जसमती नेताम,अनुराग कुमार, शंकर नाग, कृष्णा नेताम के द्वारा अंगवस्त्रम से नागरिक सम्मान किया गया तथा अपने अधिकतम उत्पादन एवं बेहतरीन गुणवत्ता के कारण देश विदेश में धूम मचाने वाली बस्तर में ही विकसित की गई मां दंतेश्वरी काली मिर्च-16 भी उन्हें सादर भेंट की गई।

कलार समाज ने भगवान सहस्त्रबाहु अर्जुन का धूमधाम से मनाया उत्सव

पायनियर संवाददाता ◄ कोण्डागांव
www.dailypioneer.com

कलार समाज ने नगर के स्थित चौपाटी परिसर में भगवान सहस्त्रबाहु अर्जुन की जयंती को धूमधाम से मनाया। कलार समाज के अध्यक्ष बालकुंवर प्रधान ने इस मौके पर भगवान सहस्त्रबाहु अर्जुन के बारे में जानकारी दी और समाज के लोगों को इस उत्सव में भाग लेने के लिए प्रेरित किया। इस अवसर पर कोंडागांव जिले के सभी विकासखंड से लोग इस कार्यक्रम में शामिल होकर उत्सव को रौंगत से भरा। कलार समाज के अध्यक्ष बालकुंवर प्रधान ने अपने उद्बोधन में बताया कि, भगवान सहस्त्रबाहु अर्जुन का असली नाम कीर्ति वीर्य था और वे पराक्रमी और बहादुर थे। उन्होंने भगवान विष्णु के अवतार दत्तात्रेय को प्रसन्न करने के लिए 1 हजार भुजाएं मांगी थीं। समाज के लोगों ने इस महत्वपूर्ण जयंती पर विशेष पूजा-अर्चना का आयोजन किया, जहां भगवान सहस्त्रबाहु अर्जुन की प्रतिमा पर माल्यार्पण कर और तिलक लगाकर पूरे और पूरे विधि-विधान के साथ पूजा की गई। साथ ही इस दौरान चौपाटी मैदान से लेकर गांधी चौक तक हुई विशाल कलश यात्रा ने इस उत्सव को और भी रंगीन बना दिया। हजारों की संख्या में लोग इस यात्रा में भाग लेकर समाज की ऊर्जा और उत्साह को बढ़ाते हुए दिखे। युवा पीढ़ी ने डीजे पर नृत्य करके उत्सव को और भी मनोहर बना दिया। इस कार्यक्रम के दौरान कलार समाज के जिला अध्यक्ष बालकुंवर प्रधान, त्रिनाथ दीवान, कोषाध्यक्ष धनराज सेठिया, रोहित दीवान, रामचंद्र कश्यप, सहसचिव रामेश्वर सेठिया, गोकुल वैध, मीडिया प्रभारी रामनाथ पांडे, संभागीय महासचिव रमेश पांडे, कोषाध्यक्ष जागेश्वर शार्दुल, ब्लॉक अध्यक्ष अक्तूराम पांडे, रमाशंकर सेठिया और समाज के सभी पदाधिकारी व कार्यकताओं के साथ इस महोत्सव में भाग लेने के लिए उपस्थित रहें। समाज के सभी वर्गो की महिलाएं, पुरुष और बच्चे भी इस उत्सव को समृद्धि से मनाया।

मानस मर्मज्ञ आचार्य अतुल कृष्ण भारद्वाज द्वारा कोंडागांव में भागवत कथा

पायनियर संवाददाता ◄ कोण्डागांव
www.dailypioneer.com

कोंडागांव नगर में राजहंस होटल में श्रद्धालुओं के लिए सात दिवसीय कथा वाचक का आयोजन किया गया हैं, जहां कथा वाचक मानस मर्मज्ञ श्री आचार्य अतुल कृष्ण भारद्वाज द्वारा 17 से 23 नवंबर तक भागवत कथा किया जा रहा हैं। इस कथा में कोंडागांव के हजारों श्रद्धालु दोपहर 3 से शाम 6 बजे तक भगवान की कथा सुनने के लिए एकत्र होते रहें। मानस मर्मज्ञ श्री आचार्य अतुल कृष्ण भारद्वाज ने बताया कि, इस कथा का मुख्य उद्देश्य लोगों में भगवान के प्रति श्रद्धा एवं भक्ति बढ़ाना हैं। उन्होंने कहा, कथा वाचन से लोग धार्मिक ज्ञान में वृद्धि करते हैं और अच्छे कार्यो की ओर प्रेरित होते हैं। इस आयोजन के माध्यम से नगर के आए गए श्रद्धालुओं को एक धार्मिक हवा में डाला हैं। कथा के दौरान हजारों की संख्या में लोग भगवान की लीलाओं और कथाओं को भक्ति भाव से सुनकर मानस मर्मज्ञ श्री आचार्य अतुल कृष्ण भारद्वाज के मधुर भजन में नाचते हुए भी नजर आते हैं।

कोंडागांव में धूमधाम से मनाया गया छठ महापर्व का चौथा और अंतिम दिन

पायनियर संवाददाता ◄ कोण्डागांव
www.dailypioneer.com

कोंडागांव नगर के बंधा तालाब में छठ महापर्व का चौथा और अंतिम दिन जहां सूर्य देवता को अर्घ्य देकर समापन किया गया। यह पर्व नहाय-खाय से शुरू होकर चौथे दिन को ऊषा अर्घ्य के नाम से मनाया जाता हैं। अंतिम दिन उगते हुए सूर्य को अर्घ्य देने से छठ महापर्व का समापन होता हैं। यह त्योहार पूरे प्रदेश भर में विशेष धूमधाम के साथ मनाया जा गया। महिलाएं और पुरुष इस पर्व में सूर्य और छठी मैया की पूजा करके अपने संतान की लंबी उम्र और परिवार के लिए सुख-शांति की कामना करती हैं। यह धार्मिक उत्सव समृद्धि और सामाजिक एकता की भावना के साथ मनाया जाता हैं जो लोगों को सांस्कृतिक मौलिकता का अनुभव कराता हैं। छठ महापर्व के समापन से सूर्य देवता की कृपा और आशीर्वाद की प्राप्ति होती हैं।

चार दिनों से धूमधाम से मनाया गया छठ का पर्व : पिछले चार दिनों से कोंडागांव नगर में धूमधाम से छठ पर्व का आयोजन किया गया, जिसे लोगों ने बड़ी आस्था और भक्ति के साथ मनाया। यह मान्यता हैं कि, जो एक बार छठ पूजा की शुरुआत करता है, उसे इसे जीवन भर तक करना पड़ता हैं या फिर जब तक दूसरे पीढ़ी से व्रत को ना उठाए। छठ महापर्व देशभर में उत्सवभरी श्रद्धालुओं द्वारा मनाया जाता आ रहा हैं, जो इसे बड़े धूमधाम से आयोजित कर रहे हैं। इस पर्व का महत्वपूर्ण हिस्सा हैं उसका व्रत, जिसे लोग बड़ी भक्ति और समर्पण के साथ निभा रहे हैं।

चौथे दिन उषा अर्घ्य का विषेष महत्व, सभी कष्टों का होता हैं निवारण : छठ पूजा का चौथा और अंतिम दिन उषा अर्घ्य का विशेष महत्व रखता हैं। यह पूरे चार दिनों के व्रत के समापन का समय होता हैं, जब व्रती अपनी पूजा से उगते हुए सूर्य देव और छठ माता को अर्घ्य देते हैं। इस मौके पर, व्रती सूर्योदय से पहले नदी के घाट पर पहुंचते हैं और उगते हुए सूर्य को अपने आदर भाव से प्रार्थना करती हैं। उषा अर्घ्य के बाद, व्रती छठ के व्रत का पारण करते हैं, जहां वे सूर्य देव और छठ माता से संतान के सुख, परिवार की सुख-शांति और सभी कष्टों के निवारण की कामना करती हैं। इस दिन की खास मान्यता हैं कि, सूर्य देव की उपासना से ही सभी दुखों का निवारण होता है और परिवार में सुख-शांति बनी रहती हैं।

सूर्य को अर्घ्य देते समय जपते हैं ये मंत्र : ऐसी भी मान्यता है कि, सूर्य देव की पूजा के समय इस मंत्र का जाप करने से छठ महापर्व और अन्य दिनों में भक्तों को मनचाहा वरदान मिलता हैं।

कब-बुलबुल ने मनाई वीरांगना महारानी लक्ष्मी बाई की जयंती

पायनियर संवाददाता ◄ कोण्डागांव
www.dailypioneer.com

भारत स्काउट एवं गाइड जिला संघ कोंडागांव से संबंध शासकीय प्राथमिक शाला मुरारीपारा बड़ेबेंदरी की कब बुलबुल टीम ने कब मास्टर पवन कुमार साहू के नेतृत्व में अंग्रेजी हुकूमत के विरुद्ध बिगुल बजाने वाली प्रथम महिला वीरांगना झांसी की रानी लक्ष्मीबाई की प्रतिमा के समक्ष दीप प्रज्वलित एवं पुष्प अर्पित कर झांसी की रानी लक्ष्मी बाई की जयंती मनाई गई। इस अवसर पर कब मास्टर पवन कुमार साहू ने कब बुलबुल टीम के छात्र-छात्राओं को झांसी की रानी लक्ष्मीबाई के जीवन पर प्रकाश डालते हुए कहा कि, रानी लक्ष्मीबाई का जन्म 19 नवंबर सन 1828 में बनारस के एक मराठी परिवार में हुआ था। वह 1857 के प्रथम स्वतंत्रता संग्राम में अंग्रेजी हुकूमत के विरुद्ध बिगुल बजाने वाली वीरों में से एक थी। रानी लक्ष्मी बाई, एक महान योद्धा और स्वतंत्रता सेनानी ने अपने साहस और वीरता से भरपूर एक निर्भीक चेहरे के रूप में अपनी पहचान बनाई।

समिति के समक्ष अभ्यावेदन प्रस्तुत कर सकते है 25 नवम्बर तक

पायनियर संवाददाता ◄ जगदलपुर
www.dailypioneer.com

संभागीय संयुक्त शिक्षा कार्यालय द्वारा प्राप्त जानकारी अनुसार माननीय उच्च न्यायालय बिलासपुर, द्वारा पदोन्नति उपरांत संशोधन निरस्तीकरण संबंधी याचिका एवं अन्य याचिकाओं में पारित निर्णय 03 नवम्बर 2023 के परिपालन में माननीय उच्च न्यायालय बिलासपुर द्वारा प्रमुख सचिव स्कूल शिक्षा विभाग की अध्यक्षता में गठित समिति के समक्ष अभ्यावेदन प्रस्तुत करने हेतु 25 नवम्बर 2023 तक का समय निर्धारित किया गया है।

शिक्षा विभाग के संयुक्त संचालक ने बताया कि माननीय उच्च न्यायालय बिलासपुर में जिन याचिकाकताओं ने उपरोक्तानुसार पदोन्नति उपरांत संशोधन निरस्तीकरण संबंधी याचिका दायर की है, उन्हें इसकी सूचना संभागीय संयुक्त शिक्षा कार्यालय द्वारा भेजी गई है यदि किसी याचिकाकर्ता को सूचना नहीं मिली है तो वे स्वयं अपना अभ्यावेदन, याचिका के प्रथम पृष्ठ की सत्यापित प्रति जिसमें याचिकाकर्ता का नाम एवं प्रकरण कमांक का उल्लेख हो, के साथ जिस जिले में वह पदस्थ हैं वहां के जिला शिक्षा अधिकारी या संभागीय संयुक्त शिक्षा कार्यालय में उपस्थित हो कर कार्यालय में गठित सेल के समक्ष जमा कर सकते हैं।

श्रीरामलला प्राणप्रतिष्ठा में चलाया जाएगा घर-घर संपर्क एवं आमंत्रण अभियान

पायनियर संवाददाता ◄ दंतेवाड़ा
www.dailypioneer.com

गीदम नगर में आयोजित विभिन्न संगठनों की बैठक में समाज के ज़िम्मेदार एवं प्रबुद्ध नागरिकों के द्वारा श्री रामलला प्राणप्रतिष्ठा अभियान के दौरान 1 जनवरी से 15 जनवरी तक घर घर संपर्क एवं आमंत्रण अभियान चलाया जायेगा।जिसमें दंतेवाड़ा जिले के नगर एवं ग्राम के समस्त राम भक्तों से संपर्क कर उन्हें बताया जायेगा कि श्रीराममंदिर निधि समर्पण अभियान के दौरान आप सबने जो समर्पण किया था उसी समर्पण अथवा सहयोग से श्रीराममंदिर का निर्माण चल रहा है जिसका कि गर्भग्रह पूर्ण हो चुका है और उसमें श्रीरामललाजी कि प्राणप्रतिष्ठा की जायेगी जिसमें आप सभी सादर आमंत्रित है ऐसा सभी श्रीरामभक्तों को निमंत्रण दिया जाएगा । श्रीरामलला प्राणप्रतिष्ठा कार्यक्रम प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की उपस्थिति में संपन्न होगा प्राणप्रतिष्ठा कार्यक्रम की पूरी रूपरेखा जारी की गई है। श्रीरामलला प्राणप्रतिष्ठा को लेकर लोगों में उत्साह देखने को मिल रहा है और लोग इस कार्यक्रम में बढ़चढ़कर भागलेंगे एवं कार्यक्रम को सफल बनाने में अपना शत प्रतिशत योगदान देंगे तथा अन्य लोगों से भी अभियान का हिस्सा बनने तथा अभियान में सहयोग करने के लिये प्रेरित करेंगे । रामकाज किन्हे बिनु मोहि कहाँ विश्राम ऐसा वाक्य दोहराते हुए अपनी खुशी प्रकट करते हुए कहा कि हम बहुत ही भाग्यशाली है जो 500 साल तक चले संघर्ष के बाद बन रहे श्रीराममंदिर को साकार होता हुआ देख रहे है और उसमें प्रभु श्रीरामजी इच्छा से सहयोग कर पा रहे है । श्रीराममंदिर समर्पण अभियान के दौरान जिले से लगभग 4900000 लाख रुपये कि समर्पणनिधि रामभक्तों ने भेजी थी।

धूमधाम से मनाया गया छठ पर्व

यूपी-बिहार सांस्कृतिक एवं सामाजिक कल्याण समिति के द्वारा बचेली में छठ पर्व मनाया गया

पायनियर संवाददाता ◄ बचेली
www.dailypioneer.com

प्रति वर्ष की भांति इस वर्ष भी उत्तर प्रदेश बिहार सांस्कृतिक एवं सामाजिक कल्याण समिति, बचेली के द्वारा छठ पुजा का आयोजन 19 नवंबर एव 20 नवंबर को सीडब्लूएस छठ घाठ पर किया गया। इस दौरान समाज कि महिलाओं द्वारा 36 घंटे का कठिन निर्जला उपवास रखा गया। कार्तिक माह की चतुर्थी तिथि को पहले दिन नहाय खाय, दूसरे दिन खरना, तीसरे दिन डूबते सूर्य और चौथे दिन उगते सूर्य को अर्घ्य दिया गया। जिसमें समाज के लोग और नगरवासी काफी संख्या में इस पुजा मे शामिल हुए और छठी मईया से मनोकामनाएँ पूर्ण करने की कामनाये कि साथ ही छोटे छोटे बच्चो द्वारा छठ घाट पर खूब जम कर अतिसबाजी कि गई। पूजा समाप्ति के पश्चात सभी भक्तगणो को प्रशाद वितरण किया गया। समाज के उपाध्यक्ष कमलेश दुबे जी से जानकारी प्राप्त हुई कि मुख्य रूप से यह पर्व सूर्य उपासना के लिए किया जाता है, ताकि पूरे परिवार पर उनका आशीर्वाद बना रहे। साथ ही यह व्रत संतान के सुखद भविष्य के लिए भी किया जाता है। मान्यता है कि छठ का व्रत करने से निसंतान को संतान की प्राप्ति होती है और सभी मनोकामनाएं पूरी हो जाती है। यह छठ महापर्व उत्तर प्रदेश, बिहार एवं झारखंड के लोगो का मुख्य पर्व है इस पर्व को मानने के लिये लोग देश-विदेश से अपने घर लौटते है और परिवार के साथ इस पर्व को मानते है। इस अवसर पर प्रथम बार दंतेश्वरी म्यूजिकल ग्रुप, बस्तर के द्वारा 19 नवंबर को संध्या 4.30 से एवं 20 नवंबर को प्रातः 4.30 से छठ गीत एव भक्ति गीत कि प्रस्तुति कि गई। इस पुजा को सफल बनाने मे समाज के ए.के बंसल (अध्यक्ष), कमलेश दुबे (उपाध्यक्ष), एस.एस चौहान (सचिव), संजय सिंह (सयुक्त सचिव), महेन्द्र केसरी (कोषाध्यक्ष) एव समाज के अन्य सदस्यो का भरपुर सहयोग रहा।

उगते सूरज को अर्घ्य दिया मांगी मन्नत आस्था का महापर्व छठ पूजा हुई संपन्न

पायनियर संवाददाता ◄ किरंदुल
www.dailypioneer.com

सूर्य उपासना से जुड़ा लोक आस्था के महापर्व छठ के चौथे दिवस आज प्रातः इसका समापन हुआ।किरन्दुल स्थित श्री राघव मंदिर परिसर में बना छठ घाट में व्रतियों ने उगते हुए सूर्य देव को अर्घ्य दिया और छठी मैया की पूजा के साथ यह पर्व संपन्न हुआ। छठ घाट में पूजन के आखिरी दिन व्रती महिलाएं दउरा में फल एवं पूजन की सामग्री लेकर तड़के घाट पर पहुंचे।घंटो पानी में खड़ा रहकर स्नानादि करने के बाद सूर्य उदय होते ही उन्हें अर्घ्य देकर प्रसाद का वितरण किया। इस दौरान बड़ी संख्या में श्रद्धालु जुटे व हवन में आहुति दी।

कलेक्टर-एसपी ने किया धान खरीदी केन्द्रों का आकस्मिक निरीक्षण, किसानों से मिलकर व्यवस्थाओं का लिया जायजा

जिले में अब तक 21 हजार 282 मे. टन हुई धान की खरीदी, 6 हजार से अधिक किसानों ने बेचे अपने धान 43 करोड़ रुपए का हुआ भुगतान

पायनियर संवाददाता < बलौदाबाजार
www.dailypioneer.com

कलेक्टर चंदन कुमार एवं पुलिस अधीक्षक दीपक झा ने बलौदाबाजार एवं पलारी विकासखंड के विभिन्न धान खरीदी केन्द्र में पहुँचकर आकस्मिक निरीक्षण किया। इस दौरान उन्होंने बलौदाबाजार के ग्राम सकरी, पलारी के ग्राम पंचायत अमेरा एवं नगर पंचायत पलारी के धान खरीदी केन्द्रों में धान बेचने पहुंचे किसानों से मुलाकात कर व्यवस्थाओं का जायजा लिया। कलेक्टर ने निरीक्षण के दौरान स्टॉक पंजी, बारदाना रजिस्टर, टोकन रजिस्टर की बारिकी से जांच की। इसके साथ ही ढेरी में लगाए हुए धान को पॉस मशीन के जरिये आर्द्रता को मापा गया। जांच के दौरान धान की गुणवत्ता सही पाया गया। इस दौरान कलेक्टर को कही कही किसानों से सूखत के नाम से किसानों से अधिक धान खरीदी एवं निर्धारित तय सीमा में नमी धान की शिकायतों को बड़ी गंभीरता से लिए है उन्होंने सभी अधिकारियों एवं प्रबंधको को दू टूक कहा कि किसी भी स्थिति में किसानों से सूखत के नाम से अधिक धान की तोलाई ना करे ना ही तय सीमा से अधिक नमी वाले धान की खरीदी की जाएं इस तरह की लापरवाही बर्दाश्त नहीं की जाएगी। इस दौरान कलेक्टर ने धान खरीदी केंद्र प्रभारी से कहा कि किसान कड़ी मेहनत कर धान उत्पादन करता है। किसान की मेहनत का वाजिब दाम मिले और उनके काम का सम्मान हो, इसका विशेष ध्यान रखें। उन्होंने कहा कि धान उपार्जन केंद्र में छाया व बैठक व्यवस्था अनिवार्य रूप से बनाए रखें। उन्होंने कहा कि एक दिन में जितने किसानों से धान की खरीदी हो सके, उतने ही किसानों को धान खरीदी केंद्र में बुलाया जाए। उन्होंने कहा कि ऐसा ना हो कि कोई किसान धान बेचने के लिए आए और उसे अनावश्यक रूप से अधिक समय तक रूकना पड़े। कलेक्टर कुमार ने उपस्थित किसानों, फड़ प्रभारी, मजदूरों अन्य ग्रामवासीयों से बातचीत की। बातचीत के दौरान ग्राम अमेरा निवासी प्रदीप कुमार ने कलेक्टर कुमार को बताया कि मुझे धान बेचने में किसी भी तरह की परेशानी नहीं हुई। सकरी धान खरीदी में किसान ग्राम सकरी धनी राम साहू ने बताया कि मैंने 900 कट्ठा धान सकरी खरीदी केन्द्र में बेचा हूं। इसी तरह पलारी धान खरीदी के प्रबंधक ने बताया कि लगभग 800 किसान समिति में पंजीयन है। जिसमें से अभी तक 60 किसानो ने अपने धान बेचे हैं। उक्त निरीक्षण के दौरान सहायक कलेक्टर नम्रता चौबे, खाद्य अधिकारी विमल कुमार दुबे, नोडल अधिकारी शर्मा, डीएमओ निधि शशांक दुबे एवं डीआरसीएस गौड़ सहित संबंधित अन्य अधिकारी कर्मचारी गण उपस्थित थे।

अब तक हुई धान की खरीदी

खाद्य विभाग से प्राप्त जानकारी के अनुसार अब तक जिले में 6 हजार 328 किसानों से 21 हजार 282 मे. टन धान की खरीदी की जा चुकी है। जिसके तहत 19 हजार 591 मे. टन मोटा, 718 मे.टन पतला, 973 मे. टन सरना शामिल है। इसके एवज में लगभग 43 करोड़ रुपये का भुगतान आंनलाईन माध्यम से किया जा चुका है। अभी तक 4 हजार 192 मे. टन डीओ जारी की जा चुकी है। लगभग मिलर द्वारा 1 हजार 97 मे. टन का उठाव भी किया चुका है। गौरतलब है कि जिले में 1 लाख 62 हजार 534 किसान पंजीकृत है। जिसके तहत इस वर्ष 7 लाख 48 हजार 924 मे. टन खरीदी अनुमानित है। अभी तक कुल खरीदी का महज 2.84 प्रतिशत ही खरीदी हुई है।

सूर्य उपासना का पर्व छठ पूजा सम्पन्न

पायनियर संवाददाता < धमतरी
www.dailypioneer.com

चार दिनों तक चलने वाले इस अनुष्ठान के अंतिम दिन डूबते सूर्य को अर्घ्य देकर इसका समापन हुआ। छठ महापर्व पर सैकड़ों व्रतधारी महिला पुरुष व बच्चो के साथ छठ मईया के गीत गाते हुए छठ घाट पर पहुंचे। उनका उत्साह एवं श्रद्धा देखते ही बन रहा थी। सूर्य की उपासना का चार दिवसीय महापर्व छठ हर्षोल्लास के साथ मनाया गया। छठ महापर्व के चौथे व अंतिम दिन ब्रम्हमुहूर्त से ही शहर के आमातालाब सहित अन्य तालाब में श्रद्धालुओं ने स्नान किया। विधिवत पूजा अर्चना करके सबकी नजरें सूर्यदेव के उदय होने पर लगी रही जैसे ही सूर्योदय हुआ वैसे ही एक साथ सैकडो लोगो ने जल और फल से अर्ध्य देने की परंपरा निभाई। श्रद्धा भक्ति से भगवान सूर्यदेव और छठी मईया के जयकारे गुंज उठे। पूरे परिवार की सुख समृद्धि की कामना की। अर्ध्य के बाद व्रती महिलाओं ने छठी मईया को अर्पित किये भोग का प्रसाद ग्रहण 36 घंटे से भी अधिक समय से करती आ रही निर्जला व्रत का पारणा किया। अपने रिश्तेदारो , परिचितो के घर प्रसाद का वितरण किया। व्रत का पारण करने के साथ ही चार दिवसीय छठ महापर्व का समापन हुआ।

आरएसएस ने मनाया दीपावली मिलन समारोह

पायनियर संवाददाता < धमतरी
www.dailypioneer.com

राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ धमतरी नगर का दीपावली मिलन समारोह रामबाग स्थित सोनकर समाज भवन में आयोजित किया गया। रविवार को दोपहर 3:30 बजे आयोजित दीपावली मिलन के मुख्य वक्ता जिला प्रचारक मनोज कश्यप थे। अध्यक्षता सुधीर कुमार कौशल जिला संरक्षक कोसरिया महार समाज जिला धमतरी ने की। विशिष्ट अतिथि नगर संघचालक रामलखन गजेन्द्र थे। कार्यक्रम में गीत, अमृत वचन, सामूहिक गीत, प्रेरक प्रसंग की प्रस्तुति हुई। अध्यक्षता कर रहे श्री कौशल ने स्वयंसेवकों को दीपावली मिलन समारोह की बधाई दी। मुख्य वक्ता मनोज कश्यप ने कहा कि भारत एकमात्र देश है जहां के लोग इसे मातृभूमि कहते हैं। भारतमाता कहते हैं। अन्य किसी देश को मां का दर्जा नहीं दिया गया है। सिर्फ भारत के लोग ही अपनी भारतमाता के लिए मरने को तैयार रहते हैं। आगे कहा कि हमारा देश इतना बड़ा देश होने के बाद भी गुलाम हो गया क्योंकि हमारा देश पंथ, संप्रदाय, धर्म में बंटा रहा। सारा हिन्दू समाज बंटा रहा। इस बंटे हुए हिन्दू समाज को संघ के माध्यम से हमें संगठित करना है। भारत देश में कहीं भी घटना.दुर्घटना होती है, किसी हिन्दू समाज के ऊपर घात होता है तो हम कहीं भी रहें संवेदना व्यक्त करते हैंए क्योंकि हम इसी धरती मां की संतान हैं। इसी धरती मां से अन्न, जल, वायु प्राप्त कर रहे हैं। इस समारोह से संकल्प लेकर जाएं कि जब कभी भी किसी हिन्दू समाज पर आघात होगाए हम संगठित होकर उसका प्रबल विरोध करेंगे।

हार्वेस्टर पलटने से युवक की मौत

पायनियर संवाददाता < महासमुंद
www.dailypioneer.com

बसना थाना क्षेत्र के बड़े ढाबा गांव मे धान काटने का हार्वेस्टर पलट जाने के कारण हादसे में एक 20 वर्षीय युवक की दबने से मौत हो गई है। जानकारी के अनुसार मृतक के खेत में धान कटाई का काम चल रहा था। इसी दौरान हार्वेस्टर में कुछ खराबी आ गई जिसे ठीक कराने के लिए युवक उसे मेकेनिक के पास लेकर जा रहा था। तभी रास्ते में हार्वेस्टर पलट गया और इसके नीचे दबकर युवक की मौके पर ही मौत हो गयी। बसना पुलिस के मुताबिक मृतक का नाम ताराचंद बारीक है, जो कि बड़े ढाबा गांव का ही रहने वाला था। घटना के बाद आसपास काम कर रहे लोगों की भीड़ लग गई। सूचना के बाद मौके पर पहुंची पुलिस मामले की जांच में जुट गई है।

पति ने की पत्नी की हत्या

पायनियर संवाददाता < बिलाईगढ़
www.dailypioneer.com

भटगांव थाना क्षेत्र के सलौनीकला पंचायत में कलयुगी पति ने पत्नी के गर्दन और सिर पर सिलबट्टा से वार कर उसे मौत के घाट उतार दिया। बताया गया की पति पत्नी के बीच धान कटाई को लेकर विवाद हुआ था उसी विवाद पर से आरोपी पति आवेश में आकर पत्नी पर सिलबट्टा से हमला कर दिया जिससे मौके पर पत्नी की मौत हो गई। वहीं उनके रिश्तेदार आरोपी पति का मानसिक संतुलन ठीक नहीं होने के कारण पिछले छः माह से उनका ईलाज चलने की भी बात कही जा रही है। बहरहाल इधर घटना की जानकारी मिलते ही भटगांव थाना प्रभारी अमृत भार्गव अपने टीम के साथ मौके पर पहुँचकर वार किया सिलबट्टा जब्त कर आरोपी पति को गिरफ्तार कर लिया और शव का पंचनामा कर पीएम के लिए बिलाईगढ़ रवाना कर दिया। पुलिस आगे की कार्यवाई में जुट गई है।

विश्व धरोहर सप्ताह अंतर्गत रायपुर में जैन कला एवं स्थापत्य पर संगोष्ठी आयोजित

जैन संस्कृति सबसे प्राचीन : गिरीश पंकज

पायनियर संवाददाता < रायपुर
www.dailypioneer.com

विश्व धरोहर सप्ताह का शुभारंभ श्री भारतवर्षीय दिगंबर जैन तीर्थ संरक्षिणी महासभा एवं निर्ग्रन्थ सेंटर आफ आर्कियोलॉजी के द्वारा रायपुर में जैन चित्र प्रदर्शनी, जैन कला एवं स्थापत्य का विश्व को अवदान विषयक संगोष्ठी एवं गुरुकुल योजना से किया गया।

सर्वप्रथम कार्यक्रम संयोजक एवं श्री भारतवर्षीय दिगंबर जैन महासभा के राष्ट्रीय उपाध्यक्ष कैलाश रारा ने स्थानीय चूड़ी लाइन स्थित चंद्रप्रभ दिगंबर जैन मंदिर में जाकर भगवान चंद्र प्रभु को नमन कर वहां पर घराना शैली की जैन चित्रों की प्रदर्शनी का दीप प्रज्वलन कर उद्घाटन किया पश्चात स्थानीय वृंदावन हॉल में आयोजित जैन कला एवं स्थापत्य का विश्व को अवदान विषयक संगोष्ठी की प्रस्तावना में श्री रारा ने अतीत से लेकर वर्तमान तक जैन संस्कृति के विश्व व्यापी प्रभाव पर विस्तार से प्रकाश डाला। मुख्य वक्ता एवं वरिष्ठ पत्रकार गिरीश पंकज ने वेद पुराणों में उल्लेखित जैन संस्कृति के अनेक प्रमाण एवं सिंधु घाटी की सभ्यता से प्राप्त पुरा अवशेषों के आधार पर भारत की इस महान संस्कृति को प्राग्वैदिक संस्कृति निरूपित किया। पुरातत्वविद डॉक्टर हेमू यदु ने छत्तीसगढ़ में ईशा से दूसरी तीसरी शताब्दी पूर्व तक के जैन पुरा अवशेषों के प्रमाण का उल्लेख किया तथा महेशपुर में छठी शताब्दी का भग्न जैन मंदिर होने का दावा किया। दैनिक विश्व के संपादक प्रदीप जैन ने बुंदेलखंड एवं कर्नाटक की पुरा संपदा को जैन संस्कृति का प्राण बतलाया। पाटनी फाउंडेशन के सुरेंद्र पाटनी ने कहा कि हम जैन है पर जैनी तब बनेंगे जब हम अपने सांस्कृतिक जीवन मूल्यों की रक्षा करने में सक्षम होंगे। ऋषभदेव जैन मंदिर के पूर्व ट्रस्टी प्रकाश सुराणा ने जैन पुरा संपदा की सुरक्षा के लिए नवीन मंदिरों के निर्माण में नवीन मूर्तियों के साथ-साथ प्राचीन मूर्तियों को भी इतिहास वृत के उल्लेख के साथ स्थापित करने का सुझाव दिया।

रास्ता रोककर पैसा लूटकर मारपीट एवं हत्या करने वाले आरोपी गिरफ्तार

पायनियर संवाददाता < बलौदाबाजार
www.dailypioneer.com

जिले में पुलिस अधीक्षक दीपक कुमार झा द्वारा अपराधों पर अंकुश लगाये जाने के कड़े निर्देश के परिपालन में अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक एवं अनुविभागीय अधिकारी पुलिस के दिशा निर्देश पर थाना पलारी क्षेत्रान्तर्गत 14 नवंबर को बिसाहू राम ध्रुव, परशुराम ध्रुव व संतुराम साहू एक मोटर सायकल में जा रहे थे कि वटगन में मोटर सायकल में दो व्यक्ति बिरेन्द्र उर्फ बिरू डहरिया एवं मुकेश रात्रे दोनो के द्वारा जबरदस्ती रास्ते में रोक कर गाली गुप्तार करने लगे एवं संतुराम साहू के उपरी जेब में रखे 700 रू. को लुट लिए। विरोध करने पर दोनो के द्वारा हाथ मुक्का एवं लात से जान से मारने कि नियत से बिसाहू राम ध्रुव को पेट में जोर जोर से मारने लगे, जो अधमरा जैसे हो गया मारपीट से बिसाहू राम ध्रुव के नाक मुंह से खुन निकलने लगा एवं बेहोश हो गया तथा संतुराम को भी जान से खत्म कर दुंगा कह कर दोनो मिल कर मारने लगे, जिससे संतुराम के कमर एवं आंख के पास गंभीर चोट आयी है। परशुराम ध्रुव को भी मारने लगे तब किसी तरह से जांन बचा कर वहां से भाग गया। बिसाहू राम साहू को जादा चोट लगने से उसकी इलाज दौरान मृत्यू हो गई। कि रिपोर्ट पर थाना पलारी में अपराध क्र. 5274/ 2023 धारा 341, 394, 307, 302, 34 भादवि पंजीबद्ध कर आरोपी का पता तलाश किया गया एवं आरोपी बिरेन्द्र उर्फ बिरू डहरिया एवं मुकेश रात्रे को गिरफ्तार कर न्यायिक रिमाण्ड पर जेल भेजा गया। संपूर्ण कार्यवाही में थाना प्रभारी शशांक सिंह एवं सउनि संजीव सिंह एवं थाना स्टाफ का विशेष योगदान रहा है

मूलचंद सेठिया का निधन

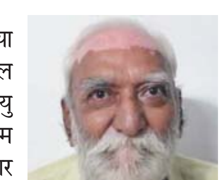

धमतरी। मूलचंद सेठिया पिता स्व, कन्हैया लाल सेठिया का 72 वर्ष की आयु में निधन हो गया है। अंतिम यात्रा निवास स्थान सालेहवार पारा से दोपहर बाद निकाली गई। जिसमें समाजन व गणमान्य नागरिक शामिल हुए। वे प्रदीप पूनम के पिताजी, प्रकाशचंद, इंदरचंद, मदनलाल मोहन मोती, मनोज सेठिया के भाई थे।

बोलेरो ने बाइक सवारों को कुचला, दो की मौत

पिथौरा। बोलेरो वाहन ने बाइक सवारों को कुचलने से 2 युवकों की मौके पर ही दर्दनाक मौत हो गई। घटना की सूचना मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंची और जांच में जुट गई है। हादसा सरायपाली ईवास इंग्लिश मीडियम स्कूल के पास हुआ। घटना सरायपाली थाना क्षेत्र की है। बताया जा रहा है कि हादसा इतना भीषण था कि युवकों के शरीर के अंग क्षत-विक्षत हो गए, मृतक युवकों की पहचान अब तक नहीं हो पाई है. पुलिस मृतकों की शिनाख्ती में जुट गई है।

2018 से 5 प्रतिशत अधिक मतदान मतदान में महिलाएं रहीं पुरुषों से आगे

नक्सल गतिविधियों के बावजूद सिहावा में हुआ रिकार्ड 87.63 प्रतिशत मतदान

पायनियर संवाददाता < धमतरी
www.dailypioneer.com

धमतरी जिला प्रदेश में सर्वाधिक मतदान करने वाला जिला बन गया है। इसका श्रेय कलेक्टर एवं जिला निर्वाचन अधिकारी ऋतुराज रघुवंशी के कुशल नेतृत्व एवं मार्गदर्शन को जाता है। जिले की वनांचल सिहावा विधानसभा में नक्सल गतिविधियों के बावजूद इस बार रिकार्ड मतदान हुआ है। वर्ष 2018 के विधानसभा में जहां सिहावा विधानसभा का कुल मतदान प्रतिशत 82.86 था, जो इस बार बढकर 87.63 हो गया है। इस तरह लगभग 4.78 प्रतिशत अधिक मतदान हुआ है। विधानसभा में अधिक मतदान के कारणों में मुख्य कारण यहां के लोगों को अपने मताधिकार का उपयोग करने हेतु प्रेरित करने के साथ.साथ उनके चुनाव बहिष्कार करने के कारणों को कलेक्टर द्वारा संज्ञान में लेकर तत्काल सुलझाना और नक्सली गतिविधियों की रोकथाम हेतु सही रणनीति बनाना।

बरबांधा के ग्रामीणों ने की थी चुनाव बहिष्कार, समझाइश के बाद सर्वसम्मति से शांतिपूर्ण मतदान की दी सहमति : नगरी के बरबांधा के ग्रामीणों ने गत दिनों गांव में ही मतदान केन्द्र की मांग करते हुए मतदान बहिष्कार करने की बात कही थी। इस बात को संज्ञान में लेते हुए कलेक्टर एवं जिला निर्वाचन अधिकारी ऋतुराज रघुवंशी ने ग्रामीणों के साथ बैठक आहूत करने के निर्देश अधिकारियों को दिये थे। उक्त निर्देश के परिपालन में जनपद

सीईओ एवं तहसीलदार कुकरेल की उपस्थिति में ग्रामीणों की बैठक ली। बैठक में अधिकारियों से ग्रामीणों को आश्वस्त किया कि आगामी चुनाव में मतदान हेतु सभी प्रक्रिया पूरी कर ग्राम बरबांधा में मतदान केन्द्र खोलने का प्रस्ताव भेजा जायेगा। इस पर ग्रामीणों ने भी अधिकारियों को आश्वस्त किया कि विधानसभा निर्वाचन 2023 में सभी ग्रामवासी मतदान केन्द्र डोंगरीपारा बरबांधा.94 में शांतिपूर्ण मतदान की सहमति दी थी। पिछले विधानसभा निर्वाचन में जहां इस मतदान केन्द्र का प्रतिशत 79.82 था, जो इस वर्ष बढ़कर 88.51 प्रतिशत हो गयाए जो कि 8.69 हो गया।

नक्सली गतिविधयां रही नाकाम : विधानसभा निर्वाचन 2023 पर नकारात्मक प्रभाव डालने नक्सलियों ने मतदान से पहले सिहावा विधानसभा में दहशत फैलाने गाताबाहरा. खल्लारी मार्ग में आईईडी ब्लास्ट कर दहशत फैलाने की कौशिश की। वहीं पर्चे फेंककर मतदान नहीं करने की चेतावनी दी थी। जिला प्रशासन की कुशल रणनीति, सुरक्षा व्यवस्था पर भरोसा कर क्षेत्र के लोगों ने उत्साह के साथ बिना किसी डर, भय के मतदान कर रिकार्ड बनाया है।

सिहावा विधानसभा क्षेत्र में महिलायें मतदान करने में रही आगे : सिहावा विधानसभा क्षेत्र में मतदान का प्रतिशत बढ़ने का एक कारण यह भी रहा कि यहां की महिला मतदाताओं ने पुरूष मतदाताओं की अपेक्षा अधिक मतदान किया। विधानसभा क्षेत्र में कुल 1 लाख 93 हजार 317 मतदाता है,जिनमें पुरूष मतदाता 94 हजार 489 महिला मतदाता 98 हजार 826 इनमें से 1 लाख 69 हजार 417 मतदाताओं ने वोट डाले है। जिनमें 82 हजार 338 पुरूष मतदाताओं 87 हजार 77 महिला मतदाताओं ने वोट डाले।

स्वीप गतिविधियां रही प्रभावी : विधानसभा क्षेत्र में मतदान का प्रतिशत बढाने में स्वीप गतिविधयों भी प्रभावी सिद्ध हुई है। स्वीप गतिविधियों में युवाओंए महिलाओं, तृतीय लिंग,स्कूली बच्चों, शिक्षक.शिक्षिकाओं सहित अन्य वर्गो को संगठित कर विभिन्न स्वीप गतिविधियां आयोजित की गयी थी, जिनमें रैली, नक्कड नाटक, फ्लैश मॉब, पेंटिंग, रंगोली, नारा लेखन, सलाद सजाओं प्रतियोगिता, लिंगल,दीपदान महोत्सव, स्वीप आईकान के माध्यम से सांस्कृतिक कार्यक्रम, कठपुतली नृत्य एक अभियान क्षेत्र में चलाया गयाए जिसकी वजह से क्षेत्र में मतदान का प्रतिशत बढा है।

वृक्षारोपण की होगी आडिट, आनलाईन शिकायतो में दर्ज प्रकरणो की समीक्षा आयुक्त के निर्देश पर अपर आयुक्त ने किया

पायनियर संवाददाता ◄ भिलाईनगर
www.dailypioneer.com

नगर निगम भिलाई क्षेत्र में लक्ष्य के आधार पर किये गये वृक्षारोपण की आडिट के लिए आयुक्त ने टीम गठित कर 3 दिवस के भीतर निर्धारित प्रारूप में रिपोर्ट प्रस्तुत करने, बिजली पोल में किये गये नम्बरिंग की पूर्णतः प्रमाण पत्र तथा आनलाईन शिकायतो में दर्ज प्रकरणो की समीक्षा आयुक्त के निर्देश पर अपर आयुक्त ने किया। आयुक्त रोहित व्यास ने भिलाई के सौदर्यीकरण एवं हरियर छत्तीसगढ़ योजना के तहत जी.ई.रोड, उद्यान, शासकीय भूमि, अस्पताल परिसर, गौठान, एस.एल.एम.आर. सेंटर, व्यवसायिक क्षेत्र आदि में वृक्षारोपण के निर्देश वर्षाऋतु के पूर्व दिये थे। जिसके लिए प्रत्येक जोन को वृक्षारोपण करने लक्ष्य निर्धारित किया गया था, वर्तमान में किये गये वृक्षारोपण की वास्तविक स्थिति की जानकारी लेने अभियंताओं की टीम गठित कर 3 दिवस के भीतर निर्धारित प्रारूप में अपना प्रतिवेदन प्रस्तुत करने के आदेश प्रसारित किये है। टीम के सदस्य वृक्षारोपण स्थल का मौका मुवायना कर सुख गये पेड़, छतिग्रस्त पाईप की जानकारी एकत्र करेगे, ठेका प्राप्त एजेसी को खाद पानी नियमित रूप से प्रदान किये जाने की जानकारी भी प्रारूप में प्रस्तुत करेगें। उक्त जानकारी बैठक में उपस्थित अधिकारियों को प्रदान करते हुए अपर आयुक्त अशोक द्विवेदी ने आगे कहा की आयुक्त द्वारा भिलाई निगम क्षेत्र के सभी बिजली खम्बो की नंबरिंग के साथ बंद लाईट को बदल कर चालू करने के निर्देश दिये थे इसकी भी जानकारी टीम के सदस्य उपलब्ध करायेगें। इसी प्रकार राज्य सरकार द्वारा जारी आनलाईन शिकायत में दर्ज शिकायत पत्रों के निराकरण की भी उन्होने समीक्षा की। अपर आयुक्त ने सारथी ई-एप्प, जनचैपाल, जनशिकायत में दर्ज शिकायतो का एक सप्ताह के भीतर निराकरण कर शिकायतो को विलोपित करने के निर्देश अधिकारियों को दिये। बैठक में उपायुक्त नरेन्द्र कुमार बंजारे, रमाकांत साहू, सभी जोन के आयुक्त, सहायक अभियंता, उपअभियंता, विभाग प्रमुख सहित अन्य अधिकारी कर्मचारी उपस्थित थे।

श्रीरामलला प्राणप्रतिष्ठा में घर घर संपर्क एवं आमंत्रण अभियान

पायनियर संवाददाता ◄ दंतेवाड़ा
www.dailypioneer.com

जिला के गीदम नगर में आयोजित विभिन्न संगठनों की बैठक में समाज के ज़िम्मेदार एवं प्रबुद्ध नागरिकों के द्वारा रामलला प्राणप्रतिष्ठा अभियान के दौरान 1 जनवरी से 15 जनवरी तक घर घर संपर्क एवं आमंत्रण अभियान चलाया जायेगा जिसमें नगर एवं ग्राम के समस्त राम भक्तों से संपर्क कर उन्हें बताया जायेगा कि श्रीराममंदिर निधि समर्पण अभियान के दौरान आप सबने जो समर्पण किया था उसी समर्पण अथवा सहयोग से श्रीराममंदिर का निर्माण चल रहा है जिसका कि गर्भग्रह पूर्ण हो चुका है और उसमें श्रीरामललाजी कि प्राणप्रतिष्ठा की जायेगी जिसमें आप सभी सादर आमंत्रित है ऐसा सभी श्रीरामभक्तों को निमंत्रण दिया जाएगा । श्रीरामलला प्राणप्रतिष्ठा कार्यक्रम माननीय प्रधानमंत्री श्री नरेंद्रमोदी जी उपस्थिति में संपन्न होगा प्राणप्रतिष्ठा कार्यक्रम की पूरी रूपरेखा जारी की गई है । श्रीरामलला प्राणप्रतिष्ठा को लेकर लोगों में उत्साह देखने को मिल रहा है और लोग इस कार्यक्रम में बढ़चढ़कर भागलेंगे एवं कार्यक्रम को सफ्ल बनाने में अपना शतप्रतिशत योगदान देंगे तथा अन्य लोगों से भी अभियान का हिस्सा बनने तथा अभियान में सहयोग करने के लिये प्रेरित करेंगे । ÷रामकाज किन्हे बिनु मोहि कहाँ विश्राम ÷ ऐसा वाक्य दोहराते हुए अपनी खुशी प्रकट करते हुए कहा कि हम बहुत ही भाग्यशाली है जो 500 साल तक चले संघर्ष के बाद बन रहे श्रीराममंदिर को साकार होता हुआ देख रहे है और उसमें प्रभु श्रीरामजी इच्छा से सहयोग कर पा रहे है । श्रीराममंदिर समर्पण अभियान के दौरान जिले से लगभग 4900000 लाख रुपये कि समर्पणनिधि रामभक्तों ने भेजी थी ।

जीत-हार को लेकर दांव लगना शुरू, सट्टा बाजार में भाजपा के पक्ष में ज्यादा दांव

पायनियर संवाददाता ◄ मुंगेली
www.dailypioneer.com

चुनाव खत्म होने के साथ कई अनिश्चितताओ दौर भी छोड गया। जीत-हार को लेकर दांव लगना शुरू हो गया है। वही मिली जानकारी के अनुसार सट्टा बाजार भी गर्म होता जा रहा है। सूत्रो के अनुसार सट्टा बाजार में भाजपा के पक्ष में ज्यादा दांव लग रहे हैं। हालांकि कांग्रेस के लोग भी अपनी जीत का दावा कर रहे हैं। शनिवार से लेकर आज तारिख तक को सुबह से लेकर रात तक लोग सिर्फ चुनावी चर्चा करते रहे। वहीं प्रत्याशी भी मीडिया कर्मियों को फोन कर अपनी स्थिति की टोह लेते रहे। लगातार प्रसारित किए जा रहे चर्चाओं के एक्जिट पोल ने भी दोनों दलों की धड़कन बढ़ा दी है। किसी एक्जिट पोल में भाजपा को बहुमत के करीब दिखाया जा रहा है, तो किसी में कांग्रेस को। जिले के अंतर्गत आने वाले प्रमुख सीटो में लोरमी और मुंगेली चर्चा की दौड में - चुनाव खत्म होने के बाद से सबसे ज्यादा चर्चा जिले की लोरमी और मुंगेली विधानसभा को लेकर होती रही। लोरमी से भाजपा प्रदेश अध्यक्ष अरूण साव अपना भाग्य आजमा रहे है तो कांग्रेस से थानेश्वर साहू , जनता कांग्रेस जे से कांग्रेस के कभी कांग्रेस के जिला अध्यक्ष रहे सागर सिंह बैस और निर्दलीय प्रत्याशी संजीत बर्मन भी चर्चा के घेरे में है। वही मुंगेली विधानसभा अजा के सुरक्षित है जहां से भाजपा प्रत्याशी के तौर पर विधायक पुन्नु लाल मोहले है जो अजेय योद्धा माने जाते रहे है तो कांग्रेस से जिला पंचायत उपाध्यक्ष संजीत बनर्जी मैदान में है, इसके अलाव अन्य लोगो में जनता कांग्रेस जे से सरीता भारद्वाज, आम आदमी पार्टी से दीपक पात्रे, सहित निर्दलीय मैदान में है। यहा पर सीधे तौर से कांग्रेस भाजपा में सीधा संघर्ष देखा जा रहा है। चर्चा के एक्जिट पोल ने बढ़ाई धड़कन - चुनाव के बाद से चर्चाओं का एक्जिट पोल भी जमकर फैल रहा है। कोई भाजपा को बहुमत के करीब दिखाता पोस्ट इंटरनेट मीडिया में प्रसारित कर रहा है तो कोई कांग्रेस को बहुमत दिखा रहा है। ऐसे में कांग्रेस व भाजपा दोनों दलों की धड़कन तेज हो गई है। बहरहाल आने वाले तीन दिसंबर को ही सही रिर्जट सबके सामने आयेगा। जब मतगणना पूरी होगी, कि किस पार्टी को जनादेश मिला है किसकी सरकार बनेगी, और किसे अगले पांच सालो का इंतजार करना पडेगा।

दिवाली मिलन में स्नेह भोज के साथ हास्य व्यंग्य व गेम्स का लिया आनंद

पायनियर संवाददाता ◄ रायपुर
www.dailypioneer.com

राजीव लोचन फाउंडेशन ने रोहिणीपुरम स्थित अनीता सदन में दीपावली मिलन का आयोजन किया, जिसमें पदाधिकारी व सदस्य गण बड़ी संख्या में शामिल हुए । आयोजकों द्वारा समस्त उपस्थितो का साउथ गमछा भेंट कर सम्मान किया गया। सभी पदाधिकारियो ने मिठाई बांटकर आपस में खुशियां बांटी तथा दिवाली की बधाई दी। अध्यक्ष ललित मिश्रा ने बताया कि इस दिन को यादगार बनाने के लिए गीत - गायन, नृत्य , प्रश्नोत्तरी, हास्य व्यंग्य व गेम्स का आयोजन किया गया, जिसमें सभी ने बढ़-चढ़कर हिस्सा लिया। अंत में स्नेह भोज का आयोजन किया गया । इस दौरान संरक्षक प्रमोद मिश्रा, अध्यक्ष ललित मिश्रा, नरेंद्र मिश्रा, विनोद मिश्रा, प्रदीप मिश्रा, अरुण मिश्रा, अरविंद मिश्रा, संजय मिश्रा, अतुल मिश्रा, आलोक मिश्रा, आशुतोष मिश्रा, अजय मिश्रा, डॉ विवेक मिश्रा, मुकेश मिश्रा, आशीष मिश्रा, सुमित मिश्रा, ममता मिश्रा, अनीता मिश्रा, अपर्णा मिश्रा, सोपान मिश्रा, संदीपन मिश्रा, प्रीति मिश्रा सहित सदस्य गण शामिल रहे ।

क्षतिग्रस्त वैगनों को हटाने का काम शुरू

पायनियर संवाददाता ◄ कोरबा
www.dailypioneer.com

दक्षिण पूर्व मध्य रेलवे के अंतर्गत एसईसीएल क जूनाडीह साइडिंग पर हुए घटनाक्रम में मालगाड़ी के 4 वैगन डी-रेल होने के साथ क्षतिग्रस्त हो गए। मेकेनिकल डिपार्टमेंट की टीम संसाधन के साथ यहां पहुंची। ट्रैक से उतरे वैगन को हटाने का काम शुरू कर दिया गया है। दीपका क्षेत्र के अंतर्गत यह घटना हुई थी जहां मालगाड़ी के 4 वैगन ट्रैक से उतर गए थे। इस वजह से संबंधित लाइन पर कई घंटे आवाजाही बाधित रही और कोल ट्रांसपोर्टेशन थमा रहा। रेलवे सूत्रों ने बताया कि जिस ट्रैक पर घटना हुई उसके आसपास कोल डस्ट जमा होना इसके लिए जिम्मेदार माना जा रहा है। नियमित रूप से मौके पर सफाई करने की व्यवस्था कराई गई है और संबंधित कर्मियों को इसके लिए निर्देशित किया गया है। समयबद्ध कार्यक्रम नहीं करने के नतीजन जूनाडीह साइडिंग में काफी हिस्से में ट्रैक के इर्द-गिर्द बड़ी मात्रा में कोल डस्ट की मौजूदगी कायम है। बताया गया कि इस तरह की परिस्थितियों के कारण मालगाड़ी को चलने में असुविधा होती है और स्लरी व डस्ट के संपर्क में आने के साथ मालगाड़ी के पहिए अपनी वास्तविक जगह से डि-लोकेट हो जाते हैं। मालगाड़ी के चार डिब्बों के ट्रैक से उतरने के पीछे इसी प्रकार के हालात जिम्मेदार रहे। घटना के बारे में लोको पायलट के द्वारा अधिकारियों को अवगत कराया गया। इसके साथ आगे जानकारी भिजवाई गई। वक्त की नजाकत को समझते हुए आनन-फानन में मेकेनिकल टीम को संसाधन के साथ जूनाडीह भेजा गया।

वायर रॉड मिल ने स्थापित किये नये कीर्तिमान

पायनियर संवाददाता ◄ भिलाई
www.dailypioneer.com

सेल-भिलाई इस्पात संयंत्र के वायर रॉड मिल (डब्ल्यूआरएम) ने टीएमटी एफई 500 डी ईक्यूआर (भूकंपरोधी) वायर रॉड्स के सेक्शन 8 और 10 मिलीमीटर (मिमी) की रोलिंग में नई ऊंचाई दर्ज की। 19 नवंबर 2023 को मिल ने एक ही शिफ्ट में टीएमटी वायर रॉड्स के 628 बिलेट्स (609 टन) रोल कर नया शिफ्ट रिकॉर्ड बनाया। पिछला सर्वश्रेष्ठ रिकॉर्ड 9 मई 2023 को एक शिफ्ट में 624 बिलेट्स (599 टन) का था। वायर रॉड मिल ने 19 नवंबर 2023 को टीएमटी एफई 500 डी ईक्यूआर वायर रॉड्स के सेक्शन 8 और 10 मिलीमीटर में 1657 टन की रोलिंग कर नया रिकॉर्ड दर्ज किया। इस ग्रेड की पिछली सर्वश्रेष्ठ रोलिंग 10 अप्रैल 2023 को 1632 टन दर्ज की गयी थी। उल्लेखनीय है कि वर्तमान वित्त वर्ष के प्रथम सात महीने, अप्रैल से अक्टूबर 2023 तक वायर रॉड मिल ने पिछले वित्तीय वर्ष की इसी अवधि की तुलना में उत्पादन में 31.9 प्रतिषत की वृद्धि दर्ज की है। मिल ने अप्रैल से अक्टूबर 2023 की अवधि में 2,57,989 टन का उत्पादन किया जबकि अप्रैल से अक्टूबर 2022 में मिल ने 1,95,655 टन उत्पादन दर्ज किया था।

प्राकट्य दिवस पर जलाराम बापा की निकली शोभायात्रा

पायनियर संवाददाता ◄ कोरबा
www.dailypioneer.com

श्री जलाराम सेवा समिति द्वारा जलाराम मंदिर में संत श्री जलाराम बापा का जयंती उत्सव 19 नवंबर को धूमधाम से मनाया गया। रविवार को सुबह ब्रह्म मुहूर्त में मंदिर में विराजित श्री विग्रहो का अभिषेक किया गया जिसके दाता स्व. निर्मणा बेन जयंती भाई पटेल अग्रसेन मार्ग कोरबा रहे। सुबह 9.30 बजे जलाराम बापा का अभिषेक पूजन, अखंड दीप प्रागट्य किया गया। दोपहर में शोभायात्रा पचाण भाई शामजी भाई पटेल व नानजी भाई शामजी भाई पटेल सीतामढ़ी के निवास स्थान से डीडीएम रोड स्थित जलाराम मंदिर तक निकाली गई। शोभा यात्रा में समाज के लोग झूमते-नाचते रहे और भक्ति गीतों का आनंद भी लिया। इसके पश्चात संयुक्त सभा, वार्षिक आय-व्यय की प्रस्तुति के बाद दाताओं का आभार व्यक्त किया गया। शाम को दैनिक पूजा-आरती पश्चात जलाराम बापा की महाआरती हुई। आरती उपरांत महाप्रसाद भंडारा भी आयोजित हुआ। महाप्रसाद भंडारा के दाता पीयूष भाई नितिन भाई राठौड़ व कल्पेश भाई नितिन भाई राठौड़ थे। शोभा यात्रा सहित सभी आयोजनों में सैकड़ों की संख्या में समाज के लोगों ने अपनी सहभागिता दर्ज कराई।

जिले में अब तक 2 लाख 22 हजार क्विंटल से अधिक हुई धान खरीदी

पायनियर संवाददाता ◄ मुंगेली
www.dailypioneer.com

राज्य शासन के निर्देशानुसार खरीफ विपणन वर्ष 2023-24 में 01 नवम्बर से जिले में पंजीकृत किसानों से समर्थन मूल्य पर धान खरीदी प्रारंभ हो चुकी है। कलेक्टर के कुशल मार्गदर्शन में जिले के धान उपार्जन केंद्रों में समर्थन मूल्य पर धान खरीदी का कार्य सुचारू रूप से किया जा रहा है। जिसके तहत जिले में अब तक 02 लाख 22 हजार 898.40 क्विंटल धान खरीदी की जा चुकी है। जिसमें 02 लाख 14 हजार 871.60 क्विंटल मोटा, 1260 क्विंटल पतला और 6766.80 क्विंटल सरना धान शामिल है। कलेक्टर ने सुव्यस्थित धान खरीदी कार्य के साथ उपार्जन केंद्रों से धान उठाव कार्य शीघ्र शुरू करने के निर्देश दिए है। उन्होने संबंधित अधिकारियों को उपार्जन केन्द्रों में कड़ी निगरानी रखने और अवैध रूप से धान खपाने की जानकारी मिलने पर कोचियों और बिचैलियों पर सख्त कार्यवाही करने के भी निर्देश दिए हैं। बता दें कि समर्थन मूल्य पर जिले के 105 उपार्जन केन्द्रों में 01 लाख 05 हजार 485 पंजीकृत किसानों से धान खरीदी की जाएगी।

जिले के किसान सामर्थ्य अनुसार कर रहे हैं खेतों में धान कटाई

सारंगढ़ बिलाईगढ़। छत्तीसगढ़ के सभी जिले के सेवा सहकारी समिति में धान खरीदी केन्द्र 01 नवंबर 2023 से खोले गए हैं। वर्तमान में धान कटाई का दौर शुरू हो चुका है। किसान अपने सामर्थ्य अनुसार स्वयं या मजदूरों से या सीधा खेत में धान काटने की मशीन से धान काट रहे हैं। क्षेत्र के खेतों में अभी भी धान पक रहे हैं, कटाई पूरा नहीं हो पाया है। ऐसे में अंचल के सभी किसानों के धान कटाई से लेकर खरीदी केन्द्र तक पहुंचने का अनुमान लगाया जाए तो कम से कम 5 दिसंबर 2023 के बाद ही धान का आवक पर्याप्त मात्रा में किसान लेकर आएंगे। सारंगढ़ विकासखंड के ग्राम रेड़ा के किसान चंपालाल सिदार आज भी ट्रैक्टर, हार्वेस्टर आदि के स्थान पर बैलों के सहारे खेती कर रहे हैं।

देशहित में सर्वोच्च त्याग एवं बलिदान के लिए याद किया जाएगा इंदिरा गांधी को

कांग्रेस ने मनायी पूर्व प्रधान मंत्री इंदिरा गांधी की जयंती

पायनियर संवाददाता ◄ कोरबा
www.dailypioneer.com

भारत की पूर्व प्रधानमंत्री प्रियदर्शिनी स्व. इंदिरा गांधी जी की 106वीं जयंती जिला कांग्रेस कार्यालय टी पी नगर कोरबा में आयोजित की गई। इस मौके पर स्व. इंदिरा जी के व्यक्तित्व पर प्रकाश डालते हुये जिला कांग्रेस अध्यक्ष सुरेन्द्र प्रताप जायसवाल ने बताया कि श्रीमती इंदिरा गांधी जी के दृढ़ निश्चय, साहसपूर्ण पहल और देशहित में सर्वोच्च त्याग एवं बलिदान के लिए उन्हें याद किया जाएगा। उनके द्वारा प्रारम्भ किया गया 20 सूत्रीय कार्यक्रम का मुख्य ध्येय गरीब वर्ग के लोगों के जीवन स्तर में सुधार अत्यंत जनहितकारी पहल साबित हुआ। जिला कांग्रेस उपाध्यक्ष राजेन्द्र सिंह ठाकुर ने कहा कि स्व. इंदिरा गांधी जी द्वारा देश की सर्वांगीण उन्नति, विकास, खुशहाली और देश की एकता एवं अखंडता बनाए रखने के लिए उन आदर्शों की रक्षा के लिए तथा दुनिया में भारत को गौरवपूर्ण स्थान दिलाने के लिए अपनी पूरी शक्ति लगा दी। इन्ही आदर्शो पर हमारे गणतंत्र की एकता एवं अखण्डता टिकी हुई है। जिला कांग्रेस के कार्यकारिणी सदस्य रामकृष्ण साहू ने कहा कि विश्व भर में लौह महिला कहलाई जाने वाली, दृढ निश्चय, साहस व अद्भुत क्षमता वाली, भारत की प्रथम व एक मात्र महिला प्रधानमंत्री, श्रीमती इंदिरा गांधी जी की जयंती पर उन्हें शत शत नमन, अपनी प्रतिभा व राजनीतिक दृढ़ता के लिए विश्वराजनीति के इतिहास में इंदिरा जी का नाम सदैव याद रखा जाएगा। जिला कांग्रेस कार्यालय महामंत्री एवं प्रवक्ता सुरेश कुमार अग्रवाल ने अपने उद्बोधन में कहा कि इंदिरा गांधी बीसवीं सदी के महानतम नेताओं में से थी उन्होंने संकटपूर्ण स्थितियों में देश का सफल नेतृत्व करके साहसी कदम उठाये। उन्होने कहा कि इंदिरा जी के योगदान को उद्बोधन के माध्यम से बता पाना संभव नहीं है। इस मौके पर त्रिवेणी मिरी, लखन साहू, बंशी बरेठ, योगेन्द्र श्रीवास, भुवन यादव ने भी प्रियदर्शनी इंदिरा गांधी को याद करते हुए उनकी जीवनी पर प्रकाश डाला। इस मौके पर इंदिरा जी की तैल चित्र पर माल्यार्पण व पुष्प अर्पित कर उन्हे नमन किया।

SURYODAY
A BANK OF SMILES
सूर्योदय स्माल फाइनैंस बैंक लिमिटेड
पंजी. एवं कार्पो. कार्यालय : 1101, शारदा टेरेसेज, प्लॉट 65, सेक्टर–11, सीबीडी बेलापुर, नवी मुंबई – 400614. सीआईएन : L65923MH2008PLC261472

वित्तीय आस्तियों का प्रतिभूतिकरण और पुनर्निर्माण तथा प्रतिभूति हित प्रवर्तन अधिनियम, 2002 की धारा 13 (2) के अधीन

जबकि, अधोहस्ताक्षरी ने मैसर्स सूर्योदय स्मॉल फाइनैंस बैंक लिमिटेड ("एसएसएफबीएल") के प्राधिकृत अधिकारी के रूप में, वित्तीय आस्तियों का प्रतिभूतिकरण और पुनर्निर्माण तथा प्रतिभूति हित प्रवर्तन अधिनियम, 2002 के तहत और प्रतिभूति हित (प्रवर्तन) नियमावली, 2002 के नियम 3 के साथ पठित धारा 13(12) के तहत प्राप्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, उक्त अधिनियम की धारा 13(2) के तहत मांग सूचना(एं) जारी की थीं, जिनमें निम्नलिखित कर्जदार(रों), सह–कर्जदार(रों), गारंटर(रों) से उनकी तरफ सम्पूर्ण बकाया राशि का भुगतान अद्यतन ब्याज, लागत और प्रभारों के साथ कर कम्पनी के प्रति उनकी पूर्ण देयता का निर्वहन जारी की गई संबंधित सूचनाओं और आपको सूचना देने के वैकल्पिक रूप में नीचे दिए अनुसार सूचना प्रकाशित करने की तिथि से 60 दिन के भीतर करने की मांग की गई थी। उक्त कर्जदार(रों), सह–कर्जदार(रों), गारंटर(रों) द्वारा ऋण के सम्यक् प्रतिभुगतान के लिए निम्नलिखित आस्तियां एसएसएफबीएल के पास बंधक रखी गई हैं।

क्र. सं.	कर्जदार/सह–कर्जदार/गारंटर का नाम	मांग सूचना की तिथि	एनपीए की तिथि	कुल बकाया राशि रू. में
1	एलएएन नंबर 227000002917 तथा 227000003327 1) श्री सेख रहमुद्दीन, 2) श्रीमती किशवर जहां कुरेशी	13–11–2023	03–11–2023	रू. 34,61,702.97/– 13–11–2023 तक
	प्रतिभूत आस्ति(यों)/अचल सम्पत्ति(यों) का वर्णन : सम्पत्ति के सभी अंश एवं खंड : सम्पत्ति सं. 1 : पुराना खाता नंबर 201/88 तथा नया खाता नंबर 201/97, क्षेत्रफल 700 वर्ग फीट, स्थित मठपुरेना, पी.सी. नंबर 105/61, आरआईसी– रायपुर–1, वार्ड नंबर 52, चंद्र शेखर आजाद वार्ड, रायपुर, जिला रायपुर, छत्तीसगढ़ चौहद्दी : अनिल नचरानी की भूमि, पश्चिम : रोड, उत्तर : मोइनुद्दीन की भूमि, दक्षिण : शाद खान की भूमि और सम्पत्ति के सभी अंश एवं खंड : सम्पत्ति सं. 2 : पुराना खाता नंबर 201/88 तथा नया खाता नंबर 201/104, क्षेत्रफल 700 वर्ग फीट, स्थित मठपुरेना, पी.सी. नंबर 105/61, आरआईसी– रायपुर–1, वार्ड नंबर 52, चंद्र शेखर आजाद वार्ड, रायपुर, जिला रायपुर, छत्तीसगढ़ चौहद्दी : अनिल नचरानी की भूमि, पश्चिम : रोड, उत्तर : तनूजा बेगम की भूमि, दक्षिण : नूरूल की भूमि			

यदि उक्त कर्जदार, सह–कर्जदार एवं गारंटर एसएसएफबीएल को उपरोक्तानुसार भुगतान करने में असफल रहते हैं, तो एसएसएफबीएल उपरिवर्णित प्रतिभूत आस्ति का कब्जा लेने और ऐसी अन्य कार्यवाही करने का अधिकारी होगा, जो कम्पनी के लिए कानून में उपलब्ध है तथा ऐसी कार्यवाही पूर्णतया कर्जदारों के जोखिम, लागत तथा परिणामों पर होगी।

उक्त कर्जदार, सह–कर्जदार एवं गारंटर सरफासी ऐक्ट की धारा 13 की उप–धारा (13) के तहत उपरोक्त प्रतिभूत आस्ति(यों) का हस्तांतरण बिक्री, पट्टा अथवा अन्य प्रकार से एसएसएफबीएल की पूर्व सहमति के बिना नहीं कर सकते हैं।

स्थान : मठपुरेना, जिला रायपुर, छत्तीसगढ़, तिथि : 21–11–2023 हस्ता./–, प्राधिकृत अधिकारी, वास्ते सूर्योदय स्माल फाइनैंस बैंक लिमिटेड

हिमालयी क्षेत्र विकास परियोजनायें

हिमालयी क्षेत्र में 'भारी' विकास परियोजनाओं पर सवाल उठ रहे हैं। प्रकृति ने बार-बार संकेत दिए हैं कि हिमालय की परिस्थितिकी बहुत संवेदनशील है। लेकिन हिमाचल प्रदेश, सिक्किम व उत्तराखंड में पहले सामने आई चेतावनियों से हमने कोई सबक नहीं सीखा और प्रकृति के साथ छेड़छाड़ जारी है। अब उत्तरकाशी में 40 निर्माण कर्मियों की जान एक धंसी सुरंग में फंस गई है, हालांकि मलबा हटाने के लिए भारी मशीनें लगाई गई हैं। यह निर्माण कार्य 'चार धाम' यात्रा सहज बनाने के लिए हो रहा था जहां लाखों तीर्थयात्री हर साल जाते हैं। लेकिन ऐसी परियोजनाओं का संवेदनशील परिस्थितिकी पर प्रभाव बहुत विवाद का विषय है। ग्लोशियरों के पिघलने से अचानक आने वाली बाढ़ों तथा भारी बरसात के कारण भूस्खलन के मामले बढ़ने से पर्यावरणविदों व अदालत द्वारा नियुक्त विशेषज्ञों में चिन्ता फैल गई है। उत्तराखंड में तनाव बढ़ रहा है क्योंकि कर्मियों के परिवार और सहयोगी तेज कार्रवाई के लिए आंदोलन कर रहे हैं। रविवार से कर्मी सुरंग के प्रवेश से 500 फीट दूर फंसे हैं और वे पाइपों से भेजे जाने वाले भोजन, पानी और आक्सीजन पर जीवित हैं। ड्रिलिंग उपकरणों और एक्सकैवेटरों के प्रयोग से किए जाने वाले बचाव प्रयास छोड़ने पड़े हैं क्योंकि भारी मशीनों के प्रयोग से और मलबा गिरने लगा जिससे बचाव कर्मी घायल हो गए। अधिकारियों ने अब ज्यादा संवेदनशील मशीनें काम में लगाई हैं जो मलबे से होकर ड्रिलिंग कर सकती हैं। योजना में स्टील पाइपों के माध्यम से एक रास्ता बनाना शामिल है ताकि कर्मी बिना गिरते मलबे की चिन्ता किए बाहर निकल सकें।

अंतरराष्ट्रीय विशेषज्ञों की सेवायें भी फंसे कर्मियों को निकालने के लिए ली जा रही हैं। इनमें नार्वे का जियोटेक्निल इंस्टीट्यूट तथा थाईलैंड की कंपनी शामिल है जिसने 2018 में सुरंग में फंसे लोगों को निकाला था। हिमालयी राज्यों व खासकर उत्तराखंड ने बार-बार प्राकृतिक विभीषिकाओं का सामना किया है जिनमें भूकंप, भूस्खलन तथा ग्लेशियरों के कारण आने वाली बाढ़ें शामिल हैं। 1991 में उत्तरकाशी का भूकंप, 1998 में मालपा भूस्खलन, 1999 में चमोली भूकंप, 2021 में चमोली ग्लेशियर बाढ़ तथा 2013 में केदारनाथ की भयानक विनाशकारी बाढ़ इसके उदाहरण हैं। विनाश तथा मौतों के इस भयानक बार-बार आने वाले दुष्चक्र ने स्थानीय जनता को भ्रमित किया है। वे एक ओर 'विकास' के नाम पर आने वाली विशाल ढांचागत परियोजनाओं से आकर्षित हैं, पर दूसरी ओर इनके साथ आने वाली जलवायु-संबंधी विभीषिकाओं का खामियाजा भुगत रहे हैं। लगातार धंस रहा जोशीमठ एक गंभीर चेतावनी है। इसके बावजूद निर्माण व विनाश का दुष्चक्र मानव जीवन को भारी नुकसान पहुंचा रहा है। उत्तरकाशी में बचाव कर्मी अपना काम कर रहे हैं, पर इस घटना ने एक बार फिर कोई बड़ी परियोजना शुरू करने से पहले सावधानी से विचार करने की आवश्यकता उजागर की है। यह बात देश के सभी परिस्थितिकीय रूप से संवेदनशील क्षेत्रों पर लागू होती है जिनमें सुदूर क्षेत्रों में घने जंगल, पश्चिमी घाट और हिमालयी क्षेत्र शामिल हैं। हालांकि, वर्तमान प्राथमिकता सुरंग में फंसे कर्मियों को सुरक्षित बाहर निकालना है, पर विकास और पर्यावरण संरक्षण के बीच संतुलित विकास के महत्व को दूरगामी दृष्टिकोण से भी रेखांकित किया जाना चाहिए। हिमालय के निचले क्षेत्रों की संवेदनशील परिस्थितिकी पर समुचित ध्यान देने से ही स्थानीय जनता तथा पूरे क्षेत्र की बेहतरी सुनिश्चित की जा सकती है।

एनपीए से निपटने के प्रयास

मोदी सरकार ने लगातार बकायेदारों से भुगतान प्राप्त करने के साथ ही यह सुनिश्चित करने के प्रयास किए हैं कि नए एनपीए का सृजन न होने पाए।

उत्तम गुप्ता
(लेखक, नीति विश्लेषक हैं)

भारतीय रिजर्व बैंक-आरबीआई ने एक आरटीआई के जवाब में सूचना दी है कि अनुसूचित वाणिज्यिक बैंको-एससीबी ने पिछले पांच साल में 10,57,000 करोड़ रुपये की गैर-निष्पादित परिसंपत्तियों-एनपीए को बट्टे खाते में डाला है। इसे बुरे या डूबने वाले कर्ज कहा जा सकता है। विपक्ष तथा देश की सबसे पुरानी पार्टी कांग्रेस अक्सर इसका प्रयोग मोदी की निन्दा करने के लिए करती है कि सरकार ने बड़े उद्योगपतियों व बिजनेसमैनों का इतना 'कर्ज माफ' कर दिया है। सवाल है कि क्या मोदी ने वास्तव में बड़े बिजनेसों का पक्ष लिया है? इसके लिए हमें दो मूल सवालों के जवाब खोजने होंगे। कोई कर्ज कब एनपीए हो जाता है? तथा बैंक इससे कैसे निपटते हैं? एक कर्ज खाता उस समय एनपीए हो जाता है जब इस पर ब्याज या मूलधन 90 दिनों से अधिक बकाया हो जाता है।

ऐसी स्थिति में कर्जदार को तीन अलग स्थितियों का सामना करना पड़ सकता है। पहला, बैंक अधिकारियों ने पूरी सावधानी के साथ परियोजना या उद्यम की जीवन्तता का अध्ययन किया हो जिसके लिए कर्ज दिया गया। उन्होंने क्या कर्जदारों की विश्वसनीयता का परीक्षण कर उसके द्वारा धन के प्रयोग, उद्यम के कामकाज, उसके मुनाफे तथा मुद्रा कमाने, आदि पर नजर रखी। ऐसे में कर्ज खाते के एनपीए में बदलने की संभावना न्यूनतम होती है। ऐसा कर्जदार के नियंत्रण से बाहर वाली परिस्थितियों जैसे कोविड वैश्विक महामारी आदि के कारण हो सकता है। दूसरा, अधिकारियों ने बिना समुचित सावधानियां बरते या परियोजना-उद्यम की जीवन्तता की जांच किए बिना कर्ज दे दिया हो तथा पैसें के उपयोग पर नजर रखने वाली व्यवस्थाओं का समुचित उपयोग न किया हो। ऐसे में कर्ज के एनपीए में बदलने की ज्यादा संभावना होती है। तीसरा, बैंक के सर्वोच्च अधिकारियों ने बुरे उद्देश्य से समुचित सतर्कता न बरती हो। सरल भाषा में कहें तो उन्होंने रिश्वत लेने के बदले कर्ज दे दिया हो। इस परिदृश्य में यह लगभग निश्चित होता है कि कर्ज एनपीए में बदल जाएगा क्योंकि इसे अदा न करने का इरादा पहले से ही पक्का होता है।

फरवरी, 2018 में संसद के बजट सत्र में राष्ट्रपति के संबोधन पर बहस का जवाब देते हुए प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने कहा था कि सत्तारूढ़ राजनीतिक अवस्थापना के निर्देश पर बैंकों द्वारा दिए कर्जों का भारी दुरुपयोग हुआ है, जबकि उसने कुछ खास उद्योगपतियों व बिजनेसमैनों का पक्ष लिया था। 2008-2014 के बीच 3500,000 करोड़ रुपये कर्ज दिए गए। इन कर्जों का बड़ा हिस्सा दूसरी व तीसरी श्रेणी में आते थे, अतः इनका एनपीए में बदलना लगभग निश्चित था। इसकी पुष्टि आरबीआई के डेटा से हुई। 2009-10 व 2015-16 के बीच नए एनपीए के आंकड़ों से भी इसकी पुष्टि होती है। 2009-10, 2011-12 और 2015-16 में नए एनपीए का सृजन उनके ओपनिंग बैलेंस की तुलना में अधिक था। 2010-11, 2012-13, 2013-14 व 2014-15 में ओपनिंग बैलेंस की तुलना में नया एनपीए कम से कम 90 प्रतिशत था। 2015-16 के बाद इस अनुपात में लगातार गिरावट आई और यह 2020-21 व 2021-22 में लगभग एक तिहाई था। सार्वजनिक क्षेत्र बैंकों-पीएसबी के मामले में इसका प्रभाव ज्यादा स्पष्ट था, हालांकि 2021-22 में यहां भी अनुपात गिर कर 22 प्रतिशत रह गया था। इससे स्पष्ट है कि मोदी सरकार के अंतर्गत बैंकों व खासकर पीएसबी ने कर्ज देने के मामले में बहुत सावधानी बरती जिसके परिणामस्वरूप एनपीए बहुत कम हुआ। 2008-2014 के बीच संप्रग सरकार तथा 2014 के बाद से मोदी सरकार के कार्यकाल में एक और अंतर सामने आया। संप्रग सरकार के दौरान बैंक एनपीए को विभिन्न तकनीकों, जैसे कर्जों की 'एवरग्रीनिंग' के आधार पर एनपीए को छिपाये रखते थे। इसका अर्थ है कि बैंक पुराना कर्ज अदा करने के लिए कर्जदार को और कर्ज दे देते थे। इस प्रकार कर्ज खाता सामान्य दिखता था। लेकिन मोदी सरकार के दौरान उनको अपनी बैलेंसशीट में एनपीए 'ईमानदारी' के साथ दिखाना पड़ता था। मोदी सरकार ने 2015 में आरबीआई से सभी एससीबी से असेट क्वालिटी रिव्यू-एक्यूआर करने को कहा ताकि एनपीए की पहचान की जा सके। इस प्रकार संप्रग सरकार के दौरान दिए कर्जों की असलियत उजागर हो गई। इसके परिणामस्वरूप 31 मार्च, 2018 को सकल एनपीए 1036,000 करोड़ रुपये तक पहुंच गया।

सवाल है कि बैंक एनपीए से कैसे निपटते हैं? आरबीआई के दिशानिर्देशों व व्यावहारिक एकाउंटिंग का प्रयोग करते हुए वे इन कर्जों को बट्टे खाते में डाल देते हैं। यह अनिवार्य आवश्यकता है क्योंकि इससे बैंक का सच्चा वित्तीय स्वास्थ्य प्रकट होता है। इसे कर्जमाफी नहीं कहा जा सकता है, जबकि विपक्षी पार्टियां तथा कांग्रेस जनता को यही बता रही हैं। बैंक बकायेदारों के खिलाफ कानूनी प्रक्रिया से वसूली का प्रयास करते रहते हैं। बैंकों द्वारा कर्ज वसूली प्रयासों में तेजी लाने के लिए 2016 में सरकार ने इन्साल्वेंसी एंड बैंकरप्टसी कोड-आईबीसी लागू किया जिसे सभी पहले के कानूनों पर वरीयता प्राप्त थी। 2017 में उसने बैंकिंग रेग्युलेशन एक्ट-बीआरए में संशोधन कर आरबीआई को उन बैंकों के खिलाफ कार्रवाई के अधिकार दे दिए जो स्वतः इस दिशा में सक्रिय नहीं थे। 12 फरवरी, 2018 को आरबीआई ने एक सर्कुलर जारी कर स्पष्ट किया कि यह काम कैसे किया जाना चाहिए। सरकार ने जानबूझ कर कर्ज न अदा करने वालों के खिलाफ काफी कठोर कदम उठाए। उनको बैंकों या अन्य वित्तीय संस्थाओं द्वारा अतिरिक्त सुविधायें देने पर प्रतिबंध लगा दिए गए तथा उनकी इकाई को अगले पांच साल के लिए नए वेंचर पेश करने पर भी रोक लगा दी। इसके साथ ही उनको तथा उनकी कंपनियों को पैसा एकत्र करने के लिए पूंजी बाजार में प्रवेश से भी प्रतिबंधित कर दिया गया। आईबीसी के अंतर्गत ऐसे प्रमोटर अपने उद्यम का नियंत्रण भी नहीं कर सकते थे। वित्त मंत्रालय द्वारा संसद में दी गई सूचना के अनुसार पिछले नौ साल में एससीबी ने लगभग 10,16,617 करोड़ रुपये की एनपीए वसूली की है। इसमें से केन्द्र सरकार ने पीएसबी को बजटीय समर्थन के रूप में 2016-2021 क बीच लगभग 300,000 करोड़ रुपये की सहायता दे दी। इसके साथ ही 2021-22 के बजट में उसने एनएआरसीएल द्वारा जारी सिक्यूरिटी प्राप्तियों-एसआर के लिए 200,000 करोड़ रुपये की संप्रभु गारंटी भी दी है जहां अधिकांश शेयर पीएसबी के हों।

इस प्रकार 500,000 करोड़ रुपये के सरकारी योगदान को अलग रख कर भी बैंकों ने बकायेदारों से 516,617 करोड़ रुपये की वसूली की है। यदि आईबीसी की इन्साल्वेंसी प्रक्रियाओं में न्यायिक बाधायें न आतीं तो यह वसूली और अधिक हो सकती थी। वर्तमान समय में नेशनल कंपनी ला ट्राइब्यूनल-एनसीएलटी के ऐसे निर्णयों पर नेशनल कंपनी ला अपीलेट ट्राइब्यूनल-एनसीएलएटी, उच्च न्यायालयों व सर्वोच्च न्यायालय में अपील की जा सकती है। इसके कारण विलंब होता है क्योंकि बड़े बकाएदार आमतौर से अपील कर देते हैं। इसके अलावा अप्रैल, 2019 में अनेक बकायेदारों की याचिकाओं पर सर्वोच्च न्यायालय ने 12 फरवरी, 2018 के आरबीआई सर्कुलर को असंवैधानिक घोषित कर दिया, जबकि यह बैंकिंग नियामक द्वारा चलाई जा रही इन्साल्वेंसी प्रक्रिया का मुख्य अंग था। इससे ऐसी स्थिति पैदा हो गई जहां वे एनपीए या उस पर ब्याज अदा करने के लिए मजबूर नहीं रह गए। इसके बावजूद आईबीसी ढांचे ने बकायेदारों के व्यवहार में मूलभूत परिवर्तन लाने में सफलता पाई है। बकायेदारों में फर्म पर नियंत्रण खोने का भय सबसे अधिक है। इसके कारण बड़ी संख्या में बकायेदारों ने भुगतान किया है। सरकार द्वारा पीएसबी में किए अनेक सुधारों ने उनको फौरन संकटग्रस्त परिसंपत्तियों की पहचान व बकाया वसूली के कठोर उपायों के लिए प्रेरित किया है। संक्षेप में कहें तो मोदी सरकार ने बकायेदार उद्योगपतियों व बिजनेसमैनों को राहत देने के बजाय उन पर कठोर शिकंजा कसा है। इससे उनको कर्ज का भुगतान करना मजबूरी बन गया है तथा किसी नए एनपीए का सृजन नहीं हो रहा है।

प्रकृति के साथ पवित्र संबंध

> **प्राचीन भारतीय ग्रंथों ने प्रकृति की पूजा को बढ़ावा देकर ब्रह्मांड में उपस्थित सभी जीवों व वनस्पतियों के बीच परस्पर निर्भरता पर जोर दिया है।**

स्वामी चरणाश्रत
(लेखक, आध्यात्मिक गुरु हैं)

भारत विविध संस्कृतियों और समृद्ध परंपराओं का देश है। भारत में रहने वाले सभी धर्मों व संस्कृतियों के लोगों का प्रकृति के साथ संबंध अनेक धर्मग्रंथों तथा सांस्कृतिक व्यवहारों पर आधारित है। भारत में लगभग सभी धर्मों के प्राचीन ग्रंथों में दिए उपदेश समय की सीमाओं को पार करने वाले हैं। भारतीय धर्म व दर्शन ने हमेशा प्रकृति से मनुष्यों की एकजुटता व अविभाज्यता का संदेश दिया है।

प्राचीन भारतीय ग्रंथों में अनेक धार्मिक व दार्शनिक पाठ शामिल हैं। वे सभी पर्यावरण के प्रति गंभीर चिन्ता प्रकट करते हुए मनुष्य व प्रकृति के बीच सामंजस्यपूर्ण संबंधों की पैरवी करते हैं। इस लेख में पर्यावरण चेतना तथा भारतीय प्राचीन ग्रंथों में वर्णित प्रकृति की प्रासांगिकता पर विचार किया गया है।

हिंदू धर्म के सबसे पुराने पवित्र ग्रंथ ऋग्वेद में प्रकृति का ईश्वरीय मूल स्वीकार किया गया है। इसके अनुसार, नदियां, पहाड़ और पेड़ पौधे पूजा करने योग्य देवताओं के समान हैं। ऋग्वेद की ऋचाओं में सभी जीवित वस्तुओं के परस्पर संबंध पर जोर दिया गया है। इसके साथ ही इनमें प्राकृतिक व्यवस्था संरक्षित करने का महत्व रेखांकित है।

वेदान्त दर्शन का मूल आधार माने जाने वाले उपनिषदों की त्रयी में स्वयं व ब्रह्मांड के बीच संबंधों पर गहराई से विचार किया गया है। उन्होंने 'ब्रह्म' की अवधारणा पर प्रकाश डालते हुए कहा है कि इसमें ब्रह्मांड की सभी चीजें निहित हैं। इस परस्पर निर्भरता वाले विश्व दृष्टिकोण से प्रकृति के प्रति जिम्मेदारी वाली भावना पैदा होती है तथा इसे ईश्वरीय सत्ता का विस्तार माना जाता है।

भारतीय महाकाव्य महाभारत के पवित्र अंश श्रीमद्भगवद्गीता में भगवान कृष्ण अर्जुन को आध्यात्मिक ज्ञान देते हैं। गीता में 'धर्म', अर्थात उचित कर्म पर जोर दिया गया है जिसमें पर्यावरण का संरक्षण व संवर्धन शामिल है। भगवान कृष्ण ने प्रकृति की पवित्रता को रेखांकित करते हुए कहा है कि व्यक्तियों को जिम्मेदारी के साथ व्यवहार करते हुए परिस्थितिकी के संवेदनशील संतुलन का सम्मान करना चाहिए।

प्राचीन भारतीय जैन धर्म ने अहिंसा तथा सभी जीवित वस्तुओं के प्रति सद्भावना का संदेश मानवजाति को दिया है। प्राचीन जैन ग्रंथों में ऐसी जीवनशैली की पैरोकारी की गई है जिससे प्रकृति को कम से कम नुकसान हो। इसमें शाकाहार और पर्यावरण संरक्षण को प्रोत्साहित किया गया है। जैन दर्शन में मनुष्यों, जीव जंतुओं तथा वनस्पतियों ककी परस्पर निर्भरता को केन्द्रीय स्थान देते हुए सभी जीवों के बीच भी परस्पर निर्भरता पर जोर दिया गया है। जैन धर्म की शिक्षायें समय की सीमाओं को पार करते हुए आज भी पर्यावरण संरक्षण, हिंसा व युद्ध की चुनौतियों को देखते हुए प्रासांगिक बनी हुई हैं।

भगवान बुद्ध-सिद्धार्थ गौतम की शिक्षाओं में पर्यावरणीय नैतिकता से जुड़ने को शामिल किया गया है। बौद्ध धर्म सम्यक विचार और जागरूकता पर जोर देते हुए व्यक्तियों को प्राकृतिक दुनिया से गहरे सबंध स्थापित करने का आह्वान करता है। बौद्ध धर्म में परस्पर निर्भरता या प्रतीत्वसमुत्पाद अस्तित्व वाले सभी तत्वों के बीच संवेदनशील संजाल की पहचान करते हुए पर्यावरण के प्रति जिम्मेदारी की भावना विकसित करने पर जोर दिया गया है।

हिंदू धर्म में अनेक उपासना पद्धतियों व कर्मकांडों के बीच प्रकृति पूजा पर जोर दिया गया है। प्राचीन काल से चले आ रहे और हमारी संस्कृति का अंग बन चुके अनेक हिंदू त्योहार व कर्मकांड प्रकृति पूजा पर केन्द्रित हैं। उदाहरणार्थ, नवरात्रि प्रकृति में नारीत्व ऊर्जा की उपस्थिति का उत्सव मनाता है। इसके साथ 'पृथ्वी पूजा' जैसे कर्मकांड पर्यावरण की पवित्रता प्रकट करते हैं। ये व्यवहार प्रासांगिकता व दायित्व की भावना पैदा करते हुए धरती के संरक्षण को प्रोत्साहित करने का संदेश मनुष्यों को देते हैं।

प्राचीन भारतीय ग्रंथों में प्रकृति के प्रति सरोकार केवल सांस्कृतिक या धार्मिक विश्वास न होकर एक गहन दर्शन है जो मनुष्यों और पर्यावरण के बीच अंतर्निहित संबंध रेखांकित करता है। इन ग्रंथों में समाहित प्राचीन विवेक एक ऐसा निर्देश देता है जो प्रकृति के साथ टिकाऊ व सामंजस्यपूर्ण संबंध के लिए जरूरी है। यह संदेश समय की सीमाओं को पार करते हुए आज भी प्रासांगिक बना हुआ है। आज दुनिया पर्यावरणीय चुनौतियों का सामना कर रही है, ऐसे में प्राचीन भारतीय ग्रंथों में निहित गहन अंतर्दृष्टि हमें उस पवित्र बंधन की याद दिलाती है जो सभी जीवों को इस धरती और पर्यावरण से जोड़ता तथा पर्यावरण संरक्षण पर जोर देता है।

आप की बात

आप की बात

इस कॉलम में अपने विचार या प्रतिक्रिया भेजने के लिए हमारे ई-मेल pioneer.editorial@gmail.com पर भी भेज सकते है।

www.dailypioneer.com

मोदी की चिन्ता

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने डीप फेक वीडियो को लेकर चिंता जाहिर करते हुए कहा है कि यह आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस का दुरुपयोग है। सोशल मीडिया से जुड़े हुए सभी लोगों को इस कारण सावधानी बरतनी होगी। जो लोग सेलेब्रिटीज़ के फेक वीडियो बना सकते हैं व उनको ट्रोल कर सकते हैं, वे आम लोगों को साइबर ठगी का माध्यम बड़ी आसानी से बना सकते हैं। कई ख्यातनाम व्यक्तियों को उनके फेक अश्लील वीडियो और भद्दे वीडियो प्रसारित कर निशाना बनाया गया है। इससे उनके व्यक्तित्व पर धब्बा लग सकता है। ऐसे लोग आम लोगों को भी वीडियो कॉल द्वारा बातचीत के बहाने उन्हीं का चेहरा लगाकर अश्लील वीडियो बनाकर उन्हें ब्लैकमेल करना शुरू कर देते हैं। विडंबना है कि कुछ लोग इसकी सत्यता जाने बिना इसे आगे फॉरवर्ड करते रहते हैं। आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस-एआई के माध्यम से कई तरह की साइबर ठगी और बैंक से अकाउंट खाली कर देने जैसी घटनाएं बढ़ती जा रही है। इसे देखते हुए अब लोगों को कुछ भी फारवर्ड करने के पहले अधिक सावधानी बरतनी चाहिए। सोशल मीडिया मंचों को भी एआई के दुरुपयोग से बचने के लिए उपयुक्त तकनीकी विशेषज्ञता प्राप्त कर उसका प्रयोग अविलंब शुरू करना चाहिए।

- विभूति बुपक्या, खाचरोद

रेलवे के प्रयास

अगले चार वर्षों में रेलवे द्वारा सभी यात्रियों को कंफर्म टिकट देने का लक्ष्य निर्धारित किया गया है जो कि सराहनीय है। लेकिन सत्य यह है कि वर्तमान आवश्यकता के अनुपात 50 प्रतिशत उपलब्धता भी नहीं है। नई रेल पटरिया बिछाने तथा नई रेले चलाने के साथ-साथ ट्रेनों में डिब्बो की संख्या डबल करके अधिक पावरफुल इंजन के साथ चलाने की योजना बनाई जाए। ट्रेनों की गति बढ़ाई जाए और वर्तमान रेलवे ट्रैक पर भी इतनी ट्रेने चलाई जाए कि ट्रैक लगातार प्रयोग में आता रहे। यदि ट्रैक के लगातार प्रयोग किए जाने की योजना पर अमल किया जाए तो वर्तमान से लगभग दो गुना अधिक ट्रेनें चलाई जा सकती है। हालांकि, इसके लिए ढांचागत प्रबंधन तथा उसका नियमित परीक्षण मजबूती से करना होगा। सरकार वंदे मातरम ट्रेने चलाने के चक्कर में छोटे स्टेशन से यात्रा करने वालों के लिए लोकल ट्रेनें चलाने पर कतई ध्यान नहीं दे रही है। इससे थोड़ी दूरी की यात्रा करने वाले लोग बहुत कष्ट झेलने को मजबूर है। एक्सप्रेस ट्रेनों के साथ-साथ पर्याप्त संख्या में लोकल ट्रेन में भी चलाई जाना चाहिए। अधिक ट्रेनों की उपलब्धता से लोग निजी वाहनों का प्रयोग नहीं करेंगे जिससे पर्यावरण संरक्षण होगा।

- सुभाष बुड़ावन वाला, रतलाम

कोरोना का असर

कहने को अब कोरोना काल का भयावह दौर समाप्त हो गया है, मगर उसका असर व उसका दुष्प्रभाव जारी है। पहले ही अनुमान लगाया गया था कि लंबे समय तक हमारे स्वास्थ्य, हमारी अर्थव्यवस्था व हमारे रोजमर्रा के जीवन पर इसका असर बना रहेगा। केंद्र सरकार ने स्वीकार किया है कि जिन्हे भी कोरोना हो चुका है उन्हें भारी परिश्रम नहीं करना चाहिए। शायद इसके कारण ही कम उम्र के लोगों में भी दिल का दौरा ज्यादा देखने को मिल रहा है। इसके साथ ही अर्थव्यवस्था, कल कारखानों एवं रोजगार में गिरावट के नए आंकड़ों के अनुसार पिछले दो साल में 40 हज़ार से अधिक छोटी मैन्युफैक्चरिंग कंपनियां बंद हो गयीं हैं। कोरोना से पहले 8 लाख 16 हज़ार 21 कंपनियों ने टैक्स भुगतान किया था, मगर कोरोना के बाद 2021-22 में सिर्फ7 लाख 15 हज़ार 846 लिस्टेड कंपनियों ने ही टैक्स का भुगतान किया। सरकार को संसद के अगले सत्र में देश की जनता के स्वास्थ्य तथा अर्थव्यवस्था पर कोरोना के असर के बारे में जानकारी देते हुए बताना चाहिए कि इसका कितना असर अभी बचा हुआ है और इससे निपटने के क्या प्रयास हो रहे हैं।

- जंग बहादुर सिंह, जमशेदपुर

परिवहन की लचर व्यवस्था के चलते कई धान खरीदी केंद्रों में धान हुआ डंप

पायनियर संवाददाता ‹ बेमेतरा
www.dailypioneer.com

धान खरीदी केंद्रों में समय पर धान का परिवहन नहीं होने से कई धान खरीदी केंद्रों में धान जाम पड़ा हुआ है। यदि यही स्थिति रही तो आने वाले समय में कई धान खरीदी केंद्रों में धान खरीदी का काम बंद हो सकता है बता दें कि बेमेतरा जिले के सभी 129 केंद्रों में धान की खरीदी शुरू हो गई है। अभी तक बेमेतरा जिले में 5 लाख 44 हजार किवंटल धान की खरीदी हो चुकी है। स्थानीय स्तर पर अब तक धान का परिवहन 7561 क्विंटल का हो पाया है। लगातार 20 दिनों से खरीदी केंद्रों में किसान धान बिक्री करने पहुंच रहे हैं। जिला सहकारी केंद्रीय बैंक के नोडल अधिकारी चिंताराम रावटे ने बताया कि दो-तीन दिनों के अंतराल में किसानों को भुगतान भी हो रहा है। परिवहन समय पर नहीं होने के कारण धान खरीदी केंद्रों में धान जाम होने लगा है । धान की कटाई अधिक होने से खरीदी केंद्रों में बड़ी संख्या में किसान धान बेचने के लिए लगातार पहुंच रहे हैं। 20 नवंबर को 1 लाख 48404 क्विंटल धान 2955 किसानों ने टोकन प्राप्त कर बिक्री किए आगामी दिनों में धान खरीदी बढ़ने से परिवहन में समस्या आने से तौल प्रभावित होने का अनुमान है। लगातार की आवक को देखते हुए खरीदी केंद्रों में समय पर परिवहन नहीं होने से स्टॉक लगातार बढ़ते जा रहा है। शुरुआती दौर में खरीदी में सीमेंट के बनाए गए चबूतरे के अलावा धान भूसी से बने स्टेक में धान का स्टॉक रखा जा रहा है। लेकिन परिवहन इसी तरह लचर रहा तो खरीदी केंद्रों में किसानों के साथ ही साथ कई तरह की समस्याओं से जूझना पड़ेगा।

20 खरीदी केंद्रो में अब तक हुआ सर्वाधिक धान की खरीदी

नोडल कार्यालय से प्राप्त जानकारी के अनुसार 20 दिनों में सेवा सहकारी समितियो अंधियारखोर में 7860 क्विंटल, इसी तरह धान खरीदी केंद्र कुरदा में 77789 क्विंटल, धान खरीदी केंद्र हसदा में 7779, चदनू धान खरीदी केंद्र में 7528 किवंटल, नवागढ़ धान खरीदी केंद्र में 7460 क्विंटल, मऊ धान खरीदी केंद्र में 7164 किवंटल, बिटकुली धान खरीदी केंद्र में 8770 क्विंटल, दाढ़ी धान खरीदी केंद्र में 8325 क्विंटल, कंतेली धान खरीदी केंद्र में 12172 क्विंटल, पेंड्री तराई धान खरीदी केंद्र में 11532 क्विंटल, कटई धान खरीदी केंद्र में 1133 क्विंटल, झाल धान खरीदी केंद्र में 9491 क्विंटल एवं धान खरीदी केंद्र कुसमी में 9213 क्विंटल धान जाम पड़ा हुआ है।

देर से पकाने वाले धान की कटाई जोरों पर

दीपावली त्यौहार के बाद से देर से पकाने वाले सरना धान की कटाई बड़ी तेजी से होने लगा है लगातार मौसम के बदलने के बाद से किसान खेतों में ही हार्वेस्टर के माध्यम से धान की कटाई कर सुखाने के बाद बिक्री करने के लिए अपने-अपने समितियों में पहुंचने लगे हैं। पिछले लगभग एक सप्ताह से अंचल में आंशिक बदली के चलते धान कटाई का कार्य जोरों पर हो रहा है। जिला प्रशासन के द्वारा धान का परिवहन स्थानीय राइस मिलों को कराया जा रहा है। जिसमें अभी तक 7561 किवंटल ही धान का परिवहन हो पाया है जबकि धान खरीदी का कार्य एक नवंबर से पूरे जिले में शुरू हुआ था जिला सहकारी केंद्रीय बैंक के नोडल अधिकारी चिंताराम रावटे ने बताया कि जिले के सभी 129 खरीदी केंद्रों में सुचारू रूप से धान की खरीदी शुरू हो चुकी है अब केवल धान के परिवहन को लेकर केंद्र में समस्या आने लगा है फ्लिहाल समितियो के फंड में स्टेक किया गया है।

डीईओ मिश्रा ने लापरवाही बरतने वाले शिक्षकों को कारण बताओ नोटिस जारी किया

पायनियर संवाददाता ‹ बेमेतरा
www.dailypioneer.com

बेमेतरा जिला के डीईओ अरविंद मिश्रा ने लव प्रवाहित बरतने वाले शिक्षकों से ही अन्य को कारण बताओ नोटिस जारी किया है इस संबंध में जानकारी के अनुसार जिला शिक्षा अधिकारी अरविन्द कुमार मिश्रा द्वारा 20 नवम्बर 2023 को विकासखण्ड बेरला के शासकीय पूर्व माध्यमिक शाला एवं उच्चतर माध्यमिक विद्यालय भिलौरी, प्राथमिक, पूर्व माध्यमिक एवं हाई स्कूल लावातरा, प्राथमिक शाला सुरजपुरा डीह, पूर्व माध्यमिक शाला तारालीम, उच्चतर माध्यमिक विद्यालय लेंजवारा एवं उच्चतर माध्यमिक विद्यालय सरदा का निरीक्षण किया गया। पूर्व माध्यमिक शाला भिलौरी में निरीक्षण के दौरान मध्यान्ह भोजन बनाने में स्वच्छता का अभाव पाया गया। डीईओ मिश्रा ने समूह को इस संबंध में नोटिश जारी करने के निर्देश दिए। शासकीय हाई स्कूल भिलौरी के निरीक्षण के दौरान पाया गया कि विद्यालय में प्रायोगिक कार्य हेतु जारी निर्देश का पालन नहीं किया गया बच्चों से पूछे जाने पर बताया गया कि विषय शिक्षक द्वारा कोई भी प्रायोगिक कार्य नहीं कराया गया है। विद्यालय में गणित एवं भौतिक विषय के शिक्षक कार्यरत हैं फ्रि भी रसायन विषय का अध्यापन कार्य प्रारंभ नहीं किया गया है। हाई स्कूल लावातरा में भी प्रायोगिक कार्य निर्धारित पाठ्यक्रम तक नहीं कराया गया। शासकीय पूर्व माध्यमिक शाला लावातरा के प्रधान पाठक निरीक्षण के दौरान बिना किसी सूचना के अनुपस्थित पाए गए।

शासकीय प्राथमिक शाला सुरजपुरा डीह में डीईओ मिश्रा ने मध्यान्ह भोजन का निरीक्षण किया उन्होंने पाया कि भोजन में चावल और आलू, सोयाबीन बड़ी की सब्जी परोसी गई थी। दाल नहीं परोसा गया था। मध्यान्ह भोजन संचालन समूह की जानकारी लेने पर बताया गया कि मध्यान्ह भोजन का संचालन शाला प्रबंधन समिति द्वारा ही किया जा रहा है। डीईओ मिश्रा ने मध्यान्ह भोजन में निर्धारित मीनू का पालन नहीं किए जाने के लिए प्रधान पाठक कुलंजन कुमार कुर्रे को कारण बताओ नोटिस जारी करने हेतु निर्देशित किया।

पूर्व माध्यमिक शाला तारालीम में 01 शिक्षक अशोक ठाकुर 05 अगस्त 2023 से अनुपस्थित पाए गए। संबंधित शिक्षक के विरुद्ध अनाधिकृत लम्बी अनुपस्थिति के लिए अनुशासनात्मक कार्यवाही प्रस्तावित करने के निर्देश दिए गए। शासकीय उच्चतर माध्यमिक विद्यालय लेंजवारा के निरीक्षण के दौरान डीईओ मिश्रा ने प्रायोगिक कार्य के संबंध में बच्चों एवं संबंधित शिक्षक से जानकारी ली। प्रायोगिक कार्य निर्धारित पाठ्यक्रम अनुसार होना नहीं पाया गया। डीईओ मिश्रा ने इस संबंध में संबंधित शिक्षक एवं विद्यालय के प्रभारी को कारण बताओ सूचना जारी करने हेतु निर्देशित किया। विद्यालय के पाठकान पंजी के अवलोकन पर पाया गया कि श्वेता साहू व्याख्याता 03.11.2023, संतोष वर्मा स.शि. 03.11.2023, निर्मला अनंत व्याख्याता 10.11.2023, वाय विजय लक्ष्मी व्याख्याता 10.11.2023 द्वारा अर्धदिवसीय आकस्मिक अवकाश की प्रविष्टि नहीं की गई इस संबंध में संबंधित शिक्षकों एवं विद्यालय के प्राचार्य को कारण बताओ सूचना जारी करने के निर्देश डी.ई.ओ. मिश्रा द्वारा दिए गए।

स्वतंत्र, निष्पक्ष, शान्ति पूर्ण एवं पारदर्शिता के साथ विधानसभा चुनाव कराने मे अधिकारी-कर्मचारियों की अहम भूमिका

पायनियर संवाददाता ‹ बेमेतरा
www.dailypioneer.com

विधानसभा निर्वाचन के लिये आदर्श आचार सहिता लगने के बाद बेमेतरा जिले में भारत निर्वाचन आयोग के दिशा निर्देश पर स्वतंत्र, निष्पक्ष, शान्ति पूर्ण एवं पारदर्शिता के साथ निर्वाचन कार्य संपादित करने के लिए स्स्ज्ञ एवं स्व्रस्ज्ञ निगरानी टीम का गठन किया गया है। विधान सभा चुनाव के लिये आदर्श आचार सहिता लगने के बाद स्थानीय स्तर पर तैयारी की गई है। बेमेतरा जिले में बेमेतरा पुलिस की कड़ाई और लगातार पेट्रोलिंग की वजह से जिले में चुनाव के दिन एक भी वाद-विवाद की एफ्आईआर दर्ज के लिए नहीं मिली शिकायत। आदर्श आचार संहिता के दौरान अब तक 779 प्रकरण में 1,442 लोगों पर प्रतिबंधात्मक कार्यवाही, मोटर व्हीक्ल एक्ट के तहत 2,319 वाहन चालकों के विरूद्ध चालानी कार्यवाही कर 9,86,200/- रूपये समन शुल्क लिया गया। 142 वारंट की तामिली, 241.685 लीटर अवैध शराब कीमती करीबन 1 लाख 19 हजार पांच सौ तीस रूपये, 14.191 किलोग्राम कीमती लगभग 2 लाख 700 रूपये और पुलिस व निर्वाचन टीमों द्वारा नगदी 8,64,400/- रूपये एवं 69,67,742/- रूपये कीमती साडी, वाहन व अन्य सामाग्री की जप्ती। जिले में विधानसभा चुनाव स्वतंत्र, निष्पक्ष, शान्ति पूर्ण एवं पारदर्शिता के साथ निर्वाचन कार्य संपन्न कराने में पुलिस कर्मियों और केन्द्रीय सुरक्षा फोर्स (सीएपीएफ) के जवानों एवं अन्य चुनाव कार्य में लगे टीम की प्रमुख भूमिका रही। पुलिस अधीक्षक भावना गुप्ता (भा.पु.से.) के निर्देश पर अब तक आदर्श आचार संहिता के दौरान 1,442 लोगों पर प्रतिबंधात्मक कार्यवाही हुई। इन प्रतिबंधात्मक कार्यवाही से असामाजिक तत्वों और गड़बड़ी करने वाले लोगों में एक कड़ा संदेश गया कि निर्वाचन प्रक्रियाओं में अगर वह बदमाशी करते हैं, तो उनसे सख्ती से निपटा जायेगा। निर्वाचन के एक दिन पूर्व तक असामाजिक तत्वों व गुंडा बदमाशों की कड़ी निगरानी की गई और आदर्श आचार संहिता दौरान 142 वारंटी एवं इसके पूर्व माह जून से 506 वारंटीयों कुल 648 वारंटीयों को आपरेश ईगल अभियान चलाकर प्रदेश के अलग-अलग जिलों और दूसरे प्रदेशों से भी लाकर माननीय न्यायालय में पेश किया गया।

बेरला में भगवान सहस्त्र बाहु की निकाली गई कलश यात्रा

पायनियर संवाददाता ‹ बेमेतरा
www.dailypioneer.com

नगर बेरला में भगवान सहस्त्र बाहु जयंती धूम धाम के साथ मनाया गया। पर्व को लेकर कलार समाज में काफी उत्साह देखने को मिला कार्यक्रम का शुभारंभ भगवान सत्य नारायन की पूजा अर्चना के साथ प्रारंभ हुआ। तत्पश्चात विशाल कलश यात्रा मंदिर परिसर से नगर भ्रमण के लिए निकला जहा समाज के अलावा अन्य समाज के आम नागरिकों ने भगवान की दर्शन कर फूल माला अर्पण किए कार्य क्रम में बेरला मंडल के स्वजातीय जनो ने बड़चड़कर हिस्सा लिया। नगर भ्रमण के पश्चात महा भोग भंडारा प्रसादी वितरण का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में सभी वरिष्ठ वर्तमान एवम पूर्व पदाधिकारियों का स्वागत सम्मान किया गया तत्पश्चात अपने उद्बोधन में मंडलेश्वर डा. ईश्वर सिन्हा ने भगवान सहस्त्र बाहु के जीवन चरित्र पर प्रकाश डाला इसके अलावा पूर्व प्रदेश कोषाध्यक्ष डामन सिन्हा, पुसऊ राम सिन्हा प्रदेश उपाध्यक्ष, रघुवीर सिन्हा गायत्री सिन्हा के अलावा प्रदेश उपाध्यक्ष देवलाल सिन्हा ने भी सभा को संबोधित किया। उन्होंने अपने उद्बोधन में समाज के संस्कृतिक उत्थान के लिए इस प्रकार का आयोजन प्रत्येक ग्रामीण स्तर में करने का आह्वान किया तथा समाज में नारी सशक्तिकरण पर प्रकाश डाला कार्यक्रम का संचालन पुसऊ राम सिन्हा ने किया। अंत में आभार ग्राम प्रमुख राम सिन्हा ने किया कार्यक्रम में मुख्य रूप से मंडल के सनरछक मदन सिन्हा, जिला अध्यक्ष युवा मंच शिव झड़ी सिन्हा, धर्मशाला अध्यक्ष राघव सिन्हा, राजू सिन्हा, अनुज सिन्हा, कामता सिन्हा, मनोज सिन्हा, संतोष सिंहा, छगन सिन्हा, ईनदल सिन्हा, जोहतरी सिन्हा, रामनाथ सिन्हा, मोहन सिंहा, प्रकाश सिन्हा, खुमान सिन्हा, बिसाहू सिन्हा, विजय सिन्हा, खेड़ू सिन्हा, बलीराम सिन्हा, विनोद सिन्हा, पुष्पा सिन्हा, कौशल्या सिन्हा, खिलेश्वरी सिन्हा, ज्योति सिन्हा, वीना सिन्हा, शांति सिन्हा, लीला सिन्हा, दीपा सिन्हा उर्वशी सिन्हा घनश्याम सिंहा सहित बड़े संख्या में नारी शक्ति उपस्थित थे।

उदीयमान सूर्य को अर्घ्य देकर महापर्व छठ व्रत हुआ संपन्न

पायनियर संवाददाता ‹ कुम्हारी
www.dailypioneer.com

सम्पूर्ण भारत वर्ष में पूर्ण श्रद्धा भक्ति भाव से भगवान सूर्यदेव की उपासना किए जाने वाले महापर्व छठ पर व्रतियों ने उदित नारायण को प्रातः अर्घ्य समर्पित कर इस व्रत को सम्पन्न किया। मुख्य रूप से बिहार, उत्तर प्रदेश, झारखण्ड में वृहद स्तर पर मनाए जाने वाले महापर्व छठ पूजा भारत ही नहीं वरन संपूर्ण विश्व में जहां भी इन प्रदेशों के वासी हैं वहां पर यह पर्व मनाया जाता है। अपने पति और बच्चों की उन्नति, सुख, समृद्धि की कामना पूर्ण करने हेतु निर्जला उपवास रखकर किए गए चार दिन के इस कठिन व्रत का समापन प्रातः कालीन उदित होते हुए सूर्य को अर्घ्य देकर किया, तत्पश्चात व्रतियों द्वारा पारण किया गया।

इस शुभ अवसर पर दुर्ग जिला भाजपा अध्यक्ष जितेंद्र वर्मा ने बड़े तरिया के छठ घाट पहुंचे। समस्त भारतीय नागरिकों को सूर्योपासना के महापर्व छठ पूजा की हार्दिक शुभकामनाएं देते हुए कहा कि राजनीति से परे इस धार्मिक पर्व में प्रदेश की जनता स्वस्थ हो, सभी की सुख समृद्धि में वृद्धि हो ऐसी मंगलकामना करता हूं।

औचक निरीक्षण में 150 नदारत

पायनियर संवाददाता ‹ भिलाईनगर
www.dailypioneer.com

विधानसभा निर्वाचन का मतदान संपन्न होने के बाद निगम में जनहित के कार्यो को पटरी पर लाने हेतु आयुक्त के निर्देश पर अपर आयुक्त ने निगम मुख्यालय के सभी विभागों का औचक निरीक्षण कर विभाग प्रमुख एवं कर्मचारियों की उपस्थिति की जॉच किये तो 150 अधिकारी एवं कर्मचारी अपने विभाग में अनुपस्थित पाये गये। आयुक्त रोहित व्यास ने चुनाव का मतदान संपन्न होने के बाद अधिकारी कर्मचारी अपने कार्य पर मुस्तैद रह कर जनहित के कार्यो को गति प्रदान करे, इस उददेश्य को लेकर अपर आयुक्त अशोक द्विवेदी को निगम मुख्य कार्यालय सुपेला के सभी विभागों का अवलोकन कर अधिकारी एवं कर्मचारियों की कार्यालयीन समय 10 बजे उपस्थिति की जॉच किये जाने के निर्देश दिये गये थे, जॉच में विभाग प्रमुख सहित 150 अधिकारी कर्मचारी अपने विभाग में अनुपस्थित रहे। अपर आयुक्त द्विवेदी ने डाटा सेंटर को सभी अधिकारी एवं कर्मचारियों का निष्ठा एप्प में जॉच कर देर से आने वाले अधिकारी एवं कर्मचारियों की सूची तैयार कर आयुक्त के समक्ष प्रस्तुत करने को कहा है, उसी प्रकार स्थापना अधीक्षक को उपस्थिति पंजी की जॉच कर अनुपस्थित रहने वालो को नोटिस दिये जाने का निर्देश दिये है।

मोटर व्हीकल एक्ट के तहत 9 वाहन चालक पर की गई कार्यवाही

पायनियर संवाददाता ‹ बेमेतरा
www.dailypioneer.com

पुलिस अधीक्षक भावना गुप्ता (भा.पु.से.) के निर्देशन एवं अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक पंकज पटेल, एसडीओपी बेमेतरा मनोज तिर्की, एसडीओपी बेरला तेजराम पटेल, डीएसपी राजेश कुमार झा, डीएसपी कमल नारायण शर्मा, डीएसपी कौशिल्या साहू के मार्गदर्शन में बेमेतरा पुलिस द्वारा अवैध शराब, गांजा, नशीली पदार्थो, प्रतिबंधात्मक कार्यवाही, बाउंड ओवर, गुंडा बदमाशों, फरार स्थायी वारंटियो, सामाजिक सौहार्द बिगाडने वालों, यातायात नियमो का उल्लंघन करने वाले वाहन चालकों तथा माईनर एक्ट के तहत प्रतिबंधात्मक कार्यवाही लगातार की जा रही है जिसके तहत पुलिस चौकी कंडरका थाना बेरला क्षेत्रांतर्गत के ग्राम बोरसी, गुधेली के आम जगह में कुछ लोग रूपये पैसे का दांव लगाकर काट पत्ती जुआ खेल रहे है कि सुचना पर पुलिस चौकी कंडरका थाना बेरला पुलिस टीम पहुच कर सुचना के अधार पर रेड कार्यवाही किया गया, रेड कार्यवाही के दौरान कुछ लोग पुलिस को आते देखकर भाग निकले मौके पर जुआडियान पकडे गये। जिसमें कुल जुआ का 03 प्रकरण दर्ज कर 10 जुआडियानो के विरूद्ध धारा 3(2) छत्तीसगढ़ जुआ (प्रतिषध) अधिनियम 2022 के तहत कार्यावाही की गई हैं। जुआडियों के पास एवं फ्ड से कुल जुमला नगदी 4,890/- रूपये एवं 52 पत्ती तास को जप्त कर कार्यवाही किया गया है। इसी क्रम में 19.11.2023 को मोटर व्हीक्ल एक्ट के तहत यातायात बेमेतरा 09 चालान में 09 व्यक्ति, कुल 09 चालान में 09 वाहन चालकों के विरूद्ध चालानी कार्यवाही किया गया। जिसमें यातायात के नियमो का उल्लघंन करने वाले वाहन चालक के विरूद्ध 09 प्रकरण में कुल 2,900/- रूपये समन शुल्क लिया गया। इसी क्रम में 19.11.2023 को माईनर एक्ट के तहत प्रतिबंधात्मक कार्यवाही करते हुए चौकी देवकर 02 प्रकरण में 02 व्यक्ति, के खिलाफ धारा 107,116 (3) जा.फौ. के तहत कुल 02 प्रकरण में 02 व्यक्तियो के विरूद्ध प्रतिबंधात्मक कार्यवाही किया गया।

आबकारी विभाग कार्यालय में आराम कर रहे

कबीरधाम में बिक रही गली गली अवैध शराब और चखना सेंटरों की भरमार,आखिर कैसे होगी कार्यवाही

पायनियर संवाददाता ‹ कवर्धा
www.dailypioneer.com

छत्तीसगढ़ में राज्य सरकार के द्वारा शराब दुकान संचालन के लिए जो रीति नीति बनाए है उसे उन्ही के अधिकारी कर्मचारी आईना दिखा रहे है और चौबीस घंटे पारा मोहल्ले में शराब की अवैध बिक्री करते कोचियो के द्वारा देखा जा सकता है। आबकारी अधिकारी कर्मचारियों के द्वारा यदाकदा कार्यवाही करते हुए अपनी जिम्मेदारी का निर्वहन करते दिखाई देते है । जो लोगो में काफी चर्चा का विषय बना हुआ हैं । वही चखना सेंटरों की भी भरमार है ,जहाँ आराम से बैठकर लोग शराब पी रहे है,आबकारी विभाग कही नजर नही आ रही।

अवैध बिक्री के लिए विभाग स्वयं जिम्मेदार

गांव गांव में अवैघ रूप से शराब की बिक्री की जा रही है जिसके लिए कही न कही विभाग ही जिम्मेदार है कहना कोई अतिशयोक्ति नहीं होगी क्योंकि शराब की दुकान में मदिरा प्रेमियों को प्रति व्यक्ति शराब विक्रय का मात्रा निर्धारित है लेकिन दुकान के समीप ही दुकान संचालक के सामने एक ही व्यक्ति बार बार शराब की खरीदी कर थोक की मात्रा में खरीद कर अवैध कारोबार के लिए अपनी घर लेकर आता है । सभी शराब दुकानों में सी सी टी वी कैमरा लगा हुआ जिसे देखने से सभी सच्चाई सामने आ जाएगा ।

चौबीस घंटे मिलती हैं अवैध शराब

राज्य सरकार के द्वारा शराब दुकान संचालन के लिए ग्रामीण क्षेत्रों के दुकान के लिए सुबह नौ बजे से रात नौ बजे का समय निर्धारित है वही जिला मुख्यालय के दुकान के लिए सुबह नौ से रात दस बजे का समय निर्धारित है। कबीरधाम जिला मुख्यालय सहित गांव गांव में अवैध रूप शराब बिक्री करते देखे जा सकते है। जहा से मदिराप्रेमी खरीद कर पीते नजर आते हैं। ऐसा नही की इसकी जानकारी विभाग को नहीं है लेकिन कार्यवाही करने में सफ्ल नही हो रहे है जिसको लेकर विभाग के अधिकारी कर्मचारी की भूमिका पर सवाल उठाए जा रहे है।

कार्यवाही के नाम पर खानापूर्ति

आबकारी विभाग के अधिकारी कर्मचारी के द्वारा अवैध रूप से शराब बिक्री करने वाले के ऊपर कार्यवाही करने के बजाए शराब पीने वाले से पौवा दो पौवा की कार्यवाही कर अपनी जिम्मेदारी का निर्वहन करते हुए खानापूर्ति करते है। आबकारी विभाग के द्वारा किए गए कार्यवाही का विवरण देखने से दूध का दूध और पानी का पानी सामने आ जाएगा।

आबकारी से ज्यादा पुलिस करता है कार्यवाही

आबकारी विभाग के अधिकारी कर्मचारी कार्यवाही करने में हमेशा पीछे रहता है जबकि शराब पर कार्यवाही करने के लिए ही आबकारी विभाग बनाया गया है । आबकारी विभाग से कही ज्यादा कार्यवाही पुलिस विभाग करता है जबकि पुलिस विभाग के पास बहुत से कार्य होते है ।

वृक्षारोपण की होगी आडिट

पायनियर संवाददाता ‹ भिलाईनगर
www.dailypioneer.com

नगर निगम भिलाई क्षेत्र में लक्ष्य के आधार पर किये गये वृक्षारोपण की आडिट के लिए आयुक्त ने टीम गठित कर 3 दिवस के भीतर निर्धारित प्रारूप में रिपोर्ट प्रस्तुत करने, बिजली पोल में किये गये नम्बरिंग की पूर्णतः प्रमाण पत्र तथा आनलाईन शिकायतो में दर्ज प्रकरणो की समीक्षा आयुक्त के निर्देश पर अपर आयुक्त ने किया। आयुक्त रोहित व्यास ने भिलाई के सौदर्यीकरण एवं हरियर छत्तीसगढ़ योजना के तहत जी.ई.रोड, उद्यान, शासकीय भूमि, अस्पताल परिसर, गौठान, एस.एल.एम.आर. सेंटर, व्यवसायिक क्षेत्र आदि में वृक्षारोपण के निर्देश वर्षाऋतु के पूर्व दिये थे। जिसके लिए प्रत्येक जोन को वृक्षारोपण करने लक्ष्य निर्धारित किया गया था, वर्तमान में किये गये वृक्षारोपण की वास्तविक स्थिति की जानकारी लेने अभियंताओं की टीम गठित कर 3 दिवस के भीतर निर्धारित प्रारूप में अपना प्रतिवेदन प्रस्तुत करने के आदेश प्रसारित किये है। टीम के सदस्य वृक्षारोपण स्थल का मौका मुवायना कर सुख गये पेड़, छतिग्रस्त पाईप की जानकारी एकत्र करेगे, ठेका प्राप्त एजेसी को खाद पानी नियमित रूप से प्रदान किये जाने की जानकारी भी प्रारूप में प्रस्तुत करेगें। उक्त जानकारी बैठक में उपस्थित अधिकारियों को प्रदान करते हुए अपर आयुक्त अशोक द्विवेदी ने आगे कहा की आयुक्त द्वारा भिलाई निगम क्षेत्र के सभी बिजली खम्बो की नंबरिंग के साथ बंद लाईट को बदल कर चालू करने के निर्देश दिये थे इसकी भी जानकारी टीम के सदस्य उपलब्ध करायेगें। इसी प्रकार राज्य सरकार द्वारा जारी आनलाईन शिकायत में दर्ज शिकायत पत्रों के निराकरण की भी उन्होने समीक्षा की। अपर आयुक्त ने सारथी ई-एप्प, जनचैपाल, जनशिकायत में दर्ज शिकायतो का एक सप्ताह के भीतर निराकरण कर शिकायतो को विलोपित करने के निर्देश अधिकारियों को दिये।

मामले में जूटमिल पुलिस ने दो महिला आरोपियों को हत्या के प्रयास के अपराध में गिरफ्तार कर भेजा रिमांड

घरेलू विवाद में महिला को डंडे और लोहे के तवा से पिटाई

पायनियर संवाददाता ∢ रायगढ़
www.dailypioneer.com

थाना जूटमिल क्षेत्र अंतर्गत ग्राम ननसिया में घरेलू विवाद को लेकर दो सगी बहने परिवार के एक व्यक्ति के साथ अपनी भाभी को हाथ मुक्का, डंडा और तवा से मारकर गंभीर चोट पहुंचाये। घायल महिला को गंभीर हालत में अस्पताल में भर्ती कराया गया है। घटना को लेकर थाना जूटमिल में आरोपियों के विरुद्ध हत्या का प्रयास का मामला दर्ज किया गया है।

मिली जानकारी के अनुसार आहत महिला बुधयारिन बाई (25 साल) के पति केशव महंत निवासी ग्राम ननसिया रिपोर्ट दर्ज कर बताया कि पूर्व में उसकी बहन मधु सिदार, उसका पति राम सिंह सिदार और रितु महंत गांव ननसिया में रहते थे।

उसकी पत्नी बुधियारिन का उसकी मां, दीदी मधु और बहन रीतू के बीच घरेलू झगड़ा विवाद होता था। इसी झगड़ा विवाद को लेकर 16 नवंबर के शाम मधु, रितु और मधु का पति राम सिंह घर अंदर घुसकर उसकी पत्नी बुधियारिन बाई से पूर्व झगड़ा विवाद रंजीश को लेकर गाली गलौज मारपीट करते हुए हाथ मुक्का और डंडा, लोहे के तवे से मारपीट किए हैं जिसमें बुधियारिन बाई को गंभीर चोटे आई है। प्रार्थी के रिपोर्ट पर थाना जूटमिल में आरोपियों के विरुद्ध धारा 450, 307, 34 आईपीसी के तहत अपराध पंजीकृत कर घटना के बाद से फरार हुए दो महिला आरोपी मधु सिदार पति रामसिंह सिदार उम्र 33 साल निवासी अमलीभौना इंदिरा आवास सोनूमुडा थाना जूटमिल जिला रायगढ़, रितु महंत पिता हेमलाल महंत उम्र 22 साल निवासी ननसिया हाल मुकाम अमलीभौना इंदिरा आवास सोनूमुडा थाना जूटमिल रायगढ़ को जूटमिल पुलिस द्वारा गिरफ्तार का न्यायिक रिमांड पर भेजा गया है। आरोपियों से डंडा और लोहे का तवा बरामद कर जप्त किया गया है। आरोपी राम सिंह सिदार फरार है। फरार आरोपी की पतासाजी की जा रही है।

कापन में हुए ब्लाइंड मर्डर का हुआ खुलासा बहु ही निकली कातिल आरोपी बहु को पुलिस ने किया गिरफ्तार

पायनियर संवाददाता ∢ जांजगीर-चांपा
www.dailypioneer.com

कापन में हुए ब्लाइंड मर्डर का हुआ खुलासा बहु ही निकली कातिल आरोपी बहु को पुलिस ने किया गिरफ्तार। कापन नाला पार में महिला की लास मिली थी जिसकी पहचान गुरुबारी बाई केवट पति बृज राम केवट उम्र 60 वर्ष निवासी कापन का होना पाया पाया गया था। मृतिका के सिर में गंभीर चोट का निशान था, जिसकी सूचना पर चौकी नैला में मर्ग कायम कर जांच पंचनामा कार्यवाही में लिया जाकर मृतिका के शव की पोस्ट मार्डम कराया गया। डाक्टर साहब से पोस्ट मार्डम रिपोर्ट प्राप्त किया गया, जिसमे मृतिका के सिर में गंभीर चोट लगने से मृत्यु होना लेख किए जाने से चौकी नैला में अज्ञात आरोपी के विरुद्ध धारा 302 भादवि का अपराध कायम कर विवेचना में लिया गया। विवेचना/मर्ग जांच दौरान घटना स्थल का बारीकी से निरीक्षण किया गया एवम मृतिका के घर के सदस्यों से बारीकी से पूछताछ की गई पता चला की मृतिका गुरुबारी बाई एवं घर की बड़ी बहू छठ बाई केवट के बीच छोटी छोटी बातो को लेकर हमेशा लड़ाई झगड़ा की बात सामने आई। विवेचना दौरान मामले के संदेही छठ बाई केवट को घटना के संबध में कड़ाई से पूछताछ करने पर बताई की मृतिका सास गुरुबारी बाई छोटी छोटी बातों पर लड़ाई झगड़ा कर हर बात पर ताने मारती थी जिससे त्रस्त होकर दिनांक 14 नवंबर को सवेरे जब सास सौच के लिए नाला तरफ गई थी तभी पीछे से जाकर उसके सिर में डंडा एवं लोहे का बट्टा से मार कर हत्या करना बताई, मेमोरंडम कथन के आधार पर आरोपी के कब्जे से बांस का डंडा एवम लोहे का बट्टा बरामद किया गया है। आरोपी छठ बाई केवट निवासी ग्राम कापन चौकी नैला के विरुद्ध अपराध धारा सदर का सबूत पाए जाने से विधिवत दिनांक 19 नवंबर को गिरफ्तार कर न्यायिक रिमांड पर भेजा गया संपूर्ण कार्यवाही में उपनिरीक्षक सत्यम चौहान चौकी प्रभारी नैला सहायक उप निरीक्षक रामखिलावन साहू प्रधान आरक्षक रुद्र नारायण कश्यप महिला प्रधान आरक्षक राजकुमारी खूंटे आरक्षक जितेश राजपूत संतोष प्रधान महिला आरक्षक रुक्मणी कंवर एवं चौकी नैला स्टाफका योगदान रहा।

अंजुम बनाई गई ऑल इंडिया लेबर मनरेगा मॉनिटरिंग कमेटी की जिला अध्यक्ष

पायनियर संवाददाता ∢ सक्ति
www.dailypioneer.com

आल इंडिया लेबर मनरेगा मोनिटरिंग कमेटी के राष्ट्रीय अध्यक्ष प्रमोद त्यागी ने अंजुम हुसैन को जगदलपुर जिला अध्यक्ष के पद पर नियुक्ती की है,ज्ञात हो कि अंजुम हुसैन वर्तमान में महिला कॉग्रेस ब्लाक अध्यक्ष जगदलपुर एवम असंगठित जन समस्या निवारण प्रकोष्ठ जिला अध्यक्ष जगदलपुर के पद पर कार्यरत है, अंजुम की सामाजिक कार्यशैली ही उनकी उत्कृष्ठ पहचान है, इनकी नियुक्ती पर मनरेगा कमेटी के प्रदेश पदाधिकारियों ने बधाई व शुभकामनाऐं प्रेषित की व राष्ट्रीय अध्यक्ष प्रमोद त्यागी ने भी हर्ष जाहिर करते हुए शुभकामनाऐं दी, राष्ट्रीय अध्यक्ष प्रमोद त्यागी ने मिडिया से चर्चा के दौरान बताया कि आल इंडिया लेबर मनरेगा मोनिटरिंग कमेटी अखिल भारतीय स्तर पर सामाजिक सस्था है, जिसका उद्देश्य सम्पूर्ण भारत में मनरेगा के तहत् ग्रामीण क्षेत्रों में केन्द्र सरकार द्वारा चलायी जा रही रोजगार गारंटी योजना के अर्न्तगत मजदूरों को मिलने वाला एक वर्ष में 100 दिन का रोजगार की मोनिटरिंग करना,उक्त योजना के तहत् गॉवों में पंचायत स्तर पर होने वाले विकास कार्यो को आवश्यक रुप से रोजगार गारंटी योजना के अर्न्तगत गॉवों के मजदूरों से ही कार्य करवाना। लेकिन देखने में यह आता है कि उन समस्त लाभार्थीयों को शत-प्रतिशत लाभ न मिलकर कुछ राशी भ्रष्टाचार की भेंट चढ़ जाती है,उसी के मद्देनजर आल इंडिया लेबर मनरेगा मोनिटरिंग कमेटी के राष्ट्रीय अध्यक्ष प्रमोद त्यागी ने आगे बताया कि इस सस्था के माध्यम से मजदूरों को उनका पूरा हक मिल सके इसलिए उक्त राष्ट्रीय योजना की मोनिटरिंग करने के लिये इस सामाजिक संस्था का निर्माण कर अनेक प्रदेशों में विस्तार के क्रम में छ्त्तीसगढ़ प्रदेश में भी उक्त पदाधिकारयों की नियुक्ती की है.

भगवान सूर्य को अर्घ्य देने मांड नदी के तट पर उमड़ी श्रद्धालुओं की भीड़

पायनियर संवाददाता ∢ रायगढ़
www.dailypioneer.com

धरमजयगढ़ के मांड नदी में स्थित डोंगा घाटतट के तट पर कल नगर के सैकड़ों श्रद्धालुओं ने अस्त होने वाले भगवान सूर्य को अर्घ्य दिया और पूजा-अर्चना की. चार दिनों तक चलने वाले इस अनुष्ठान के अंतिम दिन सोमवार को व्रती सुबह उगते सूर्य को अर्घ्य अर्पित किया।

लोक आस्था और सूर्य उपासना के पर्व चैती छठ महापर्व के अवसर पर रविवार की शाम डूबते भगवान सूरज को नदियों के किनारे जल चढ़ाया गया. इस दौरान सैकड़ों की संख्या में श्रद्धालु उपस्थित रहे। चार दिनों तक चलने वाले इस अनुष्ठान के अंतिम दिन सोमवार को व्रती सुबह उगते सूर्य को अर्घ्य अर्पित किया गया। इसके पहले व्रतियों ने भगवान भास्कर की अराधना की और खरना किया था. खरना के साथ ही व्रतियों का 36 घंटे का निर्जला उपवास शुरू हो गया. पर्व के चैथे और अंतिम दिन यानी सोमवार को उगते सूर्य को अर्घ्य देने के बाद श्रद्धालुओं का व्रत संपन्न हो जाएगा. इसके बाद व्रती अन्न-जल ग्रहण कर 'पारण' करेंगे. हिंदू परंपरा के अनुसार, कार्तिक और चैत्र माह में छठ व्रत का आयोजन होता है. इस दौरान व्रती भगवान भास्कर की अराधना करते हैं।

21 नवंबर को राधाकृष्ण मंदिर में होगा आंवला नवमी कार्यक्रम का आयोजन

पायनियर संवाददाता ∢ सक्ति
www.dailypioneer.com

शक्ति शहर सहित पूरे अंचल में धार्मिक,रचनात्मक कार्यों में अग्रणी संस्था श्री नारायणी सेवा समिति द्वारा 21 नवंबर मंगलवार को दोपहर 3:00 बजे से श्री राधाकृष्ण मंदिर परिसर में आंवला नवमी कार्यक्रम का आयोजन किया गया है, उपरोक्त जानकारी देते हुए श्री नारायणी सेवा समिति शक्ति की नवनियुक्त अध्यक्ष मीना दिलीप अग्रवाल ने बताया कि 21 नवंबर को दोपहर 3:00 बजे से आंवला नवमी कार्यक्रम होगा, जिसमें पूजा- अर्चना की जाएगी,एवम इस कार्यक्रम में नारायणी सेवा समिति शक्ति सहित सभी महिला समितियो के सदस्यों को भी इस कार्यक्रम में आमंत्रित किया गया है., मीना अग्रवाल ने बताया कि नारायणी सेवा समिति द्वारा रानी सती दादी जी के मंगल पाठ का जहां निरंतर कार्यक्रम किया जा रहा है, तो वही पूरे क्षेत्र में समय-समय पर जरूरतमंदों की सेवा, सेवा शिविर सहित विभिन्न रचनात्मक कार्य किया जा रहे हैं।

मीना देवी अग्रवाल ने बताया कि आने वाले समय में श्री नारायणी सेवा समिति के माध्यम से और भी रचनात्मक कार्य किए जाएंगे तथा अध्यक्ष मीना अग्रवाल ने सभी सदस्यों को 21 नवंबर को आयोजित आंवला नवमी के कार्यक्रम में पहुंचने की अपील की है.

500 मेगावाट क्षमता की दो नंबर इकाई में तकनीकी खराबी आने से बंद

पायनियर संवाददाता ∢ कोरबा
www.dailypioneer.com

राज्य विद्युत उत्पादन कंपनी के संयंत्रों की इकाइयों में खराबी का सिलसिला जारी है। मड़वा संयंत्र की 500 मेगावाट क्षमता की दो नंबर इकाई में तकनीकी खराबी आने से बंद करना पड़ा है। इसके पहले की हसदेव ताप विद्युत संयंत्र कोरबा पश्चिम की 210 मेगावाट क्षमता की तीन नंबर इकाई में भी खराबी आई थी, जिसे बंद करने के बाद मेंटेनेंस कार्य किया गया। इस यूनिट को सुधार कार्य के बाद चालू किया गया, तब उत्पादन शुरू हो सका और वर्तमान में 150 मेगावाट बिजली उत्पादन हो रहा है। उधर मड़वा संयंत्र की बंद दो नंबर इकाई का भी मेंटेनेंस कार्य चल रहा है। संभावना जताई जा रही है कि जल्द ही यूनिट को परिचालन में ले लिया जाएगा। ठंड बढ़ने की वजह से राज्य में बिजली की मांग घट कर पीक अवर्स में 3800 मेगावाट के करीब हो गई है। वहीं उपलब्धता 3986 मेगावाट है। विद्युत उत्पादन कंपनी के एचटीपीपी से 1340 मेगावाट के स्थान पर 1082, डा श्यामा प्रसाद मुखर्जी ताप विद्युत संयंत्र से 500 के स्थान पर 464 मेगावाट, एक हजार मेगावाट के अटल बिहारी वाजपेयी ताप विद्युत संयंत्र मड़वा से 426 मेगावाट तथा बांगो जल विद्युत संयंत्र से 120 के स्थान पर 39 मेगावाट बिजली उत्पादित हो रही है। इस तरह कंपनी से कुल 1992 मेगावाट बिजली रही। जबकि राज्य के सीपीपी व आइपीपी से बिजली लेने पर कुल उपलब्धता 2051 मेगावाट रही। मांग को पूरी करने के लिए सेंट्रल सेक्टर से अनुबंधित 1747 मेगावाट बिजली ली जा रही है। इससे राज्य में बिजली की स्थिति सरप्लस बनी हुई है। उम्मीद जताई जा रही है कि मड़वा संयंत्र चालू होने व सभी इकाइयों के पूर्ण क्षमता से चालू होने पर भरपूर बिजली राज्य को मिलने लगेगी।

लवारिस बैग में मिला चार किलो गांजा, आरपीएफ ने जब्त कर कोतवाली पुलिस को किया सुपुर्द

पायनियर संवाददाता ∢ रायगढ़
www.dailypioneer.com

स्टेशन परिसर में गस्त के दौरान आरपीएफ को एक लवारिस बैग मिली, जिसकी जांच करने पर उसमें चार किलो गांजा पाया गया है। जिसे अज्ञात आरोपियों के खिलाफअपराध दर्ज कर कोतवाली पुलिस को सौंपा गया है। उल्लेखनीय है कि विधानसभा चुनाव को लेकर जिले की सभी मुख्य मार्गों में जिला पुलिस द्वारा बेरियर बनाकर जांच किया जा रहा था, जिसके चलते तस्कर सडक मार्ग को छोडकर खुद को सुरक्षित करने के लिए ट्रेन मार्ग से तस्करी शुरू कर दिया है। जिससे स्टेशन के बाहर जांच के दौरान लगातार मादक पदार्थ गांजा की जब्ती हो रही है। ऐसे में विगत 15 नवंबर को शाम करीब 4 बजे रेलवे सुरक्षा पोस्ट रायगढ़ में पदस्थ उप निरीक्षक संजय कुमार एस को मुखबीर से सूचना मिली कि स्टेशन के मेन गेट के बाहर सर्कुलेटिन एरिया के पूर्वी छोर में स्टेशन के दीवार के पास एक लवारिश पिठ्रू बैग पड़ा है, जिससे उपनिरीक्षक संजय कुमार एस ने आरक्षक रणबीर के साथ मौके पर पहुंच कर उक्त बैग की जांच किया तो उसमें चार किलो 100ग्राम मदक पदार्थ गांजा पाया गया। जिससे उक्त गांजा को जब्त करते हुए अज्ञात आरोपियों के खिलाफ धारा 20 (बी) एनडीपीएस एक्ट के तहत कार्यवाई करते हुए उसे कोतवाली पुलिस के सुपुर्द किया गया है। साथ ही इसकी जानकारी रेलवे सुरक्षा आयुक्त बिलासपुर को दी गई है।

माह भर मे तीसरी कार्रवाई- गौरतलब हो कि इन दिनों यात्री ट्रेनों में गांजा की तस्करी जोरों पर हो रही है। ऐसे में अगर ट्रेनों की गहनता से जांच होती तो हर दिन गांजा सहित अन्य अवैध सामान के साथ आरोपी भी गिरफ्तार होते, वहीं अभी चुनाव के चलते उच्चाधिकारियों से निर्देश मिलने के बाद आरपीएफद्वारा स्टेशन के बाहर कड़ाई से जांच की जा रही है। जिससे इसके पहले दो गांजा के मामले सामने आए थे, जिसमें दोनों में आरोपी भी पकड़ाए थे, लेकिन अब आरपीएफ की सक्रियता को देखते हुए तस्कर द्वारा उक्त बैग को छोड़ कर फरार हो गया। जिससे तीसरे मामले में सिर्फ गांजा ही पकड़ाया है।

मतदाताओं को जागरूक करने में मीडिया का रहा अहम योगदानः कलेक्टर नूपुर

पायनियर संवाददाता ∢ सक्ति
www.dailypioneer.com

सक्ति जिले की कलेक्टर एवं जिला निर्वाचन अधिकारी नूपुर राशि पन्ना ने सक्ती जिले के तीनो विधानसभा क्षेत्र में शांतिपूर्ण सफ्ल मतदान के लिए मतदाताओं, शासकीय अधिकारियों कर्मचारियों, मीडिया के प्रतिनिधियों और भारत निर्वाचन आयोग द्वारा जिले के लिए नियुक्त सामान्य प्रेक्षक, पुलिस प्रेक्षक, व्यय प्रेक्षक के प्रति आभार जताया है,कलेक्टर श्रीमती पन्ना ने कहा कि प्रशासनिक तैयारियों और सुरक्षा के लिए जरुरी सभी इंतजाम करने जिला प्रशासन सहित संबंधित सभी विभागों के अधिकारियों, कर्मचारियों ने दिन रात एक कर मेहनत की है। महिला अधिकारियों ने भी पुरुष अधिकारियों के साथ कंधे से कंधा मिलाकर मतदान की प्रक्रिया को निष्पक्ष-शांतिपूर्ण ढंग से संपन्न कराने में अपनी महत्वपूर्ण सहभागिता निभाई है। उन्होंने सभी अधिकारी-कर्मचारियों को इसके लिए बधाई और शुभकामनाएं दी है,जिला निर्वाचन अधिकारी ने कहा कि स्वतंत्र, निष्पक्ष और शांतिपूर्ण मतदान के लिए प्रशासनिक तौर पर व्यवस्थाएं पूरी कर ली जाती है, परंतु मतदान के लिए मतदाताओं को जागरुक बनाने और उन्हें मतदान केन्द्रों तक स्वस्फूर्त पहुंचकर सजगतापूर्वक वोट डालने के लिए प्रेरित करने का काम सबसे चुनौती भरा होता है। मतदाताओं को जागरूक करने के लिए प्रचार प्रसार और जमीनी स्तर पर संबंधित अधिकारियों कर्मचारियों द्वारा कार्य किया जाता है। कलेक्टर एवं जिला निर्वाचन अधिकारी ने जनसंपर्क विभाग को निर्वाचन संबंधी सही और सटीक जानकारी जिले के मीडिया को उपलब्ध कराने और मीडिया के प्रतिनिधियों द्वारा चुनाव कार्य से संबंधित महत्वपूर्ण सूचनाओं को अभ्यर्थियों, आमजनता तक पहुंचाने व मतदान संबंधी सभी खबरों को प्रमुख स्थान देने के लिए मीडिया प्रतिनिधियों के प्रति आभार व्यक्त किया है।

ओपी ने राजनीति में सक्रियता की रखी अनोखी मिशाल

मतदान के बाद भी ओपी चौधरी का जारी है जनसंपर्क

पायनियर संवाददाता ∢ रायगढ़
www.dailypioneer.com

मतदान हुए 24 घटे भी नही बीते भाजपा प्रत्याशी पूर्व कलेक्टर ओपी चौधरी ने मतदान के तत्काल बाद अपना जनसंपर्क जारी रख राजनीति में सक्रियता की अनोखी मिशाल पेश की है । अमूमन चुनाव परिणाम में हार जीत के बाद ही जन प्रतिनिधि अपना जन संपर्क या दौरा शुरू करते है लेकिन भाजपा प्रत्याशी पूर्व कलेक्टर ओपी चौधरी मतदान के एक दिन बाद ही आम जनता में मध्य पहुंच गए। ओपी चौधरी की सक्रियता आने वाले दिनो मे राजनीति की दशा दिशा भी बदलेगी। मतदान के तत्काल बाद ही ओपी का यह जनसंपर्क में सियासी गलियारों में चर्चा का विषय बन गया। जिसने भी मतदान के बाद ओपी के इस जनसंपर्क के बारे में सुना वह राजनीति के नए मापदंड पर आश्चर्य जताए बिना नहीं रह सका। मतदान के बाद ओपी रायगढ़ विधानसभा के लोइंग मंडल के ग्राम कोसमपाली पहुंचे। जहां 99ः मतदान हुआ। कोसमपाली के कार्यकर्ताओ को साधुवाद देते हुए आम जनता के प्रति आभार व्यक्त हुए ओपी ने कहा कोसम पाली के मतदाताओं की जागरूकता पूरे विधान सभा के लिए जागरूकता की नई मिशाल पेश करेगी।

ग्राम वासियों ने यह प्रमाणित किया है कि लोक तंत्र के इस महायज्ञ में मतदान की आहुति कितनी आवश्यक है। ओपी ने कहा मतदान की अनिवार्यता ही हर आम आदमी को लोक तंत्र के प्रति जवाब देह भी बनाती है। केवल सरकार बनाने तक ही समाज या व्यक्ति की भूमिका सीमित नही होनी चाहिए। ग्राम बनोरा में चल रही भागवत कथा में भी ओपी चौधरी शामिल हुए और पूजा अर्चना कर अंचल वासियों सहित समस्त प्रदेश वासियों के सुख- शांति- समृद्धि- खुशहाली की कामना भी की। ओपी ने कहा भागवत ही जीवन का असली दर्शन है जो मनुष्य के सांसारिक बंधनों के मध्य जीवन जीने की प्रेरणा देता है। ग्राम बनोरा की पावन भूमि में भागवत कथा सुने जाने को ओपी ने अपना परम सौभाग्य निरूपित करते हुए कहा भागवत कथा से अध्यात्म को सरलता से समझता जा सकता है।

लोइंग मंडल के जन संपर्क के बाद ओपी ग्राम कोतरलिया निवासी राजकुमार प्रधान की दिवंगत माता जी के दशगात्र में शामिल हुए। शोकाकुल परिजनों से भेंट कर श्रद्धासुमन अर्पित करते हुए मृत आत्मा की शांति के लिए भगवान से प्रार्थना करते हुए शोक संतप्त परिजनों को धैर्य एवं संबल प्रदान करने की कामना भी की है।

केंद्रीय विद्यालय कुसमुंडा में विद्यार्थियों ने लगाई व्यंजन प्रदर्शनी

पायनियर संवाददाता ∢ कोरबा
www.dailypioneer.com

केंद्रीय विद्यालय कुसमुंडा में बाल दिवस के उपलक्ष्य में व्यंजन प्रदर्शनी का आयोजन किया गया। प्राचार्य योगेश गुप्ता व सीसीए प्रभारी किरण साहू के अगुवाई में कक्षा बालवाटिका तीन से कक्षा पांचवी तक के बच्चों ने भाग लिया।

कार्यक्रम की अध्यक्षता विद्यालय के उप प्राचार्य विश्राम केरकेट्टा एवं विशिष्ट अतिथि प्रधानाध्यापिका रीना शालिनी साइमन रही। बच्चों ने समूहों में विभिन्न राज्यों के वेशभूषा (परिधानों) में राज्य के व्यंजनों का प्रदर्शन एवं संवाद बोलकर किया। इसमें मुख्य रूप से पश्चिम बंगाल, बिहार, गुजरात, राजस्थान, उड़ीसा, छत्तीसगढ़, पंजाब, महाराष्ट्र, हरियाणा एवं सिक्किम राज्य के व्यंजनों का प्रदर्शन किया गया। बंगाल की मिठाई रसगुल्ला, बिहार का लिट्टी चोखा, राजस्थान का दाल-बाटी चूरमा, महाराष्ट्र का पाव-भाजी, गुजरात का ढोकला, फाफ्ड़ा, जलेबी, उड़ीसा का सागा मोंगा, पंजाब का मक्के की रोटी एवं सरसों का साग, छत्तीसगढ़ का फरा, चीला, चैसेला, बरा, बोबरा एवं सिक्किम का मोमोज आदि था। बच्चों ने एक- दूसरे से अपना व्यंजन साझा किया एवं लुफ्त उठाया। उप प्राचार्य विश्राम केरकेट्टा ने अपने संबोधन में कहा कि इस तरह के कार्यक्रम से बच्चों को एक दूसरे की संस्कृति, खान-पान, रहन-सहन, वेशभूषा को समझने एवं साझा करने की प्रेरणा मिलती है।

उदीयमान सूर्य को अर्घ्य देने के साथ ही महापर्व छठ का हुआ समापन

पायनियर संवाददाता ✓ मनेन्द्रगढ़
www.dailypioneer.com

उदीयमान सूर्य को अर्घ्य देने के साथ ही महापर्व छठ का समापन हो गया। तड़के सुबह से ही शहर के घाटों पर छठ व्रती पहुंचने लगे और पूरे विधिवत तरीके से उगते हुए भगवान भास्कर को अर्घ्य दिया। जिसके बाद चार दिवसीय छठ महापर्व पूरा हुआ। इस दौरान घाटों पूरी रात रोशनी और रहने की व्यवस्था की गई। घाटों पर श्रद्धालुओं की भारी भीड़ उमड़ी। बांस की टोकरी में मौसमी फ्ल, ठेकुआ, गन्ना और पूजा का सामान सजाया गया। छठ गीतों के साथ घाट भी छठ की छटा से दमक रहे थे। इस दौरान श्रद्धालुओं ने घाटों पर आस्था की डुबकी भी लगाई। छठ व्रतियों को किसी तरह की कोई दिक्कत का सामना न करना पड़े। इसके लिए प्रशासन द्वारा घाटों पर व्यापक व्यवस्था की गई थी।उगते सूर्य को अर्घ्य के साथ ही आस्था के महापर्व का समापन हो गया. देशभर में तमाम जगहों पर व्रती उगते सूर्य को उर्घ्य दिया गया. खोंगापानी, रामनगर, राजनगर, नई लेदरी में नदियों और तालाबों के किनारे घाटों पर व्रती उगते सूर्य को अर्घ्य दिया गया. इसके साथ ही महापर्व छठ का समापन हुआ. महापर्व छठ के लिए कई जगहों पर विशेष व्यवस्था की गई थी जहां उगते सूर्य को अर्घ्य दिया गया. जगह-जगह छठ पर्व की रौनक रही. भक्तिमय माहौल रहा। सुबह के अर्घ्य के साथ ही चार दिन से चल रही छठ पूजा का समापन हो गया. अर्घ्य देने के बाद व्रतियों ने अपना उपवास तोड़ा. छठ पर्व में व्रती महिलाओं और पुरुषों को 36 घंटे तक निर्जला उपवास रहना होता है. नहाय खाय के साथ छठ पर्व की शुरुआत होती है. दूसरे दिन खरना का प्रसाद खाने के बाद व्रतियों के 36 घंटे का उपवास शुरू होता है. इसके बाद अस्ताचल सूर्य को अर्घ्य दिया गया . नदियों-तालाबों के घाटों पर व्रती इकट्ठा हुये लोगों ने डूबते सूर्य को अर्घ्य दियाअगले दिन सुबह में उगते सूर्य को अर्घ्य के साथ छठ महापर्व का समापन होता है.

वैसे तो सूर्योदय के वक्त जल देने को लेकर कई पर्व हैं. लेकिन अस्ताचल सूर्य को पूजने का छठ ही एकमात्र पर्व है. मान्यता के मुताबिक सूर्य को अर्घ्य देने से इस जन्म के साथ कई और जन्मों के पाप नष्ट हो जाते हैं. अस्ताचलगामी सूर्य को अर्घ्य देने से संतान प्राप्ति होती है.

श्वान नसबंदी का कार्य रायपुर में प्रतिदिन जारी, 5300 से अधिक श्वानों की नसबन्दी

पायनियर संवाददाता ✓ रायपुर
www.dailypioneer.com

श्वान नसबंदी का कार्य रायपुर में प्रतिदिन निरन्तर जारी, प्रतिदिन लगभग 16-17, माह में लगभग 425, वर्ष में लगभग 5300 से अधिक श्वानों की नसबन्दी हो रही, नसबंदी पश्चात सभी श्वानों का एन्टी रेबीज वैक्सीनेशन किया जा रहा, जनशिकायत मिलते ही आज सुबह 7 बजे गुलमोहर पार्क रामनगर में डॉग कैचर टीम ने 7 श्वानों, संध्या को 3 श्वानों की धरपकड़ की0 रायपुर- श्वान नसबंदी पशु क्रूरता अधिनियम एवं एनिमल बर्थ कण्ट्रोल नियम 2001 के प्रावधानों अंतर्गत नगर पालिक निगम रायपुर द्वारा राजधानी शहर रायपुर नगर निगम क्षेत्र में श्वानों की डॉग कैचर वाहन भेजकर उनकी धरपकड़ एवं श्वानों की नसबन्दी का कार्य प्रतिदिन निरन्तर बैरन बाजार के पशु चिकित्सालय में किया जा रहा है. धरपकड़ किये गये सभी श्वानों का नसबंदी के पश्चात एन्टी रेबीज वैक्सीनशन भी किया जाता है. वहाँ दो पशु चिकित्सक डॉक्टर दीवान एवं डॉक्टर साहनी द्वारा प्रतिदिन डॉग कैचर वाहन एवं प्रशिक्षित टीम की सहायता से धरपकड़ कर लाये गये श्वानों की नसबन्दी का कार्य किया जा रहा है. आज सुबह 7 बजे आई जनशिकायत पर डॉग कैचर वाहन की टीम ने त्वरित रूप से रामनगर गुलमोहर पार्क क्षेत्र एवं उसके आसपास अभियान चलाकर 7 श्वानों एवं संध्या को 3 श्वानों की धरपकड़ की एवं निदान 1100 में प्राप्त जनशिकायत का त्वरित निदान किया. धरपकड़ किये गये श्वानों की नसबंदी की गयी. प्राप्त जनशिकायतों पर त्वरित रूप से श्वानों की डॉग कैचर वाहन की सहायता से धरपकड़ कर श्वान नसबंदी का कार्य प्रतिदिन निरन्तर जारी है. प्रतिदिन लगभग 16-17 श्वानों, हर माह लगभग 425 श्वानों, हर वर्ष लगभग 5300 से अधिक श्वानों की डॉग कैचर वाहन की सहायता से धरपकड़ एवं श्वानों की नसबंदी का कार्य सतत जारी है. कोई भी नागरिक निदान 1100 में श्वानों से सम्बंधित शिकायत दर्ज करवा सकता है. नागरिकों की शिकायत मिलते ही श्वानों की धरपकड़ डॉग कैचर वाहन भेजकर अभियान चलाकर की जाती है एवं प्राप्त जनशिकायतों का त्वरित निदान किया जाता है.

मतगणना प्रशिक्षण कार्यक्रम 21 नवंबर को

पायनियर संवाददाता ✓ दुर्ग
www.dailypioneer.com

मुख्य निर्वाचन पदाधिकारी के निर्देशानुसार विधानसभा निर्वाचन 2023 के मतगणना के प्रशिक्षण के संबंध में उप जिला निर्वाचन अधिकारी, रिटर्निंग ऑफिसर, सहायक रिटर्निंग ऑफिसर (समस्त), मतगणना सहायक रिटर्निंग ऑफिसर 05, प्रत्येक विधानसभा हेतु 02 मास्टर ट्रेनर एवं जिले के टेबुलेशन प्रभारी अधिकारी 01, पोस्टल बैलट नोडल अधिकारी 01, ईवीएम नोडल अधिकारी 01, सुरक्षा नोडल अधिकारी 01 एवं प्रोग्रामर 01 सहित दुर्ग, बालोद एवं बेमेतरा के कुल 140 प्रशिक्षणार्थियों हेतु मतगणना प्रशिक्षण कार्यक्रम दुर्ग के बीआईटी ऑडिटोरियम में 21 नवंबर 2023 को प्रातः 10 बजे से आयोजित किया गया है। मुख्य निर्वाचन आयोग द्वारा मतगणना प्रशिक्षण कार्यक्रम हेतु रिसोर्स पर्सन पुलक भट्टाचार्य एन.एल.एम.टी., मती गीता दीवान एन.एल.एम.टी. एवं विनोद अगलावे एस.एल.एम.टी. नियुक्त किए गए है। संभाग स्तरीय प्रशिक्षण कार्य के लिए अश्वनी देवांगन, मुख्य कार्यपालन अधिकारी, जिला पंचायत दुर्ग को नोडल अधिकारी नियुक्त किया गया है तथा उनकी सहायता हेतु अभय जायसवाल जिला शिक्षा अधिकारी दुर्ग को सहायक नोडल अधिकारी नियुक्त कर संपूर्ण प्रशिक्षण कार्यक्रम के सुचारू संपादन हेतु दायित्व सौंपा गया है। प्राप्त जानकारी के अनुसार प्रशिक्षण स्थल बीआईटी ऑडिटोरियम के प्रबंधन संबंधित दायित्व प्राचार्य बीआईटी दुर्ग, सर्किट हाउस में आवश्यकतानुसार ठहरने की व्यवस्था, संबंधित प्रशिक्षणार्थियों को सूचना एवं समन्वय के कार्य का दायित्व सत्कार अधिकारी जिला दुर्ग को एवं सामग्री व्यवस्था का दायित्व कृष्ण कुमार देवांगन प्रकाश साहू एवं बालेश कुमार ठाकुर जिला निर्वाचन कार्यालय दुर्ग को सौंपा गया है। इसी प्रकार तकनीकी व्यवस्था (इंटरनेट युक्त लैपटॉप प्रशिक्षण के संबंध में पीपीटी) का दायित्व एल.बी. सिंह जिला सूचना एवं विज्ञान अधिकारी दुर्ग एवं स्टाफ सु छाया साहू सहायक प्रोग्रामर जिला निर्वाचन कार्यालय दुर्ग, श्रुति अग्रवाल ई-डिस्ट्रिक्ट मैनेजर दुर्ग एवं स्टाफ को, रिटर्निंग एवं सहायक रिटर्निंग ऑफिसर, मास्टर ट्रेनर इत्यादि के लिए बैठक व्यवस्था का दायित्व अनुविभागीय अधिकारी (रा.) तहसीलदार दुर्ग को, स्वल्पाहार, जलपान एवं भोजन व्यवस्था का दायित्व सीपी दीपांकर, खाद्य नियंत्रक दुर्ग एवं वीवीपैट गणना हेतु मॉडल गणना कक्षा की व्यवस्था, प्रशिक्षण हेतु ईवीएम/वीवीपैट की व्यवस्था एवं प्रशिक्षण हेतु उपलब्ध कराए गए सामग्रियों की जांच का दायित्व लवकेश ध्रुव नोडल अधिकारी एवं ईवीएम/वीवीपैट को दिया गया है।

सिकलसेल से गुजर रहे 26 वर्षीय मरीज को उज्जवला ब्लड बैंक के माध्यम से मिला निःशुल्क रक्त दान

पायनियर संवाददाता ✓ कोंडागांव
www.dailypioneer.com

हाल ही में कोंडागांव भंज अस्पताल में सिकलसेल से गुजर रहे 26 वर्षीय मरीज हलेंद्र गहलोत को नवाचारी शिक्षण समूह इंद्रधनुष के छात्रावास अधीक्षक अखिलेश ठाकुर ने उज्जवला ब्लड बैंक के माध्यम से पांचवीं बार निशुल्क रक्तदान करने का समर्थन किया हैं। इस कार्य में जिला कलेक्टर दीपक सोनी के मार्गदर्शन में कोंडागांव की टीम इंद्रधनुष ने संवेदना कार्यक्रम के तहत शिक्षा, स्वच्छता और स्वास्थ्य में जन सहयोग का प्रमोशन किया हैं। इस पहल में हलेंद्र गहलोत ने अपने संघर्षों के बावजूद निर्णायक योगदान किया हैं और उज्जवला ब्लड बैंक के माध्यम से समाज के लिए रक्तदान का स्त्रोत बना रखा हैं। इस समर्थन को प्रमोट करने के लिए अधीक्षक अखिलेश ठाकुर ने उन्हें सराहा हैं और उनके उत्साहपूर्ण प्रयासों की सराहना की हैं। इस कार्यक्रम के तहत, शिक्षा, स्वच्छता और स्वास्थ्य में लगातार जन सहयोग प्रदान करने का प्रयास किया जा रहा हैं, जो स्थानीय समुदाय को सशक्त बनाने में सहायक हैं। इस सामाजिक पहल के तहत, कोंडागांव की टीम इंद्रधनुष ने नए सोच और सहयोग की मिसाल प्रस्तुत की हैं और उनका प्रयास सराहनीय हैं।

डेंगू की रोकथाम हेतु सघन अभियान डेंगू के 01 नये प्रकरण मिले

पायनियर संवाददाता ✓ दुर्ग
www.dailypioneer.com

दुर्ग जिले के विभिन्न क्षेत्रों में जिनमें से भिलाई नगर निगम क्षेत्र व दुर्ग नगर निगम क्षेत्र में स्वास्थ्य विभाग व नगर निगम के अमले द्वारा डेंगू से संबंधित नियंत्रण व रोकथाम का कार्य निरंतर किया जा रहा है। आज 20 नवंबर 2023 को डेंगू एलिजा पॉजिटिव के 01 नये प्रकरण मिले। वर्तमान में डेंगू एलिजा पॉजिटिव 02 मरीज भर्ती है। जो हाउसिंग बोर्ड कैंप-1 भिलाई का रहवासी है। मरीजों के निवास क्षेत्रों में घर-घर जाकर स्वास्थ्य विभाग के मैदानी अमले द्वारा मास्किटो सोर्स रिडक्शन का कार्य दैनिक रूप से किया गया है। नगर निगम भिलाई, चरोदा रिसाली जनस्वास्थ्य विभाग, भिलाई इस्पात संयंत्र एवं नगर निगम दुर्ग की टीम के द्वारा लगातार डेंगू प्रभावित क्षेत्रों में लार्वा नष्टीकरण के लिए टेमीफॉस एवं एडिस मच्छर को नष्ट करने के लिए मेलाथियॉन से फागिंग का कार्य किया जा रहा है। मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी डॉ. जे. पी. मेश्राम के अनुसार डेंगू नियंत्रण एवं रोकथाम हेतु दुर्ग, भिलाई, चरोदा, रिसाली नगर निगम जनस्वास्थ्य विभाग, भिलाई इस्पात संयंत्र स्वास्थ्य विभाग ग्रामीण व शहरीय की टीम द्वारा कुल 184095 घरों का सर्वेक्षण किया जा चुका है, जांच किये कुलर पानी टंकी व अन्य कंटेनर की संख्या-209272 जिनमें से 86043 खाली कराये गये। सभी कटेनरों में 119610 स्थानों में टेमीफास डालकर लार्वा का नष्टीकरण किया गया, 180087 पाम्पलेट के माध्यम से डेंगू व मलेरिया से बचाव के लिए स्वास्थ्य शिक्षा दी गयी। जिले के मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी, जिला मलेरिया अधिकारी, सभी नगर निगम एवं मीडिया के द्वारा लगातार लोगों से यह अपील की जा रही है कि सप्ताह में एक दिन शुष्क दिवस के रूप में मनाया जाना डेंगू की रोकथाम एवं नियंत्रण के लिए उचित होगा।

स्ट्रांग रूम के मॉनिटरिंग हेतु सौंपा गया अधिकारियों को दायित्व

पायनियर संवाददाता ✓ दुर्ग
www.dailypioneer.com

कलेक्टर एवं जिला निर्वाचन अधिकारी पुष्पेन्द्र कुमार मीणा ने विधानसभा निर्वाचन-2023 के अंतर्गत मतदान पश्चात् स्ट्रांग रूम शंकराचार्य इंजीनियरिंग कॉलेज जुनवानी, भिलाई में ईव्हीएम/वीवी पैट मशीनों के सुरक्षात्मक दृष्टिकोण से उक्त स्थल में सुरक्षा व्यवस्था निगरानी एवं सूचनाओं के आदान-प्रदान हेतु संयुक्त कलेक्टर दीपक निकुंज मो. 7646910755, 8717833848 को नोडल अधिकारी नियुक्त किया है। जिला निर्वाचन अधिकारी के आदेशानुसार मतगणना स्थल कंट्रोल रूम में नोडल अधिकारी के सहायक अधिकारी अतिरिक्त तहसीलदार पाटन के रीना साहू मो. 9981283344, नायब तहसील दुर्ग ज्योत्सना वर्मा मो. 9644723855 एवं सहायक कार्यपालन अभियंता शशीकांत वर्मा मो. 7746061880 को 20 से 22 नवम्बर तक मतगणना स्थल में सुरक्षा, व्यवस्था, निगरानी एवं सूचनाओं को आदान प्रदान करेंगे। इसी प्रकार सहायक अधिकारी नायब तहसीलदार दुर्ग ढालसिंह बिसेन मो. 9303285570, अधीक्षक, भू-अभिलेख दुर्ग अजीत चौबे, उद्यान विकास अधिकारी मुकेश वासनिक मो. 9926171139 को 23 से 25 नवम्बर 2023 तक तथा सहायक अधिकारी अधीक्षक भू-अभिलेख दुर्ग आदित्य कुंजाम मो. 9981584877, उप अभियंता नगर तथा ग्राम निवेश दुर्ग संदीप पटेल मो. 9907164145 एवं उप अभियंता जल संसाधन विभाग राजेन्द्र कुमार सोनी मो. 9301805200 को 26 से 29 नवम्बर 2023 तक मतगणना स्थल में सुरक्षा, व्यवस्था, निगरानी एवं सूचनाओं को आदान प्रदान करेंगे। इसी तरह नोडल अधिकारी के सहायक अधिकारी नायब तहसीलदार धमधा कविता पटेल मो. 7999587670, सहायक अधीक्षक, भू-अभिलेख दुर्ग आलोक शुक्ला एवं उप अभियंता लोक निर्माण विभाग दुर्ग बालकिशन साहू मो. 9926753510 को 30 नवम्बर से 03 दिसम्बर तक मतगणना स्थल में सुरक्षा, व्यवस्था, निगरानी एवं सूचनाओं को आदान प्रदान करेंगे।

सेंट जेवियर्स हाई स्कूल कोटा में चाइल्ड डेवलपमेंट सेंटर का भव्य शुभारंभ

पायनियर संवाददाता ✓ कोटा
www.dailypioneer.com

सेंट जेवियर्स हाई स्कूल कोटा के प्रांगण में चाइल्ड डेवलपमेंट सेंटर का दिव्य आयोजन किया गया जिसका मुख्य उद्देश्य बच्चों के सर्वांगीण विकास हेतु बाल्यकाल से उनकी रुचि के अनुसार शिक्षा प्रदान करना है। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि गौरव शुक्ला (रजिस्ट्रार डॉ सी.वी. रमन यूनिवर्सिटी) एवं विशिष्ट अतिथि नैन्सी पारेख प्रधान पाठिका (सेंट जेवियर्स हाई स्कूल भरनी) उपस्थित रहे। कार्यक्रम का प्रारंभ मां सरस्वती की प्रतिकृति पर माल्यार्पण व सेंट फ्रांसिस की प्रतिकृति के समक्ष मोमबत्ती प्रज्वलित कर किया गया। विद्यालय की प्रधान पाठिका द्वारा अतिथियों को पुष्पगुच्छ प्रदान कर सम्मानित किया गया तथा उनके सम्मान में विद्यालय की शिक्षिकाओं द्वारा शॉवर्स आफब्लेसिंग गीत की प्रस्तुति दी गई तत्पश्चात कार्यक्रम के मुख्य अतिथि गौरव शुक्ला द्वारा अपने उदभोषण मैं बच्चों के सर्वांगीण विकास हेतु अभिभाको को संबोधित करते हुए कहा कि वे नौकरी के पीछे ना भागे वरन बच्चों की रुचि के अनुसार उन्हें अपना कार्य क्षेत्र चुनने की स्वतंत्रता प्रदान करें जिससे बच्चों व समाज का पूर्ण विकास हो सके उन्होंने चाइल्ड डेवलपमेंट सेंटर का शुभारंभ करने हेतु सेंट जेवियर्स हाई स्कूल कोटा को शुभकामनाएं दी तथा चाइल्ड डेवलपमेंट सेंटर की आवश्यकता क्यों है यह विस्तार पूर्वक समझाया तथा उन्होंने विद्यालय के बच्चों व शिक्षकों को डॉ.सी.वी.रमन द्वारा संचालित विभिन्न कार्यक्रमों में भाग लेने व विश्वविद्यालय के शैक्षणिक भ्रमण हेतु आमंत्रित किया। कार्यक्रम की विशिष्ट अतिथि नैन्सी पारेख जी द्वारा चाइल्ड डेवलपमेंट सेंटर मैं बच्चों के विकास हेतु मनोवैज्ञानिक कलात्मक व रुचिकर ढंग से अपने कार्यक्षेत्र में शिक्षा प्रदान कर उन्हें विभिन्न क्षेत्रों में अग्रेषित होने की प्रेरणा प्रदान की। मोंटेसरी के बाल कलाकारों द्वारा मनमोहक नृत्य नाटिका व फैंसी ड्रेस का आकर्षक प्रस्तुतीकरण किया गया। कार्यक्रम के अंत में विद्यालय की प्रधान पाठिका मधु मालिनी जॉन जी द्वारा कार्यक्रम में उपस्थित सभी अभिभावकों को धन्यवाद प्रदान किया व विद्यालय भ्रमण के लिए आमंत्रित किया। मंच का संचालन विद्यालय की अध्यापिका साक्षी दापुरकर द्वारा किया गया।

दीपावली एवं अन्य पर्वों में सीमित समय के लिए ग्रीन पटाखों के उपयोग पर दिया जोर

शासन के निर्देश पर पर्यावरण संरक्षण मंडल की कार्यवाही

पायनियर संवाददाता ✓ दुर्ग
www.dailypioneer.com

नेशनल ग्रीन ट्रिव्युनल, प्रिसिपल बेंच, नई दिल्ली द्वारा पटाखों के उपयोग के संबंध में पारित आदेश के परिपालन में इस वर्ष दीपावली के दिन पटाखें फोड़ने के लिये रात 08,00 बजे से 10.00 बजे तक का समय सीमा निधारित किया गया। अन्य पर्वों जैसे- छठ पूजा - प्रातः 06:00 बजे से प्रातः 08:00 बजे तक गुरू पर्व रात्रि 08:00 बजे से रात्रि 10:00 बजे तक नया वर्ष/ क्रिसमस - रात्रि 11:55 बजे से 12:30 बजे तक ही पटाखे फोड़े जाने का समय तय किया गया है। इसका पालन करने हेतु कड़ी निगरानी किया जाना है। कम उत्सर्जन करने वाले एवं हरित पटाखों का निर्माण एवं विक्रय किया जाना है। इसके अतिरिक्त अन्य पटाखों के उत्पादन एवं विक्रय पर रोक लगाया जाना है। छत्तीसगढ़ पर्यावरण संरक्षण मंडल भिलाई के क्षेत्रीय अधिकारी से मिली जानकारी अनुसार पटाखों के उपयोग के संबंध में अन्य निर्देश उच्चतम न्यायालय द्वारा रिट पिटीशन (सिविल) क्रमांक 728/2015 अर्जुन गोपाल विरूद्ध युनियन ऑफ इंडिया में पारित आदेश के परिपालन में सीरीज पटाखे अथवा लड़ियो के विक्रय, उपयोग एवं निर्माण को प्रतिबंधित करना है। केवल उन्ही पटाखों को विकय किया जाना है जिसका ध्वनि का स्तर निर्धारित सीमा (125 डेसीबल) के भीतर हो। आनलाईन अर्थात ई- व्यापारी वेबसाईटों जैसे फ्लिपकार्ट, अमेजॉन आदि से पटाखों की बिक्री प्रतिबंधित कर दी गई है। उच्चतम न्यायालय के निर्णयानुसार कम्युनिटी फायर क्रेकिंग के लिये नगरीय निकायों को अपने अधिकार क्षेत्र में एक उपयुक्त स्थल का निर्धारण शीघ्र कर आम जनता को उक्त स्थल की जानकारी आवश्यक रूप से दिया जाना सुनिश्चित करना होगा। पटाखों का बहुतायत में उपयोग होने से वायु प्रदूषण के स्तर में वृद्धि होती है। वायु प्रदूषण बढ़ने के कारण बिमारियों के घातक रूप की संभावना से इंकार नहीं किया जा सकता है। माननीय उच्चतम न्यायालय द्वारा दिये गये निर्देशों के संबंध मे व्यापक स्तर पर जनजागरूकता का प्रयास जारी है। छत्तीसगढ़ पर्यावरण संरक्षण मण्डल, भिलाई द्वारा दीपावली के अवसर पर शहर में परिवेशीय वायु गुणवत्ता का मापन का कार्य किया जा रहा है, जिसे पूर्ण करने के उपरांत मण्डल मुख्यालय के माध्यम से केन्द्रीय प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड, नई दिल्ली को प्रेषित की जाएगी।

कृषि शिक्षा के क्षेत्र में ई-लर्निंग को बढ़ावा देने में नेहरू पुस्तकालय आगे

नेहरू पुस्तकालय को मिला ई-लर्निंग का सर्वश्रेष्ठ पुरस्कार

पायनियर संवाददाता ✓ रायपुर
www.dailypioneer.com

इंदिरा गांधी कृषि विश्वविद्यालय, रायपुर को कर्सोटियम फॉर ई-रिसोर्सेस इन एग्रीकल्चर (सेरा) के बेहतर उपयोग एवं उसका अधिकतम पाठकों द्वारा सर्वश्रेष्ठ उपयोग किए जाने के लिए भारतीय कृषि अनुसंधान परिषद, नई दिल्ली द्वारा 2022 के राष्ट्रीय पुरस्कार से सम्मानित किया गया। यह पुरस्कार ओडिसा कृषि एवं प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय, भुवनेश्वर में आयोजित पुस्तकालयाध्यक्षों के सम्मेलन एवं सेरा एम्बेस्टर प्रशिक्षण कार्यक्रम के अवसर पर पुस्तकालयाध्यक्ष डॉ. माधव पाण्डेय ने कुलपति डॉ. पी.के. राउल (ओडिसा कृषि एवं प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय, भुवनेश्वर) एवं भारतीय कृषि अनुसंधान परिषद, नई दिल्ली के उच्चाधिकारी और सेरा प्रमुख डॉ. एच.के. त्रिपाठी की उपस्थिति में प्राप्त किया गया। इस पुरस्कार हेतु भारतीय कृषि अनुसंधान परिषद के विभिन्न संस्थानों एवं कृषि विश्वविद्यालयों में से सर्वश्रेष्ठ उपयोग करने के लिए नेहरू पुस्तकालय को चुना गया। इंदिरा गांधी कृषि विश्वविद्यालय रायपुर के नेहरू पुस्तकालय में भारतीय कृषि अनुसंधान परिषद, नई दिल्ली द्वारा ई-संसाधनों के बेहतर उपयोग के लिए कर्सोटियम फॉर ई-रिसोर्सेस इन एग्रीकल्चर (सेरा) की सेवायें उपलब्ध करायी जा रही है जिनके माध्यम से हजारों कृषि से संबंधित देशी-विदेशी शोध पत्रिकाएं, ई बुक, शोध ग्रंथ, रिव्यू, एडवांसेस, एब्सटेक्ट तथा फुलटेक्स्ट आर्टिकल की सुविधा पाठकों का प्रदान की जा रही है। विदित हो कि नेहरू पुस्तकालय को भारतीय कृषि अनुसंधान परिषद द्वारा, मध्यभारत का क्षेत्रीय पुस्तकालय घोषित किया गया है जहां लाखों की संख्या में शोध सामग्री एवं शोध ग्रंथ तथा ई-संसाधन उपलब्ध हैं, जिसे प्रतिवर्ष विद्यार्थियों द्वारा शोध लेख डाक्यूमेंट डिलीवरी सर्विस के माध्यम से न केवल उपलब्ध कराये जाते हैं, बल्कि देश के अन्य कृषि विश्वविद्यालयों के पुस्तकालयों से पाठकों के शोध कार्य हेतु ऑनलाइन शोध लेख मंगा कर उपलब्ध कराये जाते हैं। वर्ष 2021-22 में पाठकों के द्वारा सर्वाधिक 363484 (हिट्स) के माध्यम से सेरा का उपयोग किया गया । यहां रायपुर ही नहीं अपितु आस-पास के अन्य कृषि महाविद्यालयों के कृषि वैज्ञानिकों, प्राध्यापकों तथा विद्यार्थियों को ई-संसाधनों के बेहतर उपयोग के लिए प्रशिक्षण दिया जा रहा है जिसके लिए वर्ष 2018 से कर्सोटियम फॉर ई-रिसोर्सेस इन एग्रीकल्चर के बेहतर उपयोग एवं पुस्तकालय सेवाओं हेतु भारतीय कृषि अनुसंधान परिषद नई दिल्ली द्वारा इसे निरंतर पुरस्कृत किया जा रहा है। इस उपलब्धि एवं ई-कृषि शिक्षा के बेहतर उपयोग के लिए भारतीय कृषि अनुसंधान परिषद उप महानिदेशक (शिक्षा) डॉ. आर.सी. अग्रवाल, सहायक महानिदेशक डॉ. बिमलेश मान एवं कुलपति डॉ. गिरीश चंदेल तथा विश्वविद्यालय के शीर्षस्थ उच्चाधिकारियों ने हार्दिक बधाई दी है ।

शिविर के द्वारा 40 युनिट ब्लड किया गया एकत्रित

पायनियर संवाददाता ✓ दुर्ग
www.dailypioneer.com

कलेक्टर पुष्पेंद्र कुमार मीणा, सीएमएचओ डॉक्टर जेपी मेश्राम, सिविल सर्जन सह मुख्य अस्पताल अधीक्षक डॉक्टर ए. के. साहू के निर्देशानुशार जिला चिकित्सालय दुर्ग में भर्ती क्रिटिकल पेशेंट, सिकलिन, थैलीसीमिया, डिलीवरी, डेंगू से पीड़ित जैसे मरीजों के लिए आपात स्थिति को देखते हुए रक्त की उपलब्धता बनाए रखने हेतु दुर्ग जिला रक्त केन्द्र के द्वारा श्री जलाराम जयंती के अवसर पर जिला दुर्ग के द्वारा 19 नवंबर 2023 को रक्तदान शिविर का आयोजन किया गया। जिसमें 40 यूनिट ब्लड एकत्रित किया गया। दुर्ग जिला रक्त केंद्र के नोडल अधिकारी डॉक्टर प्रवीण कुमार अग्रवाल के नेतृत्व एवं मार्गदर्शन एवं डॉ निकिता श्रीवास्तव, काउंसलर एंथोनी, स्टॉफनर्स सती गुप्ता, तरुणा रावत लैब सुपरवाइजर रूपेश सर्पे, लैब टेक्नीशियन तरन्नुम जहां, निगार परवीन, चतुर्थ श्रेणी कौशल साहू, ब्लड बैंक डाटा एंट्री ऑपरेटर प्रियांशा देवांगन, नवदृष्टि फाउंडेशन के राज अड़तीया आदि के विशेष सहयोग से कैंप का सफल सम्पादन किया गया।

छठ पूजा के दौरान जमकर मारपीट महिलाएं भी एक दूसरे पर झपटीं

अंबिकापुर। छठ पर्व के अंतिम दिन जिले में दो पक्षों में छठ घाट पर जमकर मारपीट हुई। इस दौरान पुरुषों के साथ महिलाएं भी हाथ चलाती दिखाई दीं। जानकारी के अनुसार, छठ पूजा के दौरान सुबह अर्घ्य देने अंबिकापुर के शंकर घाट में बड़ी संख्या में श्रद्धालु पहुंचे हुए थे। इसी दौरान दो पक्षों में जमकर मारपीट हो गई.

भीतरघातियों के खिलाफ कार्रवाई की तैयारी जुटी कांग्रेस : भाजपा

प्रतिवेदन तैयार किया जा रहा, दोनों दलों में दर्जनों के खिलाफ शिकायत

पायनियर संवाददाता ✓ खैरागढ़
www.dailypioneer.com

खैरागढ़ विधानसभा चुनाव के दौरान कांग्रेस और भाजपा के सामने अपने प्रतिद्वंदियों के अलावा भीतरघातियों से निपटने की भी बड़ी चुनौती रही। अब दोनों चरणों का मतदान खत्म होने के बाद पार्टियां ऐसे चिन्हित नेताओं के खिलाफ मिली शिकायतों पर कार्रवाई का खाका तैयार कर रहीं हैं। दोनों प्रमुख दलों में भीतरघात और खुलकर पार्टी विरोधी कार्य करने वाले कार्रवाई के दायरे में हैं। भाजपा ने इस मामले में तेवर दिखाते एक सक्रिय कार्यकर्ता को निष्कासित भी कर दिया है। जबकि कांग्रेस में तीन दर्जन से अधिक पार्टी पदाधिकारियों, निर्वाचित प्रतिनिधियों पर पार्टी विरोधी कार्य करने पर कार्यवाही की तलवार लटक रही है। दलों के पास जानकारी है कि, विधानसभा चुनाव के दौरान भाजपा कांग्रेस दोनों तरफकई बड़े पदाधिकारियों ने जमकर भीतरघात किया है। चुनाव प्रक्रिया पूरी होने के बाद ऐसे मामलों की दोनों दलों में कलई भी खुल रही है।

कार्यकर्ताओं की ओर से संगठन को खबर दी गई है जिनमें साक्ष्यों के साथ भीतरघातियों के नाम सामने रखे गए हैं। इनकी पुष्टि के बाद प्रतिवेदन तैयार किया जा रहा है।

नतीजे प्रभावित होंगे

पार्टी पदाधिकारियों द्वारा अपने ही दल के प्रत्याशी के खिलाफ की गई घेराबंदी का प्रभाव स्पष्ट रुप से नतीजों पर भी पड़ेगा। मतगणना के बाद ही दलों की ओर से नेताओं-पदाधिकारियों के खिलाफ कार्रवाई की लंबी सूची सामने आ सकती है। मजबूत बूथों में भी पार्टी की हार पर इसका सीधा कनेक्शन संबंधित बूथों के प्रभारियों, जवाबदार नेताओं से जुड़ेगा। ऐसे में दोनों दलों की ओर से हार-जीत का अंतर और मंथन लगातार जारी है।

दर्जनों के नाम शामिल

पार्टी प्रत्याशी के खिलाफ कार्य करने, भीतरघात किए जाने के बाद सामने आ रहे नामों में कांग्रेस में दो दर्जन से अधिक नेताओं और पदाधिकारियों के नाम शामिल हैं। भाजपा में भी ऐसी लिस्ट लंबी बताई जा रही है हालांकि अब तक लगभग 20 से अधिक नाम सामने भी आए हैं। भाजपा ने इसमें एक नेता पर कार्यवाही भी करते उसे निष्कासित कर दिया है। अन्य नामों पर भी शिकायत और सूचना के बाद स्थिति साफ हो गई है। परिणाम के बाद ऐसे नेताओं के खिलाफ लगातार कार्यवाही होगी। कांग्रेस में भी कई वरिष्ठ पदाधिकारियों, नेताओं द्वारा भीतरघात किए जाने की शिकायतें आने के बाद इसकी पुष्टि की जा रही है। दोनों दलों में खैरागढ़, छुईखदान, गंडई, साल्हेवारा तक के पदाधिकारी और नेता शामिल बताए गए हैं। कांग्रेस भी परिणामों के बाद ही किसी प्रकार की कार्यवाही शुरू कर सकती है।

अध्यक्षों ने कहा - सख्त कार्रवाई की तैयारी

सत्ता दल के जिला अध्यक्ष गजेन्द्र ठाकरे ने भीतरघातियों के सवाल पर सख्त कार्रवाई करने की बात कही है। उन्होंने कहा कि, चुनाव चुनाव के दौरान पार्टी विरोधी कार्य करने, भीतरघात की कुछ शिकायतें सामने आई हैं। सभी शिकायतों पर साक्ष्य जुटाया जा रहा है। इसके बाद तत्काल कार्यवाही होगी। इधर, भाजपा जिला अध्यक्ष घम्मन साहू कह रहे हैं कि, पार्टी प्रत्याशी के खिलाफ काम करने, चुनाव में भीतरघात करने वाले 20 से अधिक पदाधिकारियों, नेताओं के खिलाफ शिकायतें मिली हैं और इनकी जांच कराई जा रही है। ऐसे लोगों पर पार्टी कड़ी कार्रवाई करेगी।

ढाबों में खुलेआम चल रहा पीने-पिलाने का दौर, पुलिस-आबकारी दोनों निष्क्रिय

स्कूल, मैदानों में शराबियों के डेरे से नहीं मिल रही निजात

पायनियर संवाददाता ✓ राजनांदगांव
www.dailypioneer.com

सार्वजनिक जगहों पर शराबखोरी के मामले कम नहीं हो रहे हैं। हालात तो ये हैं कि, शहर के बीचों बीच स्कूलों के मैदान और पार्किंग की जगहों पर शराबखोरी हो रही है। जगह-जगह शराबियों के डेरे से शहर को निजात नहीं मिल पा रही है। फ्लाई ओवर के नीचे, म्यूनिसिपल स्कूल मैदान, स्टेट स्कूल मैदान, कचहरी जैसी जगहों पर देर शाम मयकशों की महफिल सजती है। इन जगहों पर शराबियों पर पाबंदी लगाने की जरुरत लंबे अरसे से है लेकिन अब तक इस ओर कुछ किया नहीं जा सका है। स्कूल परिसर से लेकर, शासकीय कार्यालयों और गार्डन आदि में भी खुले आम शराबखोरी हो रही है। ऐतिहासिक स्थल त्रिवेणी परिसर से लेकर गौरवपथ में भी यही स्थिति निर्मित हो जाती है। शराब दुकानों के शहर से बाहर होने के बावजूद ऐसी स्थिति बन रही है। नगर के कई ठिकानों

पर अवैध शराब की बिक्री भी इसका बड़ा कारण है। कोचियों की सक्रियता पर भी पूरी तरह लगाम नहीं लग सकी है। यही कारण है कि शाम होते ही शहर का कई सार्वजनिक हिस्सा मयखाने में तब्दील हो जाता है। इससे माहौल खराब हो रहा। सार्वजनिक स्थल में शराब पीने वालों पर पुलिस कोई कार्रवाई नहीं कर रही है।

ढाबों की जांच नहीं

शराब दुकानों के आसपास और ढाबों में भी शराब पीने-पिलाने का दौर खुलेआम चल रहा है। लालबाग थाना क्षेत्र में आने वाले ढाबों में तो बेखौफ शराब पिलाई जा रही है। इन इलाकों में ढाबों का औचक निरीक्षण, बाहरी लोगों की मौजूदगी और ढाबों के कामगारों की जानकारी जुटाने में भी पुलिस दिलचस्पी नहीं दिखा रही है।

आबकारी विभाग झांकने तक नहीं जाता

शराब के मामले में आबकारी विभाग की गतिविधियां शून्य है। अमला न तो जांच के लिए कहीं जाता है और न ही शिकायतों पर कार्रवाई होती है। उड़नदस्ते की कार्यशैली भी संदिग्ध मालूम पड़ती है। खुलेआम शराबखोरी, ढाबों में शराब पिलाए जाने जैसे मामलों से आबकारी विभाग दूर है। आबकारी और पुलिस विभाग की मिलीजुली साझेदारी से ये गोरखधंधा जोरों से चल रहा है।

कांग्रेस दूसरी बार पूर्ण बहुमत के साथ सरकार बनाएगी : हफीज

पायनियर संवाददाता ✓ राजनांदगांव
www.dailypioneer.com

कांग्रेस नेता हफीज खान ने जारी बयान में कहा कि मुख्यमंत्री भूपेश बघेल के नेतृत्व में छत्तीसगढ़ में विधानसभा चुनाव सभी 90 सीटों पर लड़ा गया। जिसका सकारात्मक परिणाम तीन दिसंबर को मिलेगा। बघेल के नेतृत्व में प्रदेश में कांग्रेस दूसरी बार पूर्ण बहुमत के साथ सरकार बनाने जा रही है। खान ने कहा कि विधानसभा चुनाव को लेकर भाजपा पहले ही घबराई हुई नजर आई। शायद यही वजह रही कि प्रदेश में भाजपा द्वारा पूरे चुनाव के दौरान सर्वाधिक स्टार प्रचारकों को बुलवाकर चुनावी सभाएं ली गई। यहां तक कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को छत्तीसगढ़ में करीब दर्जनभर चुनावी सभाएं लेनी पड़ी। इतना ही नहीं भाजपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष जेपी नड्डा, केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह सहित कई बड़े नेताओं

को प्रदेश के मतदाताओं को लुभाने चुनावी सभाओं को संबोधित करना पड़ा। छत्तीसगढ़ प्रदेश कांग्रेस के प्रभारी कुमारी शैलजा एवं छत्तीसगढ़ प्रदेश कांग्रेस कमेटी के अध्यक्ष दीपक बैज ने प्रदेश में कांग्रेस प्रत्याशियों को जीताने प्रयास करते रहे। तीन दिसंबर को मतगणना के बाद छत्तीसगढ़ में लगातार दूसरी बार कांग्रेस पार्टी भूपेश बघेल के नेतृत्व में पूर्ण बहुमत के साथ सरकार बनाने जा रही है।

मोहरा मेला के लिए सजने लगा मैदान लेकिन बदहाली अब भी जस की तस

दो करोड़ की स्वीकृति और टेंडर के बाद भी नहीं हुआ काम

पायनियर संवाददाता ✓ राजनांदगांव
www.dailypioneer.com

अंचल में प्रसिद्ध मोहारा मेला की तैयारियां शुरु हो गई है। 26 नवंबर को यहां कार्तिक पूर्णिमा के मौके पर शिवनाथ नदी में ब्रह्म मुहूर्त में श्रद्धालु स्नान करेंगे। तदउपरांत दान-दक्षिणा का संकल्प किया जाएगा। इसके साथ ही यहां पुन्नी मेला आयोजित होगा। हर वर्ष इस मेले में आसपास के इलाकों से हजारों की भीड़ जुटती है। इस दौरान यहां तिल रखने के लिए भी जगह नहीं होती। यहां झूले लगाना शुरु कर दिया गया है। दुकानों के लिए जगह का आबंटन भी हो गया है। चूने से दुकानों के लिए जगह आरक्षित की जा रही है। दूसरी व्यवस्थाओं को लेकर भी तैयारियां की जा रही है। यहां मेले में जादूगर का खेल जैसे मनोरंजन के कई साधन उपलब्ध होते हैं। मिठाई और दूसरे तरह के व्यंजनों के ठेले और दुकानें भी सजती हैं। राज्य शासन एवं संस्कृति विभाग द्वारा तीन दिन रात में अलग-अलग लोक

कलाकारों द्वारा सांस्कृतिक कार्यक्रमों की प्रस्तुती दी जाती है। यह मेला 26 से 28 नवंबर के बीच आयोजित किया जाएगा। बहरहाल, मौजूदा समय में मोहारा मेला में व्यवस्था बनाना निगम के लिए एक बड़ी चुनौती है। मेला स्थल पहुंचने तक का बदहाल रास्ता अब तक दुरुस्त नहीं हो सका है। मैदान के भी उबड़खाबड़ होने से परेशानी होना निश्चित है। इन कार्यों के लिए पूर्व में दो करोड़ की स्वीकृति के बाद भी मेला स्थल और सड़क निर्माण का कार्य शुरु नहीं सका है। लगातार इस ओर ध्यान देने और काम शुरु करने की मांग होती रही लेकिन एक ढेला नहीं रखा जा सका। समय कम होने के कारण यहां बड़े काम तो नहीं होंगे लेकिन मैदान को दुरूस्त करने सहित अन्य तैयारी होने का दावा किया जा रहा है।

पुराना गुरुद्वारा में निःशुल्क जांच शिविर 30 को

जरूरतमंदों का नि:शुल्क बीपी एवं शुगर जांच

पायनियर संवाददाता ✓ राजनांदगांव
www.dailypioneer.com

पुराना गुरुद्वारा में 30 नवंबर तक निःशुल्क बीपी एवं शुगर जांच शिविर का आयोजन रखा गया है। शिविर सुबह आठ बजे से शुरू होगी। शिविर में निशक्त और जरूरतमंदों का निःशुल्क बीपी एवं शुगर जांच की जाएगी। गुरुनानक पैथोलॉजी लैब के विकास चौहान ने बताया कि शिविर में जरूरतमंदों को काफी राहत मिलेगी। गुरुनानक देव के पावन पर्व पर सात जांचे कम दर में की जाएगी।

गुरुनानक देव का प्रकाश पर्व 27 को

पायनियर संवाददाता ✓ राजनांदगांव
www.dailypioneer.com

गुरुनानक देव का प्रकाश पर्व 27 नवंबर को मनाया जाएगा। सिख समाज के द्वारा प्रकाश पर्व के पहले प्रतिदिन सुबह भजन कीर्तन किया जाएगा। प्रभातफेरी भी निकाली जाएगी। वहीं सिख समाज के प्रथम गुरु गुरुनानक देव के मानवता का संदेश लोगों तक पहुंचाया जाएगा। इस पर्व को लेकर शहर के गुरुद्वारा को रंगीन विद्युत झालरों से सजाया जाएगा। सिख समाज के लोगों में इस पर्व को लेकर उत्साह बना हुआ है। गत कई दिनों से साज सज्जा को लेकर तैयारी भी शुरू कर दी गई है।

नाबालिग से दुष्कर्म का आरोपी जेल भेजा गया

पायनियर संवाददाता ✓ राजनांदगांव
www.dailypioneer.com

थाना छुरिया पुलिस ने नाबालिग से दुष्कर्म के मामले में धारा 363, 366, 376 (2) (ढ) भादवि 4, 6 पाक्सो एक्ट के प्रकरण में आरोपी युवक को गिरफ्तार कर जेल भेज दिया है। तेंदूटोला निवासी आरोपी प्रदीप कुमार सहारे (21) पर एक वर्ष से नाबालिग को बहला-फुसलाकर संबंध बनाने के आरोप हैं। इसकी शिकायत पीड़िता के परिजनों ने की थी। मामले में त्वरित कार्यवाही करते हुए आरोपी की गिरफ्तारी के लिए टीम रवाना की गई थी। आरोपी को उसके घर से थाना लाकर पूछताछ की गई जिसके बाद विधिवत् गिरफ्तार कर न्यायालय के समक्ष प्रस्तुत किया गया। न्यायालय के आदेश पर आरोपी को जेल दाखिल किया गया।

गऊ माता को राष्ट्रमाता घोषित किए जाने की मांग

पायनियर संवाददाता ✓ राजनांदगांव
www.dailypioneer.com

राजनांदगांव। स्वदेशी गायों की लगातार घटती संख्या से चिंतित साहित्यिक तपोभूमि नगरी राजनांदगांव के गऊ सेवकों ने शासन स्तर पर गऊ माता को राष्ट्र माता घोषित किये जाने की मांग का समर्थन करते हुए राष्ट्रपति व प्रधानमंत्री के नाम ज्ञापन जिलाधीश डोमन सिंह को सौंपा।

गौरतलब हो, कि भारतीय गौ क्रांति मंच रजि. नयी दिल्ली के द्वारा गऊ कथावाचक संत श्री गोपाल मणि जी महाराज के नेतृत्व में व राष्ट्र माता गौ मंगलम अभियानम् के आयोजकत्व में आज 20 नवंबर (गोपाष्टमी तिथि) को दिल्ली के रामलीला मैदान में गऊ माता राष्ट्र माता प्रतिष्ठा आंदोलन किया गया।

निकाय परिसर में आंवला नवमी पर जुटेंगी महिलाएँ नगर पंचायत परिसर द्वारा बैठक व पेयजल व्यवस्था

पायनियर संवाददाता ✓ डोंगरगाँव नगर
www.dailypioneer.com

नगर पंचायत परिसर आंवला के पेड़ों से आच्छादित है। आंवला नवमी पर इस परिसर में प्रतिवर्षानुसार औ 21 नवंबर को आंवला पेड़ों की पूजा की जायेगी। नगर की महिलाओं के बड़ी संख्या में आंवला नवमी पूजन में सम्मिलित होने के मद्देनजर नगर पंचायत द्वारा महिलाओं को पूजन हेतु सुविधा प्रदान की जा रही है। निकाय द्वारा आंवला पेड़ों के नीचे साफ सफाई और बैठक व्यवस्था सहित पानी की व्यवस्था सुनिश्चित की जा रही है। उल्लेखनीय कि कार्तिक माह में शुक्ल पक्ष की नवमी तिथि को आंवला नवमी का व्रत रखा जाता है। इसे अक्षय नवमी भी कहा जाता है। ऐसी मान्यता है कि इस दिन आंवले पेड़ के नीचे पूर्व दिशा की ओर भगवान विष्णु का पूजन करने और जड़ों में दूध अर्पण किया जाता है। पेड़ के चारों तरफसूत लपेटकर कपूर या फिर देसी घी की बाती जलाकर

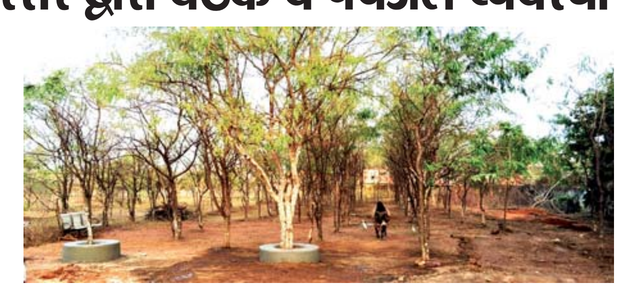

पूजा करने के बाद भगवान की आरती के साथ ही पेड़ की 108 बार परिक्रमा कर किसी ब्राह्मण, ब्राह्मणी या फिर गरीब को भोजन कराकर वस्त्र तथा दक्षिणा देने की मान्यता है। इस दिन भोजन में आंवला शामिल किया जाता है और आंवले का दान भी किया जाता है। पश्चात पेड़ के नीचे भोजन करना अत्यंत शुभ माना जाता है।

उपवास का प्रारंभ व समापन

उदयातिथि के आधार पर इस साल आंवला नवमी 21 नवंबर को मनाई जाएगी। पँचांग के अनुसार, आंवला नवमी तिथि 21 नवंबर 2023 दिन मंगलवार सुबह 03 बजकर 16 मिनट पर शुरू होगी। इसका समापन अगले दिन 22 नवंबर दिन बुधवार को रात 1 बजकर 09 बजे पर होगा।

आंवला नवमी हेतु शुभ मुहूर्त

इस नवमी पर पूजा का शुभ मुहूर्त मंगलवार को सुबह 6 बजकर 48 मिनट से शुरू होकर दोपहर 12 बजकर 7 मिनट तक रहेगा। इस दिन पूजा के लिए 5 घंटे से भी ज्यादा समय मिलेगा। वहीं इस दिन अभिजित मुहूर्त 11 बजकर 46 मिनट से दोपहर 12 बजकर 28 मिनट तक रहेगा।

श्याम जन्मोत्सव के द्वितीय दिवस आज निकलेगी निशान यात्रा

- श्री दासी श्याम मंदिर से भक्त उठाएंगे निशान
- श्याम प्रभु को चढ़ाए जायेंगें निशान

पायनियर संवाददाता ✓ राजनांदगांव
www.dailypioneer.com

खाटू वाले श्याम प्रभु के जन्मोत्सव पर आयोजित पंच दिवसीय महोत्सव के द्वितीय दिवस आज 21 नवंबर को भव्य निशान यात्रा श्री श्याम कुटी, रामाधीन मार्ग से निकाली जाएगी जो नगर भ्रमण करते हुए श्री हनुमान मंदिर में पहुंचेगी, जहां निशान श्याम प्रभु को समर्पित किए जायेंगें। महोत्सव को लेकर इस वर्ष युवाओं में विशेष उत्साह है। अनेक कार्यकर्ता जन्मोत्सव की सफलता के लिए दिनरात जुटे हुए हैं। श्री श्याम भरोसे परिवार के निखिल मिश्रा, श्याम शर्मा, दीपक पटेल, आयुष महोबिया, अभिषेक सेन, शुभम खुराना, अनुज शर्मा, प्रियांक श्रीवास्तव, ईशान शर्मा, कपिल शर्मा द्वारा जारी प्रेस विज्ञप्ति के अनुसार खाटू वाले श्याम प्रभु को निशान (धर्म ध्वजा) चढ़ाए जाने की परंपरा है। इसके लिए भक्त अपने हाथो में निशान उठाकर नगर भ्रमण करते हैं एवम श्याम प्रभु को निशान समर्पित करते हैं। संस्कारधानी नगरी में भी इसी परंपरा का निर्वहन करते हुए प्रतिवर्ष निशान यात्रा निकाली जाती है। आयोजन समिति के कपिल शर्मा, विनायक शर्मा, अंजय शर्मा, भानु अग्रवाल, आयुष कुमावत, अभिषेक शर्मा, आदित्य सोनी, चयन गायधने, लक्ष्य शर्मा, मयंक अग्रवाल, पार्थ सोनी, प्रांजल शर्मा, रचित कोटक, सागर अरतानी, सुयश शर्मा एवम राघव शर्मा ने बताया कि आज 21 नवम्बर को दोपहर 04:15 बजे श्री दासी श्याम मंदिर (श्याम कुटी) रामाधीन मार्ग से भव्य निशान यात्रा निकाली जाएगी, जिसमे आकर्षक रथ में श्याम प्रभु विराजमान होंगे एवम सैकड़ों भक्त माता बहने एवम बंधु अपने हाथो में निशान उठाकर श्याम प्रभु के जयकारा करते हुए यात्रा में शामिल होंगे। निशान यात्रा श्याम कुटी से प्रारंभ होकर रामाधीन मार्ग, तिरंगा चौक, भारत माता चौक, कामठी लाइन, दिल्ली दरवाजा होते हुए जी ई रोड से श्री हनुमान श्याम मंदिर पहुंचेगी। यहां भक्त अपने निशान श्याम प्रभु को समर्पित करेंगे।

दंतैल हाथी ने जमकर मचाया उत्पात, ग्रामीणों ने दहशत में गुजारी रात

बालोद। जिले के गुरुर वन परिक्षेत्र में दंतैल हाथी जमकर उत्पात मचा रहा है. बीती रात कई गांवों के अंदर दंतैल हाथी घुस गया और फसलों को नुकसान पहुंचाया. जिससे ग्रामीणों को दहशत में रात गुजारनी पड़ी. इस बीच वन विभाग की टीम ने ग्रामीणों से घरों में रहने की अपील की है. दंतैल हाथी को लेकर वन विभाग ने ग्राम जगतरा, सोहतरा, बिच्छीबाहरा, खैरडीगी, धनापुरी, ओड़ेनाडीह, डोकला आदि गांवों को अलर्ट किया है और जंगल नहीं जाने की अपील की है.

आवंला पेड़ के नीचे भोजन करेंगे परिवार

आंवला नवमीं आज: संतान और सुख-सौभाग्य, समृद्धि के लिए व्रत रखेंगे, पेड़ की पूजा होगी

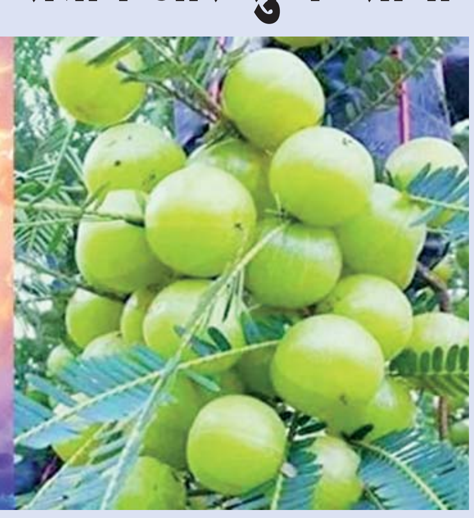

पायनियर संवाददाता ✓ राजनांदगांव
www.dailypioneer.com

कार्तिक माह की नवमी को आंवला नवमी मनाई जाने की तैयारियां की गई है। दिवाली के 8 दिन बाद यानी कार्तिक महीने के शुक्ल पक्ष की नवमी पर आंवले के पेड़ की पूजा के साथ व्रत किया जाता है। इसके एक दिन बाद देवउठनी एकादशी आती है। यह पर्व आज मनाया जाएगा। शहर के विभिन्न हिस्सों में छोटे उद्यान, देवालयों और अलग - अलग जगहों पर मौजूद आंवले के पेड़ का पूजन कर फिर वहां भोजन किए जाने की परंपरा रही है। मंगलवार को भी जगह-जगह ऐसे ही नज़ारे देखने को मिलेंगे। महिलाओं ने बताया कि - इस पर्व का महत्व काफी गूढ़ है। परंपरा के संदर्भ में बुजुर्ग और साधु-संतों ने काफी कुछ बताया है। शहर में तैयार किए गए कृष्ण कुंज में भी पर्व पर महिलाओं की अधिक संख्या में जुटने की संभावना है। इसके अलावा भी कई दूसरे उद्यानों और घरों में आवंले के पेड़ के नीचे पूरा परिवार जुटेगा।

संतान, सुख-समृद्धि के लिए मनाया जाता है पर्व

आज के दिन आंवले के पेड़ की पूजा का विशेष महत्व है। आंवला नवमी पर परिवार की सुख समृद्धि के लिए विधि-विधान से आंवला या अक्षय नवमी की पूजा अर्चना की जाती है। संतान प्राप्ति और सुख- सौभाग्य, समृद्धि के लिए रखे जाने वाला यह व्रत मां लक्ष्मी और विष्णु जी की पूजा के लिए भी खास है। कहा जाता है कि आंवले के पेड़ में साक्षात भगवान विष्णु का वास होता है, इसलिए इस दिन आंवले के पेड़ की पूजा करने के बाद इस दिन आंवले के पेड़ के नीचे भोजन करने की परंपरा है।

क्यूं होती है पूजा

ऐसा कहा जाता है कि अक्षय नवमी पर मां लक्ष्मी ने पृथ्वी लोक में भगवान विष्णु एवं भगवान शिव की पूजा आंवले के रूप में की थी और इसी पेड़ के नीचे बैठकर भोजन ग्रहण किया था। यह भी कहा जाता है कि आंवले के पेड़ के नीचे श्री हरि विष्णु के दामोदर स्वरूप की पूजा की जाती है। इसके चलते ही अक्षय या आंवला नवमीं के नाम से जाना जाने वाला यह पर्व विशेष महत्व रखता है।

दिसंबर में आएगी दिल्ली की सर्वेक्षण टीम

एसटीपी के साथ वेस्ट मैनेजमेंट का जायजा लेंगे

पायनियर संवाददाता ✓ राजनांदगांव
www.dailypioneer.com

स्वच्छता रैंकिंग के लिए दिल्ली की सर्वेक्षण टीम दिसंबर में शहर पहुंचेगी। जो शहर में सफाई व्यवस्था से लेकर वेस्ट मैनेजमेंट और सीवेज ट्रीटमेंट प्लांट का जायजा लेगी। इसके अलावा नियमित सफाई व्यवस्था को लेकर लोगों के फीडबैक भी लेगी।

इस बार सर्वेक्षण में कई अहम बदलाव किए गए हैं। सर्वेक्षण भी अलग-अलग चरण में हो रहा है। इसके लिए दिसंबर में टीम पहुंचेगी। जो शहर में कचरे के निष्पादन की व्यवस्था, गंदे पानी के ट्रीटमेंट के लिए सीवरेज ट्रीटमेंट प्लांट का जायजा लेगी। हालांकि यह दोनों ही सेगमेंट में शहर को बेहतर अंक मिलने की उम्मीद है। दरअसल बापूटोला में निगम का सेग्रीगेशन प्लांट मौजूद हैं, जहां कचरे का बेहतर ढंग से निष्पादन हो रहा है। इसके अलावा मोहड़ में सीवरेज ट्रीटमेंट प्लांट भी शुरू हो चुका है, जहां शहर के गंदे पानी का ट्रीटमेंट कर उसे कृषि के लिए रिलीज किया जा रहा है।

हालांकि वार्डों में सफाई व्यवस्था बदहाल है। जिससे सर्वेक्षण में मिलने वाले अंक में नुकसान हो सकता है। इसके अलावा सर्वेक्षण के दौरान लोगों से सीधे फीडबैक भी लिया जाना है। जिसमें निगम की सफाई व्यवस्था से संतुष्टि संबंधी सवाल पूछे जाएंगे। इस बार सर्वेक्षण के लिए 9500 अंक तक गए हैं, जिसका मूल्यांकन चार चरण में किया जा रहा है।

गलत ब्रांडिंग में फंसी तारा का अब होगा असली धमाका

अभिनेत्री तारा सुतारिया की आने वाली फिल्म 'अपूर्वा' के स्पेशल शोज होने शुरू हो चुके हैं। फिल्म समीक्षकों को इसके स्क्रीनर भी भेजे जा रहे हैं। फिल्म जिन लोगों ने भी अब तक देखी है, सबने फिल्म के निर्देशक निखिल नागेश भट के साथ ही फिल्म के सारे कलाकारों की भी जमकर तारीफ की है। एक रोड मूवी फिल्म वैसे भी हिंदी सिनेमा में कम बनती है, ऐसे में फिल्म 'अपूर्वा' में अपने दमदार अभिनय का फायदा तारा को मिलेगा या नहीं, ये उनकी पीआर टीम पर निर्भर करता है क्योंकि हर बार की तरह इस बार भी उनकी फिल्म आते ही उनके अफेयर का किस्सा उछल गया है।

तारा फिल्मों में अपनी एक्टिंग से ज्यादा अपने रोमांस की खबरों को लेकर सुर्खियों में रही हैं। अक्सर देखा गया है कि जब भी तारा सुतारिया की कोई फिल्म रिलीज होती है तो उनके रोमांस की खबरें शुरू हो जाती है और दर्शकों का ध्यान उनकी एक्टिंग की बजाय उनके रोमांस की खबरों पर केंद्रित हो जाता है। तारा सुतारिया की फिल्म अपूर्वा रिलीज होने जा रही है। इस फिल्म में तारा सुतारिया अब तक का सबसे अलग किरदार निभाती नजर आएंगी। अब सवाल यह है कि क्या इस बार उनके किरदार को दर्शक नोटिस करेंगे या फिर उनके रोमांस की खबरों के बीच इस फिल्म के किरदार को भी नजरअंदाज कर देंगे।

अभिनेत्री तारा सुतारिया के करियर पर नजर डाले तो उनकी जब भी कोई फिल्म रिलीज हुई, उनके अफेयर को उछाल दिया गया। चाहे वह उनके करियर की पहली फिल्म स्टूडेंट ऑफ द ईयर 2 के समय आदर्श जैन संग रोमांस का किस्सा रहा हो। फिल्म ,मरजावा की रिलीज के समय सिद्धार्थ मल्होत्रा के साथ उनके नाम की चर्चा लंबे समय तक चलती रही। और, अभी अपूर्वा की रिलीज के समय कार्तिक आर्यन के साथ उनके अफेयर की हवा बनाने के कोशिश की गई है। जाहिर है कि तारा सुतारिया न इस पर पहले कभी बात करती रही हैं और न ही अब बात कर रही हैं।

तारा सुतारिया भले ही किसी के साथ रिलेशनशिप में हों या न हों लेकिन फिल्म की रिलीज के समय उनके प्रेम प्रसंग को लेकर जो चर्चाएं शुरू होती है, इसे कहीं ना कहीं फिल्म की पब्लिसिटी से जोड़कर देखा जाता है। दर्शक उन खबरों को चटकारे लेकर पढ़ते तो हैं, लेकिन पब्लिसिटी के लिए उड़ाए गए प्रेम प्रसंग के चर्चे से फिल्म को कोई फायदा नहीं होता। दर्शक वही फिल्में देखना पसंद करते हैं,जिसकी कहानी और कलाकारों की परफॉर्मेंस अच्छी हो। और, 'अपूर्वा' की शुरुआती रिपोर्ट्स काफी अच्छी हैं। 'किल' से पहले रिलीज हो रही निर्देशक निखिल नागेश भट की इस फिल्म से न सिर्फ उनकी किस्मत चमक सकती है बल्कि तारा सुतारिया का भी लंबा संघर्ष खत्म हो सकता है। तारा सुतारिया की अब तक स्टूडेंट ऑफ द ईयर 2, मरजावा, तड़प, हीरोपंती 2 और एक विलेन रिटर्न्स जैसी फिल्में रिलीज हो चुकी हैं, लेकिन इनमे से ऐसी कोई फिल्म नहीं जिसमे तारा सुतारिया के परफार्मेंस को दर्शक याद रख पाए हो।

शारीरिक रूप से चुनौतीपूर्ण था घूमर में खिलाड़ी की भूमिका निभाना

अभिनेत्री सैयामी खेर और अभिनेता अभिषेक बच्चन की स्पोर्ट्स ड्रामा फिल्म घूमर सिनेमाघरों में अगस्त में रिलीज हुई थी, जिसे समीक्षकों की सकारात्मक प्रतिक्रिया मिली। अब यह फिल्म ओटीटी प्लेटफॉर्म पर रिलीज हो चुकी है। अब हाल ही में सैयमी खेर ने फिल्म के बारे में बात की। उन्होंने आर. बाल्की के निर्देशन में काम करने के अपने अनुभव के बारे में बात की। हाल ही में दिए एक साक्षात्कार में सैयामी खेर ने बताया कि कठिन समय के दौरान वे घूमर में किरदार के साथ भावनात्मक रूप से कैसे जुड़ीं। उन्होंने कहा, मैंने जो भूमिकाएं निभाई हैं, उनके संदर्भ में यह मेरे लिए सबसे भावनात्मक रूप से थका देने वाले अनुभवों में से एक है। इसने मुझे वास्तव में थका दिया है, क्योंकि मैंने अपने जीवन में कभी भी इतनी दर्दनाक चीज का सामना नहीं किया है। उन्होंने आगे कहा, यह मेरे लिए बहुत मुश्किल था, परिणामस्वरूप मुझे इस किरदार को निभाने के लिए अपने भीतर गहराई से उतरना पड़ा। इसके अलावा, मैं कई पैरा-एथलीटों के साथ बहुत समय बिताने और उनकी यात्रा को समझने के लिए भाग्यशाली थी। मुझे लगता है कि इससे मुझे अनीना बनने की अपनी यात्रा में सबसे अधिक मदद मिली। सैयामी खेर ने आगे कहा कि बाएं हाथ की खिलाड़ी होना उनके लिए शारीरिक रूप से चुनौतीपूर्ण था, क्योंकि वे स्वाभाविक रूप से दाएं हाथ की खिलाड़ी हैं। उन्होंने कहा, मुझे अपने गैर-प्रमुख हाथ से क्रिकेट खेलना सीखना पड़ा। अभिषेक बच्चन और सैयामी को खेर की फिल्म घूमर शुक्रवार, 10 नवंबर को ओटीटी प्लेटफॉर्म जी5 पर रिलीज हुई। सिनेमाघरों में रिलीज होने के तीन महीने बाद अब यह फिल्म ओटीटी पर उपलब्ध है।

अलीजेह के एक्ट्रेस बनने की बात पर कैसा था सलमान का रिएक्शन

बॉलीवुड में कई स्टारकिड्स की एंट्री हो चुकी है और रोजाना कई नए चेहरे फिल्म इंडस्ट्री में कदम रख रहे हैं। एक तरफ जहां शाहरुख खान की बेटी सुहाना, बोनी कपूर की बेटी खुशी और अमिताभ बच्चन के नाती अगस्त्य नंदा द आर्चीज से बॉलीवुड में एक्टिंग डेब्यू कर रहे हैं, दूसरी तरफ सलमान खान की भांजी फर्रे से एक्टिंग डेब्यू कर रही हैं। हाल ही इस फिल्म का ट्रेलर रिलीज किया गया था, जिसमें अलीजेह ने हैरान किया। नवभारत टाइम्स से बातचीत में अलीजेह ने फर्रे के साथ- साथ उनके एक्ट्रेस बनने पर सलमान व मम्मी-पापा के रिएक्शन के बारे में बात की।

अलीजेह फिल्मी परिवार से ताल्लुक रखने के नाते क्या आप हमेशा से एक्ट्रेस बनना चाहती थीं?

बचपन में तो मैंने सोचा नहीं था कि मैं एक्ट्रेस बनूंगी। मैं किसी क्रिएटिव फील्ड में जाना चाहती थी। देखने मुझे फिल्ममेकिंग, राइटिंग और देखने में रुचि थी, मगर फिर धीरे-धीरे एक्टिंग की तरफ खिंचने लगी। मगर मैं एक्टिंग के क्षेत्र में अच्छी तरह से तैयारी करके आना चाह रही थी। तीन साल तक मैं अलग-अलग टीचर के साथ वर्कशॉप में लगी रही। इसमें मुझे काफी कुछ सीखने का मौका मिला। तब जाकर मैंने अभिनय में किस्मत आजमाने की सोची।

जब आपने अपनी मॉम (अलवीरा अग्निहोत्री) और डैड (एक्टर-डायरेक्टर अतुल अग्निहोत्री) के सामने अपनी एक्ट्रेस बनने की मंशा जाहिर की, तब उनकी क्या प्रतिक्रिया थी?

फिल्मों की तरफ मेरे आकर्षण को तो उन्होंने भांप लिया था, मगर जब मैंने उनके सामने अभिनेत्री बनने की इच्छा जाहिर की, तो उनका कहना था, ओह, ये तो नया है। उनकी बस एक ही सीख थी कि ये रास्ता आसान नहीं है। आपको बहुत मेहनत करनी होगी। सच कहूं, तो मुझे उनका तीन-चार साल तक अभिनय के लिए अप्रूवल मिला नहीं। वे लगातार कहते रहे कि तरह-तरह की वर्कशॉप करो। अंतत: 3-4 साल बाद जब मैंने स्क्रीन टेस्ट दिया और वो उनको बताया, तब उनका कहना था, अभी थोड़ी-सी एक्टिंग कर सकती हो तुम, अब ऑडिशन के लिए जा सकती हो। उनका ये भी कहना था कि आप अगर इंडस्ट्री फैमिली से आती हो, तो आपको और अच्छा करना है, आपके पास एक्सक्यूज नहीं होता। आपके पास सारे के सारे साधन हैं, तो आपको डबल मेहनत करनी होगी।

आपके मामा सलमान खान का क्या रिएक्शन था?

वो तो बहुत कूल थे। उनका कहना था, रिलेक्स, सटल रहो। उनको कोई एतराज नहीं था। हम फिल्मी परिवार से हैं, हमारे परिवार में फिल्मों के अलावा कोई कुछ करता ही नहीं है। सभी लोग फिल्मों में काम करते हैं, चाहे वो प्रोड्यूसर हों, अभिनेता हों या लेखक। यही हमारा फैमिली बिजनेस है। हम सभी फिल्मों से बहुत प्यार करते हैं। मेरे नाना ने लेखक के रूप में शुरुआत की थी। हम बहुत ही ब्लेस्ड हैं कि उनकी वजह से हम इंडस्ट्री में काम कर पा रहे हैं। जब मैंने सलमान मामू को बताया था कि मैं अभिनय करना चाहती हूं, तो वे बेहद खुश हुए।

सलमान खान एक फैमिली मैन के रूप में जाने जाते हैं, आपके साथ उनकी बॉन्डिंग कैसी है?

हमारा पूरा परिवार एक-दूसरे के साथ गहराई से जुड़ा हुआ है। हम सब एक-दूसरे के बेहद करीब हैं। मैं सलमान मामू के भी बेहद क्लोज हूं। उनको जब भी मौका मिलता है, वह हमारे साथ समय बिताते हैं। उन्होंने आज तक मुझे डांटा। वह मुझे बहुत प्यार करते हैं। मैं घर में पहली लड़की रही हूं, इकलौती लड़की रही हूं। अर्पिता की बेटी अभी काफी छोटी है, तो अब तक मुझे ही प्यार मिलता आया है। हमारे घर में कोई बात सीक्रेट नहीं रहती। सब को सब पता होता है। हम साथ में लंच करते हैं। जब भी समय मिलता है, हम नाना (सलीम खान) के घर चले जाते हैं और फिर सब साथ में मिलकर खाते-पीते हैं। हमारे घर में सभी लोग दिल से से यंग हैं। हम सभी खूब मजे करते हैं। इस उम्र में भी नाना की एनर्जी देखते बनती है।

सलमान खान ने अपनी फिल्मों में कभी किसिंग सीन नहीं किए, क्या ऐसा कोई रिजर्वेशन आपके लिए था उनकी तरफ से?

उन्होंने ऐसा कुछ विशेष रूप से नहीं कहा। उनका सिर्फ इतना कहना था कि जो भी करो दिल से करो। कोई भी काम कि आप पर कोई दबाव डाल रहा है। अगर आपको कोई किरदार अच्छा लग रहा है, तो उसे दिल से करो। उनका कहना है कि आप युवा हैं और आपका मौका है एक्सप्लोर करने का। वह मेरे लिए हमेशा सपोर्टिव रहे हैं। फर्रे को लेकर भी उनका बहुत सहयोग रहा है। उनका ऐसा कोई रिजर्वेशन नहीं था कि लड़की है, तो ऐसे लॉन्च होनी चाहिए।

अब आप बॉलीवुड में हैं, शोहरत के साथ-साथ आपको आलोचनाएं भी मिलेंगी? क्रिटिसिज्म के लिए तैयार हैं आप?

आप इस चीज के लिए कभी तैयार नहीं हो सकते। आलोचना जब जैसे आएगी, आपको उस हिसाब से जवाब देना होगा, मगर लोगों को ये भी समझना होगा कि ये मेरी पहली फिल्म है और ये परफेक्ट नहीं हो सकती। जानती हूं कि लोग कुछ न कुछ तो बोलेंगे। ये जरूर होगा, मगर मुझे लगता है कि एक एक्टर के लिए आलोचना जरूरी है। अगर आपके पास सकारात्मक आलोचना नहीं हो, तो आपके लिए आगे बढ़ पाना थोड़ा मुश्किल हो जाता है। मैं आलोचना से नहीं घबराती, मैं उसे देखते हुए बड़ी हुई हूं।

परेश रावल ने वेलकम 3 पर दिया बड़ा अपडेट

अभिनेता परेश रावल अपनी अदाकारी से लाखों दिलों पर राज करते हैं। अब तक कई कॉमेडी फिल्मों में उन्होंने यादगार किरदार निभाए हैं। इन्हीं मे से एक हेरा फेरी और वेलकम फेंचाइजी की फिल्में भी हैं। इन फिल्मों में परेश ने अहम भूमिकाएं निभाई हैं। दोनों ही फेंचाइजी की अगली किस्त में भी वह नजर आने वाले हैं। इस बीच दोनों फिल्म के अगले भाग को लेकर अभिनेता ने बड़ा अपडेट दिया है। हाल ही में एक बातचीत में परेश ने बताया कि वे जल्द ही फिल्म वेलकम 3 की शूटिंग शुरू करेंगे। अपना उत्साह व्यक्त करते हुए 68 वर्षीय अभिनेता ने कहा कि प्रशंसकों की पसंदीदा फेंचाइजी के लिए नया पार्ट बनाना एक चुनौतीपूर्ण काम है। पीटीआई से बात करते हुए परेश ने कहा,हम दिसंबर में वेलकम 3 की शूटिंग शुरू करेंगे और हम इसे अगले साल रिलीज करेंगे। हेरा फेरी 3 भी जल्द ही आएगी। किसी फेंचाइजी फिल्म में अगर कहानी अच्छी नहीं है तो वह जल्दी खत्म हो जाती है। ऐसा हंगामा 2 के साथ हुआ। हंगामा एक अच्छी फेंचाइजी थी, लेकिन भाग दो ने अच्छा प्रदर्शन नहीं किया। जब आपके पास कोई लोकप्रिय किरदार या फिल्म हो तो आपको कुछ अलग करने का प्रयास करना चाहिए। अगर आप कोई फेंचाइजी बना रहे हैं तो आपको मुन्ना भाई फेंचाइजी जैसा कुछ बनाना चाहिए। यह एक अच्छी तरह से बनाई गई फिल्म है।

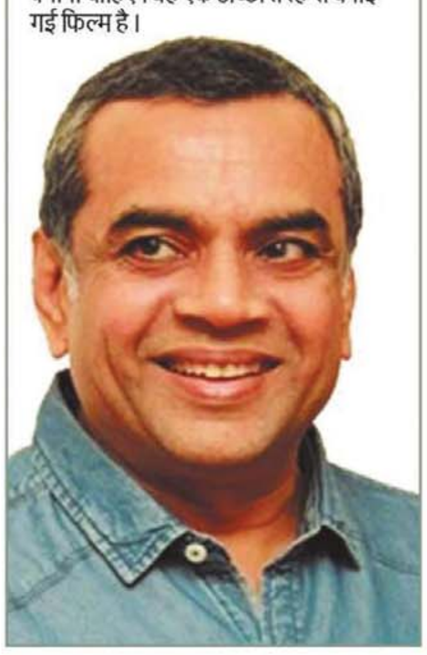

जूनियर एनटीआर अपने एक्शन सीन खुद शूट करेंगे

विलेन के रोल में नजर आएंगे

फिल्म 'वॉर-2' की शूटिंग शुरू हो चुकी है। बीते दिनों सोशल मीडिया पर डायरेक्टर अयान मुखर्जी की स्पेन में फिल्म के सेट से कई तस्वीरें वायरल हुईं। हालांकि, अभी तक जूनियर एनटीआर ने फिल्म की शूटिंग जॉइन नहीं की है। रिपोर्ट्स की मानें तो एनटीआर जनवरी से इस फिल्म पर जुटेंगे। वो इन दिनों गोवा में 'देवारा पार्ट 1' की शूटिंग कर रहे हैं। एनटीआर इस साल के अंत तक इस फिल्म की शूटिंग पूरी करके वॉर-2 पर काम शुरू करेंगे।

'आरआरआर' में भी खुद किए थे अपने एक्शन सीक्वेंस

वहीं कुछ रिपोर्ट्स की मानें तो एनटीआर फिल्म में अपने इंटेंस एक्शन सीक्वेंस की शूटिंग खुद करेंगे। वो इस फिल्म के लिए बॉडी डबल का यूज नहीं करेंगे। एनटीआर अपने एक्शन सीक्वेंस को लेकर काफी पार्टिकुलर हैं। उन्होंने फिल्म 'आरआरआर' में भी ऐसा ही किया था, जिसके लिए उन्हें काफी एप्रिसिएशन मिला था।

ऋतिक के साथ फेस ऑफ सीक्वेंस शूट करेंगे

चूंकि एनटीआर इस फिल्म में विलेन का रोल प्ले कर रहे हैं। ऐसे में फिल्म में एनटीआर और ऋतिक का एक फेस ऑफ सीक्वेंस भी होगा। वहीं सूत्रों की मानें तो एनटीआर 'वॉर-2' की शूटिंग जनवरी में शुरू करके इसे अप्रैल तक पूरा कर लेंगे। ऐसा इसलिए क्योंकि इसके बाद वो प्रशांत नील की फिल्म की शूटिंग पर जुटेंगे।

ऋतिक दिसंबर से शुरू करेंगे शूटिंग

बात करें ऋतिक रोशन की तो उन्होंने हाल ही में उन्होंने सिद्धार्थ आनंद की 'फाइटर' की शूटिंग कंप्लीट की है। बीते शनिवार को उन्होंने मेकर्स के साथ एक प्रोमो शूट किया है। हालांकि, वे पूरी तरह से दिसंबर में इस पर जुटेंगे। नवंबर तक वे फिल्म 'फाइटर' के पोस्ट प्रोडक्शन का काम कंप्लीट करेंगे।

पुराने जमाने की हर चीज़ बेहतर थी और अबकी खराब, यह मानना गलत है : अजय ब्रह्मात्मज

आज के दौर के फिल्मी कलाकारों के सामने चुनौतियाँ अधिक हैं

प्रभा खेतान फाउंडेशन के कार्यक्रम कलम में मशहूर फिल्म समीक्षक और लेखक अजय ब्रह्मात्मज शामिल हुए। उनसे गौरव गिरिजा शुक्ला ने बातचीत की। हयात रायपुर में आयोजित हुए इस कार्यक्रम के सहयोगी हैं श्री सीमेंट, अभिकल्प फाउंडेशन और एहसास वूमन।

अजय ब्रह्मात्मज ने अपने साहित्यिक सफर के बारे में बात करते हुए बताया कि बिहार के दरभंगा के नजदीक के गाँव से उनके सफर की शुरुआत हुई। बचपन में पढ़ाई में होशियार नहीं थे। ग्रेजुएशन के बाद दिल्ली जेएनयू में आगे की शिक्षा के लिए चले गए। 1986 से 1991 तक चीन में विदेशी भाषा से संबंधित विभाग में नौकरी करने का अवसर मिला। उसके बाद मुंबई चले आए। उन्होंने बताया कि अगले कुछ वर्षों तक फ्रीलांस पत्रकारिता और लेखन करते रहे। मुंबई के शुरुआती दिनों में ही फिल्म कलाकार इरफ़ान खान से दोस्ती हुई, और धीरे-धीरे संबंध प्रगाढ़ होते गए।

इरफ़ान और कुछ अन्य दोस्तों के कहने पर फिल्मी पत्रकारिता की ओर ध्यान देना और काम करना शुरु किया। धीरे-धीरे ये फील्ड उन्हें अच्छा लगने लगा और अनेक कलाकारों, निर्देशकों लेखकों से उनके संबंध बनने लगे। उन्होंने एक संस्मरण का जिक्र करते हुए बताया कि अमिताभ बच्चन के घर ढाई घंटे का इंटरव्यू करने के दौरान एक महानायक अपने पिता को याद करते हुए किस तरह बेटा हो जाता है यह महसूस करने का मौका मिला।

फिल्मी पत्रकारिता में आज की चुनौतियां

पाठकों के सवालों पर उन्होंने बताया कि आज डिजिटल की दुनियाँ में बहुत सी चुनौतियाँ हैं। ऐसा नहीं है कि हम हमेशा यह मानते रहें कि पहले का जमाना ही ठीक था और आज सब खराब हो चुका है। पहले हमें किसी खबर के लिए इत्मीनान से एक दिन से लेकर एक हफ्ते तक रिपोर्टिंग करने का मौका मिलता था। लेकिन आज सबको एक घंटे में स्टोरी चाहिए। ऐसे में रिपोर्टरों का धैर्य भी जवाब दे देता है। उन्होंने याद करते हुए बताया कि 90 के दशक में फिल्म निर्देशक बासू भट्टाचार्या ने उन्हें इंटव्र्यू देने के लिए एक हफ्ते का इंतजार करवाया और उसके बाद अपना इंटरव्यू करने दिया। लेकिन आज के पत्रकार के पास इतना समय नहीं है। आज के दौर की मांग है कि वह इतना इंतजार करने के बजाए किसी और का साक्षातकार करे और छाप दे।

जिंदगी में कोई रिग्रेट नहीं-

उन्होंने बताया कि जिंदगी के खराब अनुभवों को बहुत ज्यादा दिनों तक ढोते नहीं रहना है। अगर कोई फैसला गलत हो गया, या किसी से संबंध खराब हो गए, तो इन सब बातों में अपने दिल को दुखी कर बहुत दिनों तक रोना नहीं चाहिए। आगे बढ़ने का नाम जिंदगी है।

कार्यक्रम में आईएएस अधिकारी और साहित्यकार संजय अलंग ने लेखक अजय ब्रह्मात्मज को स्मृति चिह्न देकर सम्मानित किया। कल्पना मिश्रा ने सभी अतिथियों के प्रति आभार व्यक्त किया। कार्यक्रम में शहर के अनेक गणमान्य साहित्यप्रेमी उपस्थित थे।

5 खरीदी केंद्रों में जाम की स्थिति बफर लिमिट से अधिक धान मौजूद

72 घंटे के भीतर उठाव किये जाने नियम का नहीं हो रहा पालन

- खरीदी सीजन का 20 दिन बीत जाने के बाद 76 केंद्रों में बायोमेट्रिक का हुआ इंस्टालेशन

पायनियर संवाददाता ∢ बालोद
www.dailypioneer.com

ज़िले में जहां एक ओर धान की खरीदी शुरू होते ही केंद्रों में बम्पर आवक हो रही हैं, तो वही दूसरी कर कुछ खरीदी केंद्रों में बफर लिमिट से अधिक धान रखा हुआ है। समय रहते इन केंद्रों से अगर धान का उठाव नहीं हुआ तो यहां जाम की स्थिति पैदा हो सकती है। हालांकि जिला विपणन विभाग लगातार डीओ कटने और अनुबंधित राइस मिलरो द्वारा धान उठाने का दावा कर रहा है। किंतु दावे और हकीकत में ज़मीन आसमान का अंतर हैं। जितनी तेज गति से खरीदी और डीओ जारी हो रहा है, उतनी गति से धान का उठाव नही किया जा रहा है। बता दे कि अभी जिला विपणन विभाग द्वारा डीओ ही जारी किया जा रहा है, टीओ जारी भी किया जा रहा है। लेकिन यही स्थिति रही तो टीओ भी जारी करने की नौबत आ सकती है। यानी कि धान को संग्रहण केंद्रों में रखा जाएगा। धान खरीदी केन्द्रों से धान का उठाव 72 घंटे के भीतर शुरू कराने का निर्देश बालोद जिले में धरा का धरा रह गया। जिससे कुछ खरीदी केन्द्र में धान से भरे बारदानों का ढेर लग गया है। बता दे कि शासन द्वारा स्पष्ट निर्देश है कि खरीदी केंद्रों से धान का उठव 72 घंटे के भीतर हो जाने चाहिए। पर इसका अक्षरसह पालन जिले में कहीं नहीं किया जा रहा। लिहाजा 5 केंद्रों में धान बफर लिमिट के ऊपर जाम पड़े हैं। जिसमें चूहे अथवा दीमक कुछ दिनों में अपने घर बनाते दिखेंगे। क्योकि बारदानों को चूहे के कूतरने से स्टेकिंग की हुई धान के गिरने का भय बना रहता है, जिसके पुनः स्टेकिंग से हमाली का खर्च अधिक बढ़ जाता है।

5 केंद्रों में जाम की स्तिथि

जिले के 5 खरीदी केंद्रों में बफर लिमिट से अधिक रखा हुआ है। कोसागोंदी केंद्र में 300 मीट्रिक टन, कोचवाही केंद्र में 150 मीट्रिक टन, घीना केंद्र में 200 मीट्रिक टन, फरदफोड़ केंद्र में 242.5 मीट्रिक टन, भर्रीटोला केंद्र में 300 मीट्रिक टन और मोहारा खरीदी केंद्र में सर्वाधिक 400 मीट्रिक टन धान रखा हुआ है। अब तक इन केंद्रों में 3 हजार 62.16 मीट्रिक धान की खरीदी गई हैं। वही मिलर्स द्वारा 1 हजार 139 मीट्रिक टन धान का डीओ के माध्यम से किया गया है। और 1 हजार 923.16 मीट्रिक टन धान का डीओ/टीओ जारी नही हुआ है। जिसकी वजह से समिति में 1 हजार 612.50 मीट्रिक टन धान बफर लिमिट हैं।

पर्याप्त बारदाना नही, बारदाने की कमी

उल्लेखनीय हो कि जिले के 143 धान खरीदी में 1 नवम्बर से सोमवार तक कि स्तिथि में 18 हजार 869 किसानों ने 6 लाख 11 हजार 082.40 क्विंटल धान बेचा है। जिसकी कुल राशि 134 करोड़ 44 लाख 98 हजार 774 है। जिसमें 52.03 करोड़ लिंकिंग वसूली की राशि है। वही 1 लाख 60 हजार 32 क्विंटल धान का परिवहन किया जा चुका है, व 4 लाख 46 हजार 93.20 क्विंटल धान का उठाव किया जाना शेष हैं। वही धान खरीदी हेतु आगे 3 करोड़ 86 लाख 50 हजार 108 बारदानों की और आवश्यकता है। लेकिन नए पुराने कुल 75 लाख 40 हजार 39 बारदाने ही मात्र उपलब्ध है।

आज के लिए 2527 टोकन जारी

शुक्रवार से रविवार 3 दिनों तक खरीदी बंद होने के बाद सोमवार को जिले के 142 खरीदी केंद्रों में धान की खरीदी हुई। जिसमे 3 हजार 76 किसानों का 1 लाख 17 हजार 934.80 क्विंटल का टोकन जारी हुआ था। लेकिन 2 हजार 714 टोकन से 89 हजार 246.40 क्विंटल की खरीदी हुई। शेष किसान आज धान बेचेंगे। वही 141 धान खरीदी केंद्रों के लिए 2 हजार 527 टोकन एक लाख 19 हजार 202 क्विंटल का जारी किया गया है। बता दे कि धान खरीदी के मामले में प्रदेश में बालोद जिला चौथे स्थान पर है।

76 केंद्रों में बायोमेट्रिक हुआ एक्टिवेट

जिले के खरीदी केंद्रों में अब बायोमेट्रिक से धान खरीदी की जा रही है। जिला विपणन अधिकारी सौरभ भारद्वाज ने बताया की जिले के 143 केंद्रों में बायोमेट्रिक मशीनें पहुच गई है, वही 76 केंद्रों में एक्टिवेट भी हो गई है, बाकी जगह इंस्टालेशन का कार्य जारी हैं। पहले टेंडर मुख्यालय लेबल से ओपन नही हुआ था। डिवाइस आया नही था। लेकिन दीपावली से मशीनें आ गई थी, खरीदी बायोमेट्रिक से की जा रही है। ट्रेनिंग भी दी जा रही है, इस सप्ताह के बाद से पूरी खरीदी बायोमेट्रिक से ही होगी। वही जिला खाद्य अधिकारी तुलसी ठाकुर ने बताया कि जिन केंद्रों में बायोमेट्रिक का इंस्टालेशन हो गया है, वहां ट्रायल के रूप में बायोमेट्रिक से आईडिस एवं थंबस डिम्प्रेशन के द्वारा धान खरीदी हो रही है।

> डेढ़ लाख क्विंटल धान का उठाव किया जा चुका है, बफर लिमिट केंद्रों में भी डीओ कट गया है, वहां से भी उठाव हो जाएगा। अभी डीओ ही काट रहे है, टीओ नही काट रहे है। तेजी से मिलिंग करेंगे तो टीओ जारी करने की नौबत नही आएगी।
>
> **-सौरभ भारद्वाज,** जिला विपणन अधिकारी

माना एयरपोर्ट पर एयर इंटेलिजेंस विंग की यूनिट स्थापित करने का आदेश जारी

- काले धन, हवाले की रकम पर रहेगी आयकर विभाग की नजर

पायनियर संवाददाता ∢ रायपुर
www.dailypioneer.com

देश के तीन गैर महानगरीय एयरपोर्ट्स पर एयर इंटेलिजेंस यूनिट स्थापित करने का आदेश केंद्रीय वित्त मंत्रालय के राजस्व विभाग ने जारी कर दिया है। इनमें माना एयरपोर्ट रायपुर के साथ भोपाल और इंदौर एयरपोर्ट भी शामिल हैं। केंद्रीय प्रत्यक्ष कर बोर्ड के अवर सचिव वैभव श्रीवास्तव ने डीजी आयकर अन्वेषण ब्यूरो (सीजी एमपी) भोपाल को पत्र लिखकर मंजूरी से सूचित करते हुए बजट प्रस्ताव भेजने कहा है। इधर रायपुर के डीजी आयकर ने एयरपोर्ट अथारिटी से माना एयरपोर्ट लाउंज में दफ्तर के लिए कक्ष या स्पेस उपलब्ध कराने की कार्रवाई शुरू कर दी है। यह विंग, सीआईएसएफ, एयरपोर्ट अथारिटी माना के साथ समन्वय से काला धन, विशेषकर हवाले की रकम और कारोबारियों की धरपकड़ में अहम भूमिका निभाएगा। अब तक सीआईएसएफ या एयरपोर्ट प्रबंधन की सूचना पर आयकर अमला काम करता रहा है। या फिर चुनावों के दौरान अस्थाई रूप स्टैटिक टीम के रूप में आयकर अमला एयरपोर्ट पर तैनात किया जाता रहा है। अब यह विंग स्थाई रूप से एक आफिस के रूप में एयरपोर्ट परिसर में ही काम करेगा। यह अमला सीआईएसएफ के जवानों के साथ बैगेज, लगेज स्कैनर पर बारीकी से नजर रखेगा। इस दौरान नगदी के साथ-साथ जेवरात मिलने पर भी कार्रवाई करेगा। यह नवा रायपुर स्थित आयकर अन्वेषण ब्यूरो के अधीन होगा। जहां संयुक्त कमिश्नर के मातहत दो से तीन शिफ्ट में आधा दर्जन से अधिक आई टी ओ, आईटी इंस्पेक्टर और लिपिक भी तैनात रहेंगे।

सीएम भूपेश बघेल को हार का हो गया है आभास : बृजमोहन

पायनियर संवाददाता ∢ रायपुर
www.dailypioneer.com

पहले और दूसरे चरण के मतदान के बाद प्रदेश प्रभारी कुमारी सैलजा ने विधायकों के साथ समीक्षा बैठक ली थी। जिसमें तमाम अहम मुद्दों पर बातचीत की गई, इसी को लेकर पूर्व मंत्री बृजमोहन अग्रवाल ने कहा कि, कांग्रेस अपनी हार की समीक्षा कर रही है। उनकी विदाई जनता ने तय कर दी है, इसलिए अपनी विदाई और हार की समीक्षा की जा रही है। सीएम भूपेश बघेल ने 75 पार सीट लाने का दावा किया था। इसी पर पूर्व मंत्री बृजमोहन ने कहा कि, आश्वस्त कोई नहीं है, सभी की आंखों में धूल झोंकने का काम कर रहे हैं। मुख्यमंत्री तो कुछ बोल ही नहीं रहे, महादेव घाट में छठ के कार्यक्रम में जो मुख्यमंत्री की बॉडी लैंग्वेज और दबा हुआ बोल था। इस बात से उनको आभास हो गया है कि, कांग्रेस जाने वाली है और बीजेपी आने वाली है। सर्वे रिपोर्ट पर क्या बोले- बीजेपी की अलग-अलग विधानसभाओं की सर्वे रिपोर्ट पर बृजमोहन अग्रवाल ने कहा कि, यह सर्वे रिपोर्ट कार्ड नहीं, कार्यकर्ताओं के बातचीत के माध्यम से आंकलन करना है। इसी आंकलन से बीजेपी की सरकार बनना तय है।

राजधानी के चारों विधानसभा में मतदान प्रतिशत कम होने पर सपा ने चिंता जाहिर की

पायनियर संवाददाता ∢ रायपुर
www.dailypioneer.com

समाजवादी पार्टी के प्रदेश अध्यक्ष नवीन गुप्ता ने राजधानी की चारों विधानसभा सीटों में मतदान प्रतिशत कम होने पर गहरी चिंता प्रकट करते हुए कहा कि राजधानी रायपुर में मतदान का 15 प्रतिशत घट जाना मतदाताओं की उदासीनता है या फिर रायपुर में लंबे समय से चुनाव लड़ रहे नेताओं से उब गए है जो वायदे किये है उसको पूरा करने के लिए तो आम जनता से टैक्स के रूप में वसूली की जाएगी। ऐसे कई बातें हैं यहां तक राजधानी रायपुर में चुनावों के दौरान जो घटनाक्रम सामने आए हैं, चाहे पोस्टर फाड़ने का मामला हो या फिर शराब का जखीरा मिलने का मामला हो या फिर लाखों रूपया नगदी के साथ मारपीट जैसे अनेक घटनों ने राजधानी रायपुर के चारों विधानसभा क्षेत्र में मत प्रतिशत कम होने का संकेत देते है। सपा नेता नवीन गुप्ता ने बताया कि राजधानी की जनता ने हमेशा बड़ चड़कर वोटिंग किये है ऐसा पहली हुआ है। जब मतदान का प्रतिशत इतना कम हुआ हो। आम जनता के साथ सभी राजनीतिक पाटियां सहित उन नेताओं को भी सोचना होगा जो बड़ बोले नेता हैं। सीधा-सीधा 15 प्रतिशत कम मतदान आखिर किस बात की ओर इंगित करता है। कहीं मतदाता आने वाली सरकार का भविष्य जानकर या जानबुझकर मतदान नहीं किये या फिर कुछ और कारण तो नहीं इन सभी कारणों की गंभीरता पूर्वक समीक्षा करने की आवश्यकता है।

तहसीलदार, एसडीएम सहित अन्य राजस्व अधिकारियों की ड्यूटी लगने से राजस्व संबंधी मामलों पर कोई सुनवाई नहीं

पायनियर संवाददाता ∢ रायपुर
www.dailypioneer.com

न्यायालयों में 12 हजार से ज्यादा प्रकरण लंबित

राजधानी सहित प्रदेशभर में विधानसभा चुनाव का सीधा असर राजस्व मामलों पर देखने को मिल रहा है। कलेक्टर न्यायालय हो या एसडीएम या तहसील सभी जगहों पर मामले लंबित हैं। अकेले रायपुर जिले में 12 हजार से ज्यादा राजस्व मामले लंबित हैं। राजस्व विभाग के आंकड़ों के अनुसार जिले में 12,005 राजस्व मामले विभिन्न न्यायालयों में लंबित हैं। इसका प्रमुख कारण चुनावी कार्यों में तहसीलदार, एसडीएम सहित अन्य राजस्व अधिकारियों की ड्यूटी रही। आचार संहिता लगने से पहले से ही तहसील कार्यालय के ज्यादातर अधिकारी-कर्मचारी निर्वाचन कार्यों में लगे रहे। इसके बाद ईवीएम की कमिशनिंग से लेकर प्रशिक्षण सहित अन्य कार्यों के अलावा मतदान करवाने की जिम्मेदारी भी इन्हीं को सौंपी गई। इसकी वजह से ज्यादातर तहसीलदार, एसडीएम सहित अन्य जिम्मेदार अपनी अदालत में नहीं बैठ पाए और मामलों की पेंडेंसी बढ़ती गई। मतदान के बाद अब सोमवार से सभी अधिकारी-कर्मचारी अपने-अपने कार्यालयों में वापस लौटेंगे और इसके बाद मामलों का समय पर निराकरण किया जाना संभव हो सकेगा। चुनाव के दौरान पटवारियों की भी ड्यूटी लगाई गई थी। मशीनों की कमीशनिंग से लेकर दिव्यांग सहित बुजुर्गों को घर से मतदान करवाने के लिए उन्हें भेजा गया था। इसकी वजह से अधिकांश पटवारी कार्यालयों में लोगों के जाने के बाद वे नहीं मिल सके। इसकी वजह से भी लोगों के प्रतिवेदन सहित कई अन्य कार्य अटके ही रहे। राजस्व मामलों में जमीन सहित अन्य कई ऐसे प्रकरण हैं, जो कि पछले कई वर्षों से लंबित हैं। आंकड़ों के अनुसार 1,275 मामले ऐसे हैं, जो कि दो साल से लंबित हैं। वहीं, 571 पांच साल से लंबित चल रहे हैं, जबकि 179 मामलों की तो सुनवाई होते पांच साल से अधिक समय से हो चुका है। लेकिन इनका निराकरण अब तक नहीं हो पाया है

कांग्रेसी नेताओं को पार्टी ने दिखाया बाहर का रास्ता

जगदलपुर। चुनाव के बाद बागी नेताओं पर कार्रवाई जारी है। कांग्रेस ने जगदलपुर से अधिकृत प्रत्याशी के खिलाफ गतिविधियों में काम करने के आरोप में तीन कांग्रेसी नेताओं पर कार्रवाई की है। पूर्व महिला कांग्रेस शहर अध्यक्ष कमल झज्ज, विक्रम शर्मा और कुक्की झारी को 6 साल के लिए पार्टी से निष्कासित कर दिया गया है। आला कमान के निर्देश पर जगदलपुर में शहर जिला अध्यक्ष सुशील मौर्य ने निष्कासन की कार्रवाई करते हुए 3 नेताओं को 6 साल के लिए पार्टी से निष्कासित किया है। गौरतलब है कि पूर्व महिला कांग्रेस शहर अध्यक्ष कमल झज्ज ने डेढ़ वर्ष पहले अपने सभी पदों से इस्तीफा दे दिया था लेकिन पार्टी की ओर से कोई कार्रवाई नहीं की गई थी। चुनाव के दौरान भी उन्हें मनाने का प्रयास किया गया लेकिन उन्होंने सोशल मीडिया पर भारतीय जनता पार्टी की प्रत्याशी किरण देव का प्रचार किया और इसी को आधार बनाकर कांग्रेस ने उन्हें निष्कासित कर दिया। इसके अलावा जगदलपुर में विक्रम शर्मा और कुक्की झारी पर भी पार्टी विरोधी गतिविधि करने पर निष्कासन की कार्रवाई की गई है।

रेलवे की ओर से अग्नि दुर्घटना से यात्रियों के बचाव के लिए विशेष जागरूकता और जांच अभियान

- ट्रेनों में अग्निशमन यंत्रों की उपलब्धता और वैधता की ली जानकारी

पायनियर संवाददाता ∢ रायपुर
www.dailypioneer.com

रेलवे की ओर से अग्नि दुर्घटना से यात्रियों के बचाव के लिए विशेष जागरूकता और जांच अभियान चलाया जा रहा है। अभियान के तहत रेलवे अधिकारियों, कर्मचारियों की टीम ने पिछले तीन दिनों में दक्षिण पूर्व मध्य रेलवे से होकर गुजरने वाली 100 से अधिक ट्रेनों की जांच की है। वाणिज्य विभाग और रेलवे सुरक्षा बल द्वारा गाड़ियों के पैंट्रीकारों सहित यात्री डिब्बों में ले जाए जा रहे किसी भी प्रकार के विस्फोटक और एलपीजी सिलेंडर, केरोसिन स्टोव आदि ज्वलनशील सामान की जांचकर त्वरित कार्रवाई की जा रही है। स्टेशन परिसर के चारों ओर सीसीटीवी कैमरों के माध्यम से निगरानी भी रखी जा रही है। साथ ही गाड़ियों में धूम्रपान पर रोक, अग्निशमन यंत्रों की उपलब्धता व वैधता भी जांची जा रही है। गाड़ियों में यात्रियों को अग्निशमन यंत्रों, आपातकालीन खिड़की के प्रयोग संबंधी जानकारी दी जा रही है। अधिकारियों का कहना है कि यात्री सुरक्षा रेलवे की सर्वोच्च प्राथमिकता है। ट्रेनों में आग लगने की घटनाएं मानव जीवन और रेल संपदा के लिए सबसे गंभीर आपदाओं में से एक है, इसलिए अग्नि सुरक्षा जागरूकता अभियान सुरक्षित यात्रा वातावरण बनाने की प्रतिबद्धता को रेखांकित करता है। इसका मुख्य उद्देश्य यात्रियों को ट्रेनों में यात्रा के दौरान अग्नि सुरक्षा के महत्व से अवगत कराना तथा जागरूकता अभियान चलाकर आगजनी घटनाओं के जोखिम को कम करना है। सभी टिकट चेकिंग कर्मचारियों को ड्यूटी के दौरान अग्निशमन यंत्रों की उपलब्धता और गाड़ियों में प्रतिबंधित सामान की जांच करने के लिए निर्देशित किया गया है। अधिकारियों का कहना है कि यात्री गाड़ियों में किसी भी प्रकार का ज्वलनशील और विस्फोटक (गैस सिलेंडर, केरोसिन, पेट्रोल, डीजल, पटाखा) सामान इत्यादि लेकर यात्रा न करें, इससे बड़ी दुर्घटना घटित हो सकती है। साथ ही ऐसी गलती से लोगों की जानमाल का नुकसान भी हो सकता है। रेल यात्रा के दौरान स्टेशन, प्लेटफार्म अथवा यात्री गाडियों में ज्वलनशील और विस्फोटक सामान को लेकर जाना धारा 164 रेल अधिनियम के तहत दंडनीय अपराध है। ऐसे करते पकड़े जाने पर तीन साल तक का कारावास और जुर्माना का प्रविधान है

सीएमवाईके प्रिंटेक लिमिटेड के लिए मुद्रक एवं प्रकाशक भोजराम पटेल द्वारा आसमा पब्लिसर्स इण्डिया प्रायवेट लिमिटेड पीएनबी के सामने जयस्तंभ चौक रायपुर, छत्तीसगढ़ से मुद्रित तथा श्री बालाजी हॉस्पिटल कैम्पस (मोवा) रायपुर, छत्तीसगढ़ - 492001 से प्रकाशित संपादक-अच्युतानन्द द्विवेदी*
समाचार चयन के लिए पीआरबी एक्ट के तहत जिम्मेदार, डाक पंजीयन नं. छ.ग./रायपुर संभाग/97/2021-23, दूरभाष नंबर 0771, 2972403